एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

आम बजट 2024-25

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, बुधवार 24 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 106 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नौकरी वालों की मौज

- रोजगार सृजन, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन पर जोर
- किसानों को तोहफा, युवाओं के लिए रोजगार
- मध्यम वर्ग को कर में मामूली राहत

नई कर प्रणाली में बदलाव

17.5 हजार तक की होगी बजत

पहले	अब	टैक्स की दर
3 लाख	3 लाख	00
3 से 6 लाख	3 से 7 लाख	5%
6 से 9 लाख	7 से 10 लाख	10%
9 से 12 लाख	10 से 12 लाख	15%
12 से 15 लाख	12 से 15 लाख	20%
15 लाख से ऊपर	15 लाख से ऊपर	30%

64 हजार महीने तक की कमाई टैक्स के दायरे में नहीं

क्या सस्ता-क्या महंगा

ये चीजें होंगी सस्ती

चमड़े के जूते, कपड़े, सोना-चांदी, तांबा, लोहा-स्टील, मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कैंसर दवा, प्लेटिनम, बिजली के तार, एक्सरे मशीन, समुद्री भोजन, क्रूज यात्रा,फुटवियर और सोलर सेट्स.

इनके बढ़ेंगे दाम

सिगरेट, हवाई जहाज से यात्रा, प्लास्टिक का सामान, दूरसंचार उपकरण और पेट्रोकेमिकल.

मोदी 3.0 का पहला आम बजट

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश आम बजट में आयकर मोर्चे पर मध्यम वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को राहत देने और अगले पांच साल में रोजगार सृजन के लिए दो लाख करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की. इसके साथ ही उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के शासन वाले राज्यों- बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं का भी ऐलान किया. भाजपा को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के लिए ग्रामीण असंतोष और बेरोजगारी को जिम्मेदार माना गया है. सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया. वहीं आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है. यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है. सीतारमण ने अपना सातवां और नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए स्टार्टअप में सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए 'एंजल कर' समाप्त करने की घोषणा की. जब कोई गैर-सूचीबद्ध या स्टार्टअप कंपनी शेयर जारी कर पूंजी जुटाती है और उसका मूल्य कंपनी के उपयुक्त बाजार मूल्य से अधिक होता है, तब उस पर 'एंजल कर' लगाया जाता है. बजट में मोबाइल फोन एवं सोने पर सीमा शुल्क में कटौती की गई है और पूंजीगत लाभ कर को सरल बनाया गया है.

आम बजट 2024-25

बजट एक नजर में

चुनाव परिणामों से नसीहत

कंपनियां रोजगार दें, वेतन व ईपीएफ का कुछ खर्च सरकार उठाएगी. कोरोना के दौरान ऐसी स्कीम का प्रयोग हुआ था, सफलता सीमित रही थी.

रोजगार के लिए तीन स्कीम

फॉर्मल सेक्टर में उद्योगों को रोजगार देने पर प्रोत्साहन. पहली बार नौकरी पाने वालों के वेतन के कुछ हिस्से का बोझ सरकार उठाएगी. नई नौकरी वालों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर भी मिलेगा. अतरिक्त रोजगार देने वाले उद्योगों के कर्मचारियों का ईपीएफ सरकार देगी.

गठबंधन का दबाव

गठबंधन के भागीदार वाले राज्यों बिहार व आंध्रप्रदेश को करीब 50,000 करोड़ रुपए की सीधी मदद. अन्य स्कीमों में आवंटन अलग से. बिहार को पैकेज नहीं मगर सडक पुल हाइवे, बुनियादी के लिए 26000 करोड़, बिहार को बाढ़ प्रबंधन के लिए 1500 करोड़ और मिलेंगे. बिहार में मंदिरों के विकास के बजट लिए करीब 37000 करोड़ रुपए की सीधी घोषणा. आंध्र प्रदेश को इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 15000 करोड, इंडस्ट्रियल कॉरीडोर और पिछड़े इलाकों के अलग से मदद.

एनपीए बढ़ने का डर

मुद्रा लोन की सीमा दस लाख से बढा कर 20 लाख कर दी गई है. इससे बैंकों का एनपीए बढ़ने का डर है.

गांवों में निवेश

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का चौथ चरण आएगा. इससे गावों में निवेश बढ़ने की संभावना है.

इनकम टैक्स

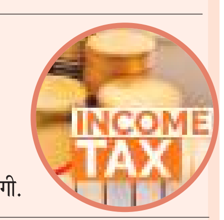

नई इनकम टैक्स रिजीम में दो रियायतें दी गई है. स्टैंडर्ड डिडक्शन 50,000 से बढ़ाकर 75,000 कर दिया गया है. आम करदाताओं को 17500 की रियायत मिलेगी.

कैपिटल गेन्स

लांग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स की सीमा 10 से 12 लाख कर दिया गया है. लेकिन टैक्स की दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है. इसके साथ ही कुछ निवेशों पर शॉर्ट टर्म टैक्स 20 प्रतिशत किया गया है.

झारखंड की झोली में क्या आया

निर्मला सीतामरण ने बजट पेश करते हुए नॉर्थ ईस्ट राज्यों के विकास के लिए पूर्वोदय योजना की भी घोषणा की है. इसका सीधा लाभ झारखंड और यहां के आदिवासियों को मिलेगा. निर्मला सीतारमण के बजट में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना की घोषणा की गयी है. झारखंड समेत इन सभी राज्यों का विशेष राज्य की तरह विकास किया जाएगा. यह योजना आदिवासी-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी. इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा.

रेल परियोजनाओं को मिला विस्तार : राज्य की पुरानी रेल परियोजनाओं के विस्तार का ऐलान हुआ है. इसके तहत कई किमी रेल लाइन के विस्तार का प्लान है. झारखंड में 1000 करोड़ से गोइलकेरा -मनोहरपुर थर्ड लाइन का 40 किमी होगा. 250 करोड़ रुपए से बंदमुंडा रांची रेल लाइन का 58 किलोमीटर का विस्तार किया जाएगा. 9.50 करोड़ रुपए में रांची लोहरदगा टोरी का 113 किलोमीटर विस्तार किया जाएगा. साथ ही मुरी बरकाकाना 58 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण किया जाएगा. राजखरसवा सिन्नी थर्ड लाइन के विस्तार का प्लान है. इसके अलावा और भी कई परियोजनाओं को विस्तार मिला है.

- वित्त मंत्री ने किया 12 इंडस्ट्रियल पार्क का ऐलान

₹2553930000000

रेलवे के लिए सरकार ने खोल दिया खजाना, अब तक का सबसे बड़ा बजट

- रेलवे के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट आवंट
- सरकार ने विकास के लिए 2.55 लाख करोड़ रुपये दिए
- चालू वित्त वर्ष में 2500 जनरल कोच के निर्माण का लक्ष्य

2.66

लाख करोड़ रुपए का प्रावधान ग्रामीण विकास के लिए

बिहार, आंध्र और मिडिल क्लास की बल्ले-बल्ले

पहली नौकरी मिलने पर सीधे खाते में आएंगे 15 हजार

पीएफ भी सरकार देगी

2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा एलान

सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है. इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है. संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डीबीटी के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा. इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपये होगी. ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी. योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी. इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा.

बजट की मुख्य बातें

- 2 लाख करोड़ रुपये के प्रावधान के साथ युवाओं के लिए 5 स्कीम. 5 करोड़ से ज्यादा युवाओं को होगा लाभ. रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देने के लिए 3 स्कीम.
- कृषि व उससे जुड़े सेक्टर के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान. किसानों और उनकी जमीनों को मिलेगा डिजिटल पब्लिक इंफ्रा का फायदा. फार्मर एंड लैंड रजिस्ट्री के दायरे में आएंगे 6 करोड़ किसान.
- विकसित भारत का इंजन बनेंगे पूर्वी राज्य. बिहार को मिले 3 एक्सप्रेस-वे. 26 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनेंगी नई सड़कें. गया में बनेगा औद्योगिक हब.
- मुद्रा लोन की लिमिट बढ़ाई गई. अब इस स्कीम में 20 लाख रुपए तक के लोन मिलेंगे.
- हर नए कर्मचारी के लिए कंपनियों को 2 साल तक हर महीने 3-3 हजार रुपए का रिम्बर्समेंट मिलेगा. इससे 50 लाख लोगों को लाभ होगा.
- फॉर्मल सेक्टर में वर्कफोर्स से जुड़ने वालों को डाइरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के तहत 15 हजार रुपए तक का फायदा दिया जाएगा. इसके लिए 1 लाख रुपए तक की सैलरी वाले कर्मचारी पात्र होंगे. इससे 2 लाख से ज्यादा युवाओं को लाभ.
- मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सृजन. ईपीएफओ मे कंट्रीब्यूशन के हिसाब से फर्स्ट टाइम एम्पलॉइज को मिलेगा प्रोत्साहन. 30 लाख युवाओं को होगा फायदा.

मोदी 3.0 की नौ प्राथमिकताएं

1. कृषि में उत्पादकता और लचीलापन
2. रोजगार और कौशल
3. समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय
4. विनिर्माण और सेवाएं
5. शहरी विकास
6. ऊर्जा सुरक्षा
7. बुनियादी ढांचा
8. नवाचार, अनुसंधान और विकास
9. अगली पीढ़ी के सुधार

किस मद में कितनी राशि

रक्षा (1000 करोड़ कम)
23-24 4.55 लाख करोड़
24-25 4.54 लाख करोड़

खाद (25 हजार करोड़ कम)
23-24 1.89 लाख करोड़
24-25 1.64 लाख करोड़

फूड सब्सिडी (7000 करोड़ कम)
23-24 2.12 लाख करोड़
24-25 2.05 लाख करोड़

कृषि (8000 करोड़ बढ़ा)
23-24 1.43 लाख करोड़
24-25 1.51 लाख करोड़

फसल बीमा (500 करोड़ कम)
23-24 15.00 हजार करोड़
24-25 14.50 हजार करोड़

विदेश मंत्रालय (7 हजार करोड़ कम)
23-24 29 हजार करोड़
24-25 22 हजार करोड़

मुफ्त राशन स्कीम (एक हजार करोड़ कम)
23-24 2.12 लाख करोड़
24-25 1.02 लाख करोड़

पूर्वोत्तर भारत (कोई बदलाव नहीं)
23-24 5900 करोड़
24-25 5900 करोड़

ले आउट
आदित्य सिंह

युवाओं-मध्यम वर्ग को मिलेगी नई ताकतः मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने बजट देश को समृद्धि की ओर लेकर जाएगा. इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है. ये शक्ति देने वाला बजट है. ये किसानों-युवाओं को प्रगति की राह पर ले जाना वाला बजट है. ये युवाओं को अनगिनत मौके देने वाला बजट है. इस बजट से मिडिल क्लास को नई ताकत मिलेगी. ये जनजातीय समाज, दलित, पिछड़ों को सशक्त करने की योजनाओं के साथ आया है. इससे महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी. इस बजट से व्यापारियों, लघु उद्योगों को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा.

विशेष आयोजन

पेज 6-7

हमारे न्याय पत्र का कॉपी-पेस्ट बजटः राहुल

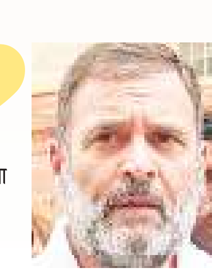

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, सरकार ने 'कुर्सी बचाओ' बजट पेश किया है. यह कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र और पिछले बजटों की नकल है. अपने मित्रों को खुश किया गया, 'एए' को लाभ दिया गया, लेकिन आम लोगों को कोई राहत नहीं दी गई. ये हमारे न्याय पत्र का 'कॉपी-पेस्ट' है. इस देश को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस के पास ही विजन है. मोदी की तीसरी सरकार के खोखले वादे पहले की तरह निरर्थक साबित होंगे. बजट पूरी तरह दिशाहीन है. इसमें कई राज्यों के साथ अन्याय हुआ है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष विदेश यात्रा का योग है. आय भी होगी, पर गलत आय से बचें. नौकरी में पदोन्नति होगी. बेरोजगारी दूर होकर प्रसन्नता बनी रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. बाहरी सहयोग से कार्य होगा. नए कार्य की शुरुआत हो सकती है. यात्रा लाभदायक रहेगी. गणेश जी का पूजन करें.

वृषभ समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. सरकारी कार्य में गति मिलेगी. पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी संत से शुभ ज्ञान प्राप्त होगा. पुराने भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. आत्मविश्वास बढ़ता है. व्यवसाय ठीक है. चिंता और तनाव रहेगा.

मिथुन धर्म में मन लगेगा. ससुराल से संबंध सुधार होगा. साथ ही लाभ की स्थिति बनेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. अप्रत्याशित लाभ होगा बेरोजगारी दूर होगी. सक्रिय रहना होगा. परिवार की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी.

कर्क नया कार्य के पहले बिचार अतिआवश्यक है. इससे बचना होगा. अप्रत्याशित खर्च सामने आयेंगे स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. कार्य में बाधा होगी. धन और कीर्ति की हानि हो सकती है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

सिंह कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है. पुरानी लेनदारी वसूल होगी. काम में मन लगेगा. वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी. यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेगी. फालतू बातों पर ध्यान न दें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी.

कन्या कार्य में सफलता मिलेगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर होगी. नेत्र तथा सिर दर्द हो सकता है. व्यावसायिक कठिनाई दूर होगी. चिंता कम रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. कार्य में लगन बढ़ेगी. शिवलिंग पर जलाभिषेक करें.

तुला अपरिचित से लेन-देन में सावधानी रखें. विवाद को तूल न दें. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपनों से सहयोग नहीं मिलेगा. चिंता रहेगी. विस्तार कार्यो में देरी हो सकती है. हिम्मत रखो. नकारात्मकता बढ़ेगी. फल का दान करें.

वृश्चिक समय अच्छा है. खुशी व सहयोग प्राप्त होगा. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. कोर्ट कचहरी में सफलता हासिल होगी. परिवार में आनंदोत्सव हो सकता है. कुछ दिक्कतों के साथ लाभ में वृद्धि होगी. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. निवेश शुभ रहेगा.

धनु उन्नति के प्रयास कोमल रहेंगे. रोजगार में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. भूमि और भवन संबंधी बाधा दूर होगी. यात्रा, निवेश और नौकरी मनोनुकुल लाभ होगा. विरोधी अनुकूल रहेंगे हैं. उनका विरोध ढीला रहेगा. पीला वस्तु दान करें.

मकर वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है. मित्र व संबंधियों से लाभ होगा. कोर्ट कचहरी के काम निबट करेंगे. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा से लाभ होगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. निवेश सोच विचार कर ही करे, धन फंसने का योग है. यात्रा अनुकूल रहेगी. बेचैनी रहेगी. अपनों से संबंध बिगड़ सकते हैं. वाणी पर नियंत्रण रखें.किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन धन मिलने से मन प्रसन्न होगा. विदेश में बसे लोगों के लिए लाभ का समय है.. निद्रा में कमी आएगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरी में काम का दबाव अधिक हो सकता है. आय में वृद्धि होगी. परहित के काम करने का मौका मिल सकता है.

सुदेश महतो दिल्ली रवाना, हो सकती है सीट शेयरिंग पर चर्चा

रांची। आजसू सप्रीमो सुदेश कुमार महतो मंगलवार को दिल्ली रवाना हुए. उनके दिल्ली जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया है. कयास लगाया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान के साथ विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीट शेयरिंग पर भी चर्चा हो सकती है. साथ ही चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हो सकती है. इससे पहले रांची में सुदेश महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी. ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए आजसू पार्टी भी कई कार्यक्रम चला रही है.

राज्य की जनता खौफ में जी रही अपराधी मौज में : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कांग्रेस और झामुमो सरकार में अपराधियों का बोलबाला इस कदर बढ़ गया है कि शिक्षक समेत राज्य के अन्य कर्मचारी नौकरी छोड़ कर दूसरे प्रदेश में जाने को विवश हैं. भय का वातावरण सिर्फ सड़कों पर ही नहीं है, लोगों के जहन में भी है. जब चोरों, डकैतों और अपराधियों को संरक्षण स्वयं सरकार से मिल रहा है, तो जनता करे तो करे क्या? सरकार में घरों के टूटे हुए ताले भी अब चोरों को मिली हिम्मत की दाद दे रहे हैं. महिलाएं असुरक्षित हैं, बच्चे डरे हुए हैं, झारखंडवासी परेशान हैं और हेमंत सरकार में अपराध और अपराधियों का कोई निदान नहीं है.

शुरू से मैं स्वयंसेवक रहा, यह मेरा सौभाग्य : बाबूलाल ने एक्स पर एक दूसरा पोस्ट भी किया है. उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं अपने जीवन के प्रारंभिक दिनों से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक रहा हूं. संघ की गतिविधियों से जुड़कर व्यक्तिव विकास, चरित्र निर्माण, समाजसेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित होती है. दुर्भावना एवं पूर्वाग्रह की राजनीति से प्रेरित होकर कांग्रेस ने केंद्रीय कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था. पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने कांग्रेस के इस तुगलकी फैसले को बदलकर समाज के बड़े वर्ग को संघ के संस्कार प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है. इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का हृदयतल से आभार.

पुलिस विभाग में उलट-फेर: डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने जारी किया आदेश, गई अफसर किए गए डिमोट

आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर एएसआई बने 12 अफसर फिर से बने सिपाही

सौरभ सिंह। रांची

आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर सब इंस्पेक्टर बने 12 पुलिस पदाधिकारी फिर से सिपाही बनाए गए हैं. हाईकोर्ट के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है. डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

जिन्हें फिर से सिपाही बनाने का आदेश दिया गया है, उनमें धनंजय कुमार सिंह, सुखराम नाग, संजय कुमार शर्मा (वर्तमान बोकारो जिला बल), रामाकांत राय (वर्तमान में पलामू जिला बल) विशु उरांव, उपेंद्र कुमार राय (वर्तमान में सरायकेला जिला बल) ,मारवाड़ी उरांव, योध्या उरांव (वर्तमान में देवघर जिला बल), सलन पॉल केरकेट्टा (वर्तमान में धनबाद जिला बल), महेश्वर महतो (वर्तमान रामगढ़ जिलाबल), भूतनाथ सिंह मुंडा (वर्तमान में चाईबासा जिला बल), मो. अबरार (वर्तमान हजारीबाग जिलाबल) और इंस्पेक्टर अमरनाथ-2 (मृत) शामिल हैं.

बताया जा रहा है कि सिमडेगा जिला बल के तत्कालीन पुलिसकर्मी अरुण कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. इसमें बताया गया था कि प्रमोशन के वक्त उन्हें दरकिनार कर दिया गया. प्रोन्नति समेत अन्य मामले को लेकर हाईकोर्ट में याचिका (एलपीए न. - 392/2019) दायर की थी. हाईकोर्ट ने 16 दिसंबर 2022 को पुलिसकर्मी के पक्ष में आदेश दिया. आदेश को लेकर अवमाननावाद (सिविल) (संख्या-471/2023) दायर किया गया. 16 जनवरी 2024 को हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया. इसके बाद गृह विभाग ने कार्रवाई का निर्देश दिया. पुलिस मुख्यालय ने कार्रवाई करते हुए इनलोगों को सिपाही के पद पर डिमोट करने का आदेश जारी कर दिया.

2008 में दिया गया था इन्हें प्रमोशन

सिमडेगा के बांसजोर ओपी पर दो जनवरी 2008 की रात उग्रवादियों ने हमला कर दिया था. इस हमले में पुलिसकर्मियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए उग्रवादियों से लोहा लिया था. इसके बाद सिमडेगा के तत्कालीन एसपी ने आउट ऑफ टर्म प्रोमोशन की अनुशंसा कर दी थी. इसके बाद ही 12 सिपाहियों को प्रोमोशन देते हुए एएसआई बना दिया गया था.

22 दारोगा, इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति के योग्य पाए गए

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 22 सब इंस्पेक्टर (दरोगा) को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति के योग्य पाया है. जल्द ही सभी को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति दी जाएगी. मुख्यालय ने जिन 22 सब इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति योग्य पाया है, उसमें सुधीर प्रसाद साहू, हजारीबाग शिव बिहारी तिवारी, शंभू प्रसाद सिंह, त्रिलोचन तामसोय, पृथ्वी सेन दास, विजय कुमार, अभिजीत गौतम, मुकेश चौधरी, गुलशन भेंगरा, सोनी प्रताप, अजीत कुमार भारती, प्रशांत कुमार-1, हरदियुस टोप्पो, दयानंद सोरेन, संजय जनक मूर्ति, संजय चंद्र उरांव, राजीव प्रकाश, मो. कुद्दुस, मानकी सुंडी, बैजनाथ कुमार, एस. खालीद ईमाम और पूनम कुजूर शामिल हैं.

चयन पर्षद की बैठक में 49 दारोगा की प्रोन्नति पर किया गया था विचार : गौरतलब है कि डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में चयन पर्षद की बैठक हुई थी. इस बैठक में राज्य के अलग-अलग जिले में पदस्थापित 49 दारोगा की प्रोन्नति पर विचार किया गया. 49 में से 22 सब इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर के प्रोन्नति के योग्य पाया गया. वहीं 22 अन्य सब इंस्पेक्टर को वृहत सजा प्रभावी होने के चलते प्रोन्नति के लिए अयोग्य पाया गया. पांच ऐसे सब इंस्पेक्टर हैं, जिनकी प्रोन्नति लंबित है. उनमें से चार पर विभागीय कार्यवाही से संबंधित एक मामला लंबित है.

कोल्हान प्रमंडल पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

युवा, महिला, किसान, छात्र, गरीब, दलित सबके लिए योजना चला रही सरकार: सीएम

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो कार्यकर्ता विस चुनाव के लिए तैयार रहें : हेमंत

झारखंड मुक्ति मोरचा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है. रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में मंगलवार को कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई , जिसे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ऑनलाइन संबोधित किया. उन्होंने झामुमो कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है. हेमंत ने कहा कि सरकार की योजना समाज के हर वर्ग के लोगों तक पहुंचे, ये पंचायत स्तर के कार्यकर्ता सुनिश्चित करें. सरकार आज युवा, महिला, किसान, छात्र, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़ा सबके लिए योजना चला रही है.

कोल्हान प्रमंडल स्तरीय बैठक में झामुमो महासचिव विनोद पांडेय व गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कार्यकर्ताओं को टिप्स दिये.

बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी

बुधवार को झामुमो के खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हरमू स्थित सोहराई भवन में आहूत की गयी है. बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी और कार्यकर्ताओं को बूथ मैनेजमेंट से लेकर चुनाव जीतने के टिप्स दिए जाएंगे. सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए क्या-क्या करना है, नेताओं- कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा.

लोगों की आस हेमंत से, वह टूटे ना : कल्पना

गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने बैठक में आये सभी कार्यकर्ताओं को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि लोगों का विश्वास हेमंत सोरेन पर है. लोगों की आस टूटनी नहीं चाहिए. कार्यकर्ता मजबूती से अपने क्षेत्र में जनकल्याण के काम करें. उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्देश दिया. योजनाओं का लाभ हर हाल में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया. आप सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है सरकार की जो भी योजना है उसे गांव-गांव तक पहुंचाएं.

बूथ स्तर पर कार्यक्रम करें : विनोद पांडेय

पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आये कार्यकर्ताओं को राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी. उनके कार्यकर्ताओं के सवालों के भी जवाब दिए और संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करने की बात कही. उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हरेक कार्यकर्ता गांव-गांव में जाकर बैठक करें और सरकार की सारी योजनाओं के बारे में बताएं. बैठक में कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्षव सचिव, नगर/महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी और पंचायत समिति के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए.

प्रत्यक्षदर्शी हो, तो हत्या के पीछे की मंशा साबित करने की जरूरत नहीं : हाईकोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जब कोई प्रत्यक्षदर्शी हो, जिसने हत्या होते देखी हो और उसका साक्ष्य विश्वसनीय हो तो अभियोजन पक्ष के लिए अपराध के पीछे की मंशा साबित करना जरूरी नहीं है.

दरअसल रांची सिविल कोर्ट ने अजीत बारला को जेम्स केरकेट्टा की हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए 27 नवंबर 2017 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था. रांची सिविल कोर्ट के फैसले को अजीत बारला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. अजीत की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीठ में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अजीत की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष अपराध के पीछे के मकसद को साबित करने में विफल रहा. जिसने घटना को देखने का दावा किया था, उसे विश्वसनीय प्रत्यक्षदर्शी नहीं माना जा सकता, क्योंकि उसने अपीलकर्ता को हथियार के साथ देखने के बाद अपनी आंखें बंद कर ली थीं.

वही राज्य सरकार के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि गवाह वास्तव में प्रत्यक्षदर्शी है और उसने घटना को प्रत्यक्ष रूप से देखा था. दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने रांची सिविल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए अजीत कुमार की याचिका खारिज कर दी.

बैंक का अधिकारी बन ठगी करने वालों को दी पांच साल की सजा

रांची। बैंक अधिकारी बनकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधियों गणेश मंडल उसके पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल उसके पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने सभी दोषियों पर 2.50 लाख का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि जमा नहीं करने पर दोषियों को अतिरिक्त सजा काटनी होगी. 20 जुलाई को कोर्ट ने गणेश मंडल उसके पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल उसके पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल को दोषी करार दिया है. मंगलवार को इनकी सजा की बिंदु पर सुनवाई हुई. सभी दोषियों पर फर्जी पते पर सिम कार्ड लेने और बैंक अधिकारी बनकर लोगों को कॉल करके साइबर अपराध करने का आरोप सिद्ध हुआ है. ईडी ने इस मामले के ट्रायल के दौरान कुल 24 गवाह कोर्ट में प्रस्तुत किए. ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अतीश कुमार ने इस मामले में बहस की.

25 जुलाई को मतदाता सूची के प्रारूप का होगा प्रकाशन

संवाददाता। रांची

बोले सीईओ

- 25 से द्वितीय विशेष पुनरीक्षण, चार दिन तक चलेगा विशेष अभियान
- 1950 पर एसएमएस से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची के द्वितीय विशिष्ट संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन को लेकर निर्वाचन सदन में प्रेस वार्ता की. उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे मतदाता सूची के 25 जुलाई को प्रारूप प्रकाशन के अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ के द्वारा नए मतदाता सूची के प्रारूप को प्रदर्शित किया जाएगा. इसके साथ-साथ निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन माध्यमों पर भी नए मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी.

कहा कि मतदाता 25 जुलाई को 1950 पर एसएमएस के माध्यम से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं. इसके लिए अपने नंबर से 1950 पर ईसीआई लिखकर स्पेस देकर अपने एपिक नंबर लिखकर मैसेज करने से आपके मतदाता पहचान पत्र से जुडी सभी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी. इसके अलावे वोटर हेल्पलाइन ऐप पर भी अपने एपिक नंबर डालकर सूची में नाम जांच सकते हैं. उन्होंने कहा कि इस ओर आम मतदाताओं के बीच जागरुकता फैलाने के लिए विभाग द्वारा 25 जुलाई को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच #NaamJancho सोशल मीडिया अभियान चलाया जा रहा है.

27 जुलाई से विशेष अभियान : सीईओ ने बताया की मतदाता सूची में दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25 जुलाई से 9 अगस्त तक है. इस दौरान निबंधन के योग्य नागरिकों से आवेदन लिए जाएंगे. साथ ही सूची में किसी सुधार का आवेदन भी लिया जाएगा. साथ ही चार दिनों तक विशेष अभियान चलाया जाएगा. 27 एवं 28 जुलाई और 3 एवं 4 अगस्त 2024 को जिला के सभी मतदान केन्द्रों में बीएलओ उपस्थित रहेंगे. इस दौरान बूथ पर ऑफलाइन आवेदन भी समर्पित किया जा सकेगा.

रुख पर अड़े | सहायक पुलिसकर्मियों ने सरकार के समक्ष रखीं शर्तें

कैबिनेट की बैठक में मांगें मानें, तभी आंदोलन वापस होगा

संवाददाता। रांची

सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने अपने आंदोलन को आगे भी जारी रखने की घो,मा की है. सहायक पुलिसकर्मियों के अनुसार, सरकार के साथ सोमवार हुई वार्ता में जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है, अगर उन मांगों को 24 जुलाई को होनेवाली कैबिनेट की बैठक में मान लिया जाता है, तभी वे अपना आंदोलन समाप्त करेंगे. जब तक सरकार उनकी मांगों को कैबिनेट में नहीं लाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा.

झारखंड पुलिस ने किया था लाठीचार्ज : झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को सीएम आवास का घेराव करने पहुंचे थे. इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था. सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली 10 हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिलों गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुई थी.

रांची के मोरहाबादी मैदान में धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मी.

फिलहाल पांच मुख्य बिंदुओं पर बनी है सहमति

- मानदेय में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी पर सहमति
- सेवा अवधि का विस्तार एक साल के लिए किया जाएगा
- होमगार्ड और वन आरक्षी की बहाली में रिजर्वेशन पर भी सहमति
- विभागीय सिपाही की तरह की सरकारी छुट्टियां भी मिलेंगी
- सिपाही की तरह सालाना चार हजार रुपये का भत्ता भी मिलेगा

क्लासिफाइड

• 22 वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन • झारखंड का प्रतिष्ठित संस्थान
14th JPSC PT & Mains
Foundation Batch in our Hazaribag Branch
Office Class (Hazaribag Branch) Under Guidance of Pawan Jha
Mentor : Mr. Harsh Vardhan (Administrator, Jhumritilaiya Municipal Council)
Fee PT - Rs. 1000/- Mains - Rs. 21000/- Time - 8 am
Mob - 9608711477 www.vijaystudycircle.com
Head Office : Shanti Bhawan, Albert Ekka Chowk, Ranchi
Branch Office : Bhawani Plaza, S.P. Rana Enclave 1st Floor, West of Banshi Lal Chowk Malviya Marg, Hazaribag-825301

Regd. No. 2026/RAN/4701/BK4/378
TULSI PUBLIC SCHOOL
A Unit of Public Charitable Trust "LOKCHETNA"
ADMISSIONS OPEN
CLASS Nursery to V
CBSE PATTERN
CREATE THE BEST FUTURE YOUR CHILD
Vill - Roladih, Tulsi Nagar, Post - Roladih, West Singhbhum, Thana- Tokilo, Block Chakradharpur, Jharkhand - 833102, Mob. - 9803711115

BAHARAGORA, NEAR : R.V.I.School
OXYRIVER Aqua With Minerals
Swapan Kumar Paul Mob. : 70918 66623

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN
TATA STEEL, UCIL, ISRO, BARC ETC
1. MARKETTING MANAGER : SALARY 2.4 LAKHS PA, ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA HMI KNOWLEDGE, experience 2 years
2. OFFICE ASSISTANT : SALARY 2.4 LAKHS PA, Graduate with 5 Years Work Experiance Computer Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL PROCUREMENT
MAIL CV : pradeep_wk@yahoo.com

Anne Children Clinic The Complete Shishu Care
Dr. Aman Urwar M.B.B.S, D.C.H., P.G.P.N. Child & Newborn Specialist
Sr. Cosultant Aaash CHILDREN HOSPITAL (A Unit of ANHRC)

फाहिमा अकादमी एफीलिएटेड स्कूल
सीबीएसई न्यू दिल्ली हजारीबाग
नामांकन जारी....
फैसिलिटी
निवेदक मोहम्मद अली स्कूल डायरेक्टर
पता : कल्लू चौक नियर पेट्रोल पंप हजारीबाग

जेडी स्कूल बड़कागांव रोड हजारीबाग
योग शिक्षक...
आधुनिक सुविधा ...
बेहतरीन शिक्षा की गारंटी...
निवेदक विनोद भगत
संपर्क करें 9835755523

GYAN JYOTI COLLEGE OF PHARMACY, PARAMEDICAL & NURSING
Paramedical
• B.Sc MLT
• DMLT
• OT Assistant
• X-Ray Technician
• Dresser
PHARMACY
NURSING ANM GNM
APPLY NOW!
Add- Near PWD Chowk, Hazaribag, Jharkhand, India
9431505777, 7870145555, 8789274448

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 24 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 3 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 106 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अगले सप्ताह पीएम आ सकते हैं रांची

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह रांची आ सकते हैं. यहां वह धुर्वा में बनने वाली एकता मॉल का शिलान्यास करेंगे. पीएम के कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है.

- एकता मॉल का करेंगे शिलान्यास

जानकारी के मुताबिक, छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्यों में एकता मॉल का निर्माण कराया जा रहा है. वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत एकता मॉल में राज्य के हर जिला के लिए एक-एक दुकान आवंटित की जाएगी. इसके अलावा देश के हर राज्य के लिए एक-एक दुकान का आवंटन किया जाएगा. साथ ही मॉल में फूड कोर्ट, बच्चों के लिए गेम्स आदि की भी व्यवस्था रहेगी. करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एकता मॉल में ग्राउंड फ्लोर के अलावा छह फ्लोर होंगे. पार्किंग की व्यवस्था अंडरग्राउंड की जाएगी.

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- अब तक ऐसे कोई सबूत नहीं मिले, जिससे परीक्षा की पवित्रता पूरी तरह से प्रभावित हुई हो

पेपर लीक मामले में सुप्रीम फैसला : दोबारा नहीं होगी नीट यूजी की परीक्षा

- पेपर लीक हजारीबाग में हुआ और पटना तक गया, 155 लाभान्वित
- दोबारा परीक्षा लेने पर 20 लाख से ज्यादा छात्रों पर असर पड़ेगा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नीट का पेपर दोबारा नहीं होगा. फैसला पढ़ने के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि केंद्र सरकार, एनटीए ने अपनी बातें रखीं. सीबीआई के एडिशनल डायरेक्टर ने भी कोर्ट की सहायता की. सीजेआई ने कहा कि यह मामला बड़ी संख्या में छात्रों को प्रभावित करने वाला है. इसलिए, हम दोबारा परीक्षा को न्यायोचित नहीं मानते. सीजेआई ने कहा कि हमारा निष्कर्ष है कि पेपर लीक हजारीबाग में हुआ और पटना तक गया, यह निर्विवाद है. उन्होंने आदेश पढ़ते हुए कहा कि सीबीआई ने कहा है कि अभी तक हजारीबाग और पटना के 155 छात्रों के लाभान्वित होने की बात सामने आई है.

आज से शुरू हो सकती है काउंसिलिंग : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनटीए चाहे, तो बुधवार से अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर सकता है. इस पर कोई आपत्ति नहीं है. यह काबिल छात्रों के साथ न्याय होगा.

जांच अधूरी, व्यापक गड़बड़ी की संभावना नहीं

सीजेआई ने कहा कि अभी तक जांच अधूरी है. हमने केंद्र से भी जवाब मांगा था कि 4750 केंद्रों में से कहां-कहां गड़बड़ी रही. हालांकि, आईआईटी मद्रास ने भी मामले की समीक्षा की. अभी तक उपलब्ध सामग्री के हिसाब से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि परीक्षा की पवित्रता पूरी तरह प्रभावित हुई है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने इस साल के नतीजों की तुलना पिछले तीन साल के आंकड़ों से भी की. इससे भी ऐसा नहीं लगा कि व्यापक गड़बड़ी है. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गलत तरीके अपनाने वाला कोई भी छात्र फायदा न उठा सके, न भविष्य में दाखिला पा सकें. उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि दोबारा परीक्षा का 20 लाख से ज्यादा छात्रों पर इसका असर पड़ेगा. अकादमिक सत्र गड़बड़ा जाएगा, पढ़ाई में देरी होगी. इसलिए हम दोबारा परीक्षा को न्यायोचित नहीं मानते.

चार लाख से ज्यादा छात्रों का रिजल्ट दोबारा जारी होगा

शीर्ष अदालत एनटीए को आदेश दिया है कि वो प्रश्न पत्र के विवादित प्रश्न का एक ही उत्तर (विकल्प 4) मानते हुए रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करे. आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा सौंपी गयी रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि फिजिक्स के विवादित प्रश्न का चौथा ऑप्शन ही सही माना जाएगा. अब एनटीए को जल्द ही रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करना होगा. बता दें कि नीट के 4,20,774 अभ्यर्थियों ने विवादित प्रश्न का विकल्प 2 चुना था, जबकि 9,28,379 ने विकल्प 4 चुना था. एनटीए ने दोनों उत्तरों को सही मानते हुए विकल्प 2 और 4 चुननेवालों को मार्क्स दिए थे. अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन अभ्यर्थियों के 5 अंक कटेंगे, जिन्होंने विकल्प 2 चुना था. चार अंक प्रश्न के और एक अंक नेगेटिव मार्किंग के. इससे ऑल इंडिया रैंकिंग में बड़ा बदलाव होगा. नीट के टॉपरों की संख्या भी घटेगी. रीटेस्ट के बाद नीट यूजी परीक्षा के 61 टॉपर हैं. इनमें 44 ऐसे हैं, जिन्होंने पुरानी एनसीईआरटी बुक के हिसाब से विकल्प 2 चुना था. अब इनके 5 मार्क्स कटेंगे और इनका स्कोर 720 से घटकर 715 पर आ जाएगा.

विभिन्न विभागों के नियुक्त अफसर व कर्मियों को सीएम ने नियुक्ति पत्र बांटे

राज्य में खनन कार्य सुचारू और सिस्टमेटिक करना होगा : हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेपीएससी एवं जेएसएससी द्वारा चयनित विभिन्न विभागों के जूनियर इंजीनियर एवं अन्य अफसरों व कर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया. प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कुल 183 लोगों को नियुक्ति पत्र बांटे. मौके पर मंत्री चंपाई सोरेन, डॉ. रामेश्वर उरांव, दीपक बिरूआ, हफीजुल अंसारी, सत्यानंद भोक्ता, मुख्य सचिव एल ख्यांगते, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव अविनाश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

इस अवसर पर सीएम सोरेन ने कहा कि इन्हीं विभाग के तहत पूर्व में नियुक्तियां हो चुकी हैं. आज उसी नियुक्ति की यह कड़ी आगे बढ़ रही हैं. कुछ नियुक्तियां राज्य के लोगों को हुई है, कुछ दूसरे राज्य के लोगों की भी. हम सभी का अभिनंदन करते हैं. उन्होंने कहा कि आज माइनिंग इंस्पेक्टर की भी नियुक्ति हुई है.

झारखंड की खनन की गतिविधियां अन्य राज्यों से अधिक : सीएम ने आगे कहा कि झारखंड की खनन की गतिविधियां अन्य राज्यों से अधिक हैं. इस बारे में आज ही प्रधान सचिव से वार्ता हो रही थी. हमारे राज्य में 24 जिलों में खनन गतिविधियां चल रही हैं. लेकिन, बहुत अजीब तरीके से खनन गतिविधियां हुई हैं, जिसका बड़ा असर इस राज्य में होने जा रहा है. जिस प्रकार से नीति निर्धारण हो रहे हैं, जिस तरीके से खनन कार्य में गति आ रही है, हमें इस विषय पर गंभीरता से काम करना होगा. खनन कार्य कैसे सुचारू एवं सिस्टमेटिक तरीके से हो, जिससे जान-माल की क्षति न हो, इसका विशेष ध्यान रखना होगा.

सभी नियुक्त अफसर-कर्मी ईमानदारी से काम करें: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 28 टाउन प्लानर की नियुक्ति हुई है, जिनके जिम्मे शहर का विकास होगा. आज पाइप लाइन इंस्पेक्टर की भी नियुक्ति हुई है. हम अक्सर देखते हैं कि सड़क बनाते समय पाइप लाइन फट जाते हैं. इससे लोगों को पानी भी नहीं मिलता है और सरकार को खरी-खोटी सुननी पड़ती है. इसलिए पाइन लाइन इंस्पेक्टर से उम्मीद करते हैं कि आप इसे अच्छे तरीके से देखेंगे. उन्होंने कहा कि आज स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर की भी नियुक्ति हुई है. शहर के स्ट्रीट लाइट को ठीक रखना आपकी जिम्मेवारी है. पेयजल विभाग से जेई भी नियुक्त हुए हैं, एमवीआई की भी नियुक्ति हुई है. सीएम ने अपील की कि सभी अफसर-कर्मी ईमानदारी से काम करें, उदाहरण बन कर दिखाएं, सरकार आपको सम्मानित करेगी. उन्होंने मुख्य सचिव से कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी से चयनित अफसरों को भी सम्मानित करें.

नवनियुक्त अफसरों एवं कर्मियों के साथ सीएम हेमंत सोरेन व कैबिनेट के मंत्रीगण.

नई तकनीक के जरिए खेतों तक पहुंचेगा पानी

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की भौगोलिक बनवट उबड़-खाबड़ है. राज्य की जनता तक पानी कैसे पहुंचे, इसको लेकर विभाग और सरकार नई तकनीकी का इस्तेमाल कर के काम कर रही है. इसे और तेजी से बढ़ाना होगा, तभी हम सभी खेतों तक पानी पहुंचा पाएंगे और पलायन की समस्या को भी दूर कर पाएंगे.

इन पदों पर हुई हैं नियुक्तियां

असिस्टेंट टाउन प्लानर, जूनियर इंजीनियर (मैकेनिकल) मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर, माइनिंग इंस्पेक्टर, जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल), स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर, पाइप लाइन इंस्पेक्टर पद पर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति हुई है.

सीएम आज टाटा के साथ होटल ताज के लिए एमओयू करेंगे

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में टाटा कंपनी के साथ पांच सितारा होटल ताज के लिए लीज एमओयू करेंगे. होटल के लिए एचइसी स्थित रांची स्मार्ट सिटी में टाटा कंपनी को भूमि आवंटित की जाएगी. इसके अतिरिक्त बुधवार को ही पुराने बिरसा मुंडा जेल परिसर में बने बिरसा मुंडा संग्रहालय सह पार्क में टाटा कंपनी द्वारा बनवाये गये खूबसूरत थंब इम्प्रेशन का भी उद्घाटन करेंगे. वहीं, शाम चार बजे से कैबिनेट की बैठक करेंगे, जिसमें बिजली मीटर और बिलिंग सहित अन्य एजेंडों पर निर्णय लेंगे.

सीएम बोले

- खनन गतिविधियों पर गंभीरता से काम करना होगा
- जान-माल की क्षति न हो, इसका ध्यान रखना जरूरी

कुष्ठ रोगी कॉलानी अब निर्मल आवास के रूप में जाना जाएगा

- मुड़मा धुर्वा में राज्य कोष से बने कुष्ठ आवासीय कॉलानी के लाभुकों को सीएम ने चाबी सौंपी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पूरी तरह से राज्य सरकार के खर्च से तैयार आशियाने की चाबी कुष्ठ रोगियों को सौंप दी. नगड़ी प्रखंड अंतर्गत मुड़मा धुर्वा में कुल 35 करोड़ की लागत से इस कॉलानी में कुल 256 फ्लैट बने हैं. कुष्ठाश्रम में जी प्लस वन के सात ब्लॉक साढ़े पांच एकड़ में बने हैं. अब तक 250 कुष्ठ रोगियों का लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया है. मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सांकेतिक रूप से 10 लाभुकों को उनके फ्लैट की चाबी सौंपी. मौके पर नगर विकास मंत्री हफीजुल अंसारी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल एवं विभागीय सचिव अरवा राजकमल मौजूद थे.

आनेवाले समय में अन्य जिलों में भी आवास बनेंगे

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि इस परियोजना का नाम बड़ा ही अजीब है. मुझे यह नाम लेने में संकोच हो रहा है. सबसे पहले इस आवास का नाम सुंदर और गर्व करने वाला होना चाहिए. इसलिए, इस आवास को निर्मल आवास के नाम से जाना जाएगा. जिस समूह के लिए घर बना है, वह भी आज कई चुनौतियों और समस्यों से परेशान हैं. उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है. अलग-अलग जिलों के लिए भी इस तरह की योजना बनायी जा रही है. आने वाले समय में आप जैसे लोगों के दुखों को कम करने में हमलोग पूरा योगदान देंगे.

कुष्ठ प्रभावितों का जीवन स्तर ऊंचा उठाएंगे : सचिव

नगर विकास सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि कुष्ठ प्रभावित लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के उद्देश्य से इस आश्रम का निर्माण कराया गया है. एक फ्लैट की लागत लगभग 12 लाख है. आवासों के भीतर पंखे, ट्यूब लाइट, नल और अन्य उपस्कर ब्रांडेड कंपनियों के लगाये गये हैं. एक फ्लैट में बेडरूम, लीविंग एरिया, संयुक्त शौचालय व स्नानागार और एक बड़ी बालकनी का निर्माण कराया गया है. कुष्ठाश्रम में आंतरिक सड़क, सोलर स्ट्रीट लाइट, बाउंड्री वाल, पार्किंग, पेयजलापूर्ति और रेनवाटर हार्वेस्टिंग के साथ पार्क व लॉन की सुविधा भी है.

स्पीकर कोर्ट में दलबदल मामले में सुनवाई

दल-बदल मामले में जेपी पटेल की ओर से नहीं आया कोई जवाब

- झामुमो के वकील बोले- लोबिन हेंब्रम की सदस्यता खत्म की जाए
- मामले में आज भी होगी सुनवाई

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधायक जेपी पटेल और लोबिन हेंब्रम के दल-बदल मामले में मंगलवार को स्पीकर कोर्ट में सुनवाई हुई. जेपी पटेल के मामले में भाजपा के अधिवक्ता विनोद कुमार साहू ने कहा कि जिस तरह भाजपा विधायक जेपी पटेल ने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर हजारीबाग से चुनाव लड़ा, वह दल-बदल के दायरे में आता है.

मामले में नेता प्रतिपक्ष की ओर से जवाब भी दाखिल किया गया, लेकिन पटेल की ओर से कोई जवाब स्पीकर कोर्ट में दाखिल नहीं किया गया है. भाजपा के अधिवक्ता ने विधायक पटेल को मिलने वाली सभी सुविधाएं वापस लेने का आग्रह किया. वहीं पटेल की ओर से बहस कर रहीं अधिवक्ता अदिति ने कहा कि स्पीकर कोर्ट में बगैर साक्ष्य के शिकायत दर्ज की गई है. इससे यह साबित नहीं होता कि कोई दल-बदल हुआ है. कोर्ट में जेपी पटेल की ओर से लिखित आपत्ति भी दर्ज की गई.

लोबिन के अधिवक्ता ने कहा-आरोप जेएमएम के संविधान के खिलाफ

लोबिन हेंब्रम पर लगे दल बदल के आरोप पर मंगलवार को स्पीकर कोर्ट में सुनवाई के दौरान जेएमएम के अधिवक्ता अंकितेष कुमार झा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान लोबिन हेंब्रम ने पार्टी लाइन से बाहर जाकर चुनाव लड़ा. ऐसे में उनकी सदस्यता खत्म होनी चाहिए. वहीं लोबिन हेंब्रम के अधिवक्ता अनुकार ने कहा कि हेंब्रम पर लगाया गया आरोप जेएमएम के संविधान के खिलाफ है. लोबिन के खिलाफ नोटिस और जवाब का समय दिए बगैर कार्रवाई की गई है. लोबिन ने 1995 में जेएमएम में रहते निर्दलीय चुनाव लड़ा था. उस समय पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी. लोबिन के अधिवक्ता ने कहा कि यह मामला दलबदल का नहीं, बल्कि जेएमएम का अंदरूनी मामला है. अब इस मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी.

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो का समर्थक आनंद शर्मा गया जेल

संवाददाता। बरोरा

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के पैतृक गांव चिटाही में सांसद समर्थकों द्वारा महिलाओं की बर्बरतापूर्वक पिटाई मामले में नामजद आरोपी आनंद शर्मा को बरोरा पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. सांसद के बेहद खास और साये की तरह साथ रहनेवाले आनंद की गिरफ्तारी के बाद ढुल्लू महतो के समर्थकों में खलबली गच गई है.

घटना में अन्य नामजद सांसद समर्थक की गिरफ्तारी के बाद भूमिगत हो गए हैं. हालांकि पुलिस जल्द ही सभी आरोपियों को दबोचकर जेल भेजने का दावा कर रही है. बता दें कि विगत 11 जुलाई को चिटाही गांव में महिलाओं के साथ मारपीट की घटना हुई थी. इस मामले में प्रथम पक्ष की पीड़िता नीरा देवी के लिखित बयान पर धनबाद के सांसद ढुल्लु महतो के अलावा उनके 11 नामजद व 12 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. वहीं दूसरे पक्ष की पीड़ित महिला पूजा देवी के लिखित बयान पर चिटाही निवासी डोमन महतो, सुरेश महतो व अन्य पर जातिसूचक शब्द बोलकर मारपीट करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है.

खास बातें

- चिटाही मारपीट प्रकरण में पुलिस ने किया गिरफ्तार
- सांसद ढुल्लू सहित उनके दर्जनों समर्थक हैं नामजद

ब्रीफ खबरें

गिरिडीह में भारी मात्रा में डेटोनेटर व जिलेटिन मिला

गिरिडीह। पुलिस ने गांडेय थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में डेटोनेटर और जिलेटिन बरामद किया है. एसपी दीपक शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार की शाम करीब 6:30 बजे महादेवदीह स्थित एक पत्थर माइंस से विस्फोटक बरामद किया है. विस्फोटक में 16 कार्टून जिलेटिन और पांच कार्टून डेटोनेटर शामिल हैं. इसे जमीन के अंदर छिपा कर रखा गया था. अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि विस्फोट को नक्सलियों को सप्लाई किया जाना था या पत्थर के खनन में उपयोग किया जाना था.

लातेहार में एएसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार

लातेहार। पलामू एसीबी ने लातेहार के बारियातू थाना में पदस्थापित एएसआई धीरेंद्र कुमार को रंगे हाथ 20 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है. एसीबी की ओर से बताया गया है कि बारियातू थाना में अफीम रखने के मामले में एक मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में वादी के भतीजे को जेल भेजा गया था. कुछ दिनों बाद थाने के एएसआई धीरेंद्र कुमार ने इसी कांड में वादी को फंसाने की धमकी देकर तीन लाख रुपये मांगे. वादी ने एसीबी से इसकी शिकायत की ओर सत्यापन में मामला सही पाया गया. इसके बाद एसीबी की पलामू टीम ने एएसआई धीरेंद्र कुमार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया.

कराइकेला में नक्सलियों ने बैनर व पोस्टर लगाए

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिला के कराइकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत ओटार व आसपास के क्षेत्र में नक्सलियों ने पोस्टर व बैनर लगाया है. इसमें 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाने का ऐलान किया गया है. साथ ही कई स्थानों पर बुकलेट भी छोड़े गए हैं. इसकी सूचना मिलने पर कराइकेला पुलिस ने गांव पहुंच कर पोस्टर-बैनर जब्त कर लिया.

बहु पर रखता था गलत नजर पत्नी ने टांगी से काट डाला

संवाददाता। मेदिनीनगर

हत्याकांड उद्भेदन

- सोमर हत्याकांड का खुलासा मृतक की पत्नी व पुत्र गिरफ्तार
- बहु के बारे में अपशब्द बोलने पर नाराज थे पत्नी और बेटा

मनातू थाना की पुलिस ने सोमर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है. इस मामले में मृतक सोमर भुईयां की पत्नी पानो देवी (58) और बेटे राजदेव (22) को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त टांगी व अन्य सामान बरामद किये हैं. बता दें कि मनातू थाना क्षेत्र के सेमरी इलाके में विगत दिनों पुलिस ने सेमरी गांव के कर्माटिल्हा निवासी सोमर भुईयां का शव बरामद किया था.

पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया, तो इसमें मृतक की पत्नी और बेटे की संलिप्तता का खुलासा हुआ. बताया जा रहा है कि सोमर भुईयां की पत्नी को शक था कि उसका पति बहु पर गलत नजर रखता है. सोमर हर दिन शराब के नशे में बहु के बारे में अपशब्द बोला करता था. इस कारण पत्नी और बेटा भी नाराज थे. घटना के दिन सोमर शराब के नशे में बहु के खिलाफ अपशब्द बोल रहा था, जिसपर उसकी पत्नी को गुस्सा आया और उसने घर में रखे टांगी से वार कर उसकी हत्या कर दी. बाद में बेटे के साथ मिल कर शव को गांव से कुछ दूरी पर फेंक दिया. पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को मंगलवार के दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी | रिम्स में व्याप्त अव्यवस्था के कारण मजबूरन प्राइवेट हॉस्पिटल जाते हैं मरीज

रिम्स में चिकित्सा व्यवस्था सुधारें, अन्यथा बंद करना ही बेहतर

- मामले की अगली सुनवाई आठ अगस्त को

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को रिम्स में अव्यवस्था पर तल्ख टिप्पणी की है. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि अगर रिम्स में बेहतर मेडिकल सुविधा और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध नहीं है, तो इसे चालू रखने का कोई औचित्य नहीं है. रिम्स में मेडिकल सुविधाओं का अभाव, मरीज की देखभाल में लापरवाही अक्सर देखने को मिलती है. रिम्स में अव्यवस्था के कारण लोग प्राइवेट अस्पतालों में जाने को मजबूर हो जाते हैं.

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं शहर के कई प्राइवेट हॉस्पिटल : हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि रांची शहर में ही कई प्राइवेट हॉस्पिटल बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं. ऐसे हॉस्पिटलों की संख्या झारखंड में दिनों दिन बढ़ती जा रही है, प्राइवेट हॉस्पिटलों और नर्सिंग होम में हेल्थ केयर की जगह वेल्थ केयर पर ध्यान रखा जाता है. अदालत ने मामले में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल करने का आग्रह किए जाने पर मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि शपथ पत्र में राज्य सरकार की ओर से ऐसी बातें कही जाती हैं, जैसे लगता है कि स्विट्जरलैंड में हैं.

अदालत ने पिछले पांच सालों में झारखंड में क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं लेने वाले नर्सिंग होम एवं हास्पिटलों पर कार्रवाई और इस एक्ट का अनुपालन नहीं करने वालों पर लगे जुर्माना के संबंध में राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है. पूछा है कि ऐसे हॉस्पिटल और नर्सिंग होम पर कितना जुर्माना लगाया गया है. मामले में अगली सुनवाई आठ अगस्त को होगी.

सड़कों पर फेंके रहते हैं बायोमेडिकल वेस्ट, नहीं होता है उसका डिस्पोजल

इसी तरह राज्य में नर्सिंग होम एवं हॉस्पिटल से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर झारखंड ह्यूमन राइट कनफेडरेशन की जनहित याचिका पर सुनवाई भी हाईकोर्ट में हुई. अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर इन चीफ के शपथ पत्र पर असंतोष जताया. मौखिक कहा कि डायरेक्टर इन चीफ, हेल्थ ने दावा किया है कि झारखंड के 1633 प्राइवेट और पब्लिक नर्सिंग होम से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का निष्पादन कर दिया जाता है. बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट के साथ इन सभी 1633 नर्सिंग होम का करार है, जिससे उनके मेडिकल वेस्ट का प्रतिदिन उठाव किया जाता है. कोर्ट ने इस जवाब पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि झारखंड में नर्सिंग होम के निकट सड़कों पर मेडिकल वेस्ट फेके रहते हैं. बायोमेडिकल वेस्ट का डिस्पोजल नहीं होता है. रिम्स जैसे संस्थान में भी मेडिकल वेस्ट अस्पताल के कॉरिडोर में फेंके रहते हैं.

सरकार से पूछा- मेडिकल वेस्ट के निष्पादन का निरीक्षण होता है या नहीं

कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि प्राइवेट एवं पब्लिक नर्सिंग होम से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट के निष्पादन को कंट्रोल करने के लिए क्या कोई मेकैनिज्म है? क्या जिलों के सिविल सर्जन द्वारा अस्पतालों एवं नर्सिंग होम के मेडिकल वेस्ट का निष्पादन हो रहा है या नहीं, इसका निरीक्षण समय-समय पर किया जाता है? सुनवाई के दौरान लोहरदगा में बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लान संचालित करने वाले हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उन्होंने मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर लिया है, लेकिन कोई नर्सिंग होम मेडिकल वेस्ट उठाव के लिए उनसे संपर्क नहीं करता है. इस पर कोर्ट ने

ब्रीफ खबरें

बिश्रामपुर का विकास करना ही मेरा लक्ष्य

विश्रामपुर(पलामू)। बिश्रामपुर प्रखंड के दर्जनों गावों का दौरा कर बिश्रामपुर मझिआव विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी रजनीश रंजन उर्फ विकाश दुबे ने युवाओं से मुलाकात की.इस दौरान उनकी समस्या को सुना.साथ ही विकाश दुबे ने बताया कि जनता ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया तो बिश्रामपुर मझिआंव विधान सभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहा दूंगा.तोलरा, केतात,ब्रह्मोरिया,बरिगवा, कमता, सहित कई गावों में विकाश दुबे ने दौरा किया .

बसपा की विस स्तरीय समीक्षा बैठक 27 को

विश्रामपुर(पलामू)। बसपा का विश्रामपुर विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक 27 जुलाई को बी मोड़ स्तिथ न्यू भवन में 11 बजे से होगा. इसकी जानकारी बसपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राजन मेहता ने दिया. उन्होंने बताया कि बैठक के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह पूर्व केंद्रीय राज्य प्रभारी रामजी गौतम, विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री यूपी सह प्रभारी गयाचरण दिनकर , रामबाबू चिरगाईया, श्रीकांत होंगे. उन्होंने विधानसभा के सभी प्रखंडों के सेक्टर पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता को बैठक में शामिल होने का आग्रह किया है.

दो अनियंत्रित गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त, बचे लोग

छतरपुर/ पलामू। टमाटर लदा पिकअप वैन मंगलवार की अहले सुबह एनएच 98 पर सड़मा पेट्रोल पंप के समीप अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराते हुए संजय साव के होटल में घुस गया. होटल में लोग सोये हुए थे जो इस घटना में बाल बाल बचे . यह होटल सड़क से बिल्कुल सटा हुआ है और इसे हटाया नहीं गया है .दूसरी घटना छतरपुर प्रखंड के मुनकेरी गांव के समीप घटी . नौडीहा बाजार तरफ से आ रही एक ट्रेलर गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराती हुई सड़क के नीचे जा गिरी .

आक्रोशित लोगों ने कहा- काम शुरू करने के पूर्व नोटिस नहीं दिया गया था,काम बंद करा दिया

ओवरब्रिज बनाने को लेकर सड़क चौड़ीकरण कार्य को रोका

संवाददाता ।लातेहार

जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड स्थित मननचोटाग रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार को ओवर ब्रिज बनाने को लेकर सड़क चौड़ीकरण कार्य को ग्रामीणों ने रोक दिया. बता दे कि सुबह 11:00 रेलवे विभाग के द्वारा ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा था.

इधर इस सम्बन्ध मे ग्रामीण दिलेश्वर साहू, गुप्तेश्वर चंद्रवंशी, कृष्ण देव प्रसाद, सुनील कुमार रमेश यादव, कुंदन प्रसाद राजाराम, कृष्णा प्रसाद, कमल किशोर प्रसाद ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण किया जाना है, इसे लेकर सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है,जिसका हम स्वागत करते हैं परंतु विभाग बिना नोटिस दिया सड़क चौड़ीकरण को लेकर हमारे घर के बरामदे तक चुना से मार्किंग कर दिया गया है, लोगों ने कहा कि इसके लिए पूर्व में भी कोई सूचना नहीं दी गई थी, हम लोग चाहते हैं कि विभाग इसका समाधान निकाले. वहीं दिलेश्वर प्रसाद साहू ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान हम लोग का घर टूटने की संभावना है, वहीं इसके लिए तत्काल कोई समाधान भी नहीं निकाला जा रहा है. लोगों ने कहा कि जब तक सरकारी नियम अनुसार मुआवजे का प्रावधान नहीं किया जाता है, तब तक हम लोग सड़क चौड़ीकरण नहीं होने देंगे. वहीं ओवर ब्रिज बनाने के लिए काम कर रहे एनजीसीपी कंपनी के इंजीनियर राहुल सिंह ने कहा कि सरकारी प्रावधान के अनुसार ही काम किया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि जो कार्य रेलवे ओवरब्रिज बनाने के लिए किया जा रहा है , वह सरकारी जमीन पर किया जा रहा है, रोड पर काम किया जा रहा है सड़क को विकसित किया जा रहा है ताकि लोगों को परेशानी ना हो, उन्होंने कहा कि जब तक रैयत को और नोटिस नहीं मिलेगा तब तक उनकी जमीन का उपयोग सड़क बनाने समेत अन्य काम के लिए नहीं किया जाएगा.

काम बंद कराते ग्रामीण व अन्य.

आत्महत्या का प्रयास, रांची लाने के क्रम में मांडर के पर हुई मौत

डालसा सचिव के चालक ने कोर्ट परिसर में सल्फास की गोली खायी

परिजनों ने सड़क जाम की

संवाददाता ।लातेहार

व्यवहार न्यायालय लातेहार के जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया के वाहन चालक सुरेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कोर्ट परिसर में ही सल्फास की गोली खाकर आत्महत्या का प्रयास किया. लातेहार सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया. मांडर के पास उनका निधन हो गया. इसके बाद परिजनों ने व्यवहार न्यायालय के पास सड़क जाम कर दिया.चालक की पत्नी बबीता प्रधान और पुत्र सुफल प्रधान ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शुभम चौरसिया पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे. उन्होंने कहा कि चौरसिया उनसे घर से ले कर बाजार तक का काम कराते थे. ड्राइवर कह कर प्रताड़ित करते थे. रविवार की छुट्टी भी नही देते थे. सल्फास की गोली खाने की सूचना मिलते ही आनन- फानन में व्यवहार न्यायालय के कर्मचारियों के द्वारा सदर अस्पताल लातेहार लाया गया. जहां चिकित्सक डा. कमलेश चंद्र व डा. सुदामा प्रसाद ने प्राथमिक उपचार कर रांची रिम्स रेफर कर दिया था. आत्म हत्या करने का प्रयास किया है.

व्यवहार न्यायालय लातेहार के बाहर हंगामा करते मृतक के परिजन.

परिजनों ने एंबुलेंस लेकर सड़क जाम की

घटना के बाद परिजनों ने व्यवहार न्यायालय के पास एंबुलेंस लेकर सड़क जाम कर दिया . व्यवहार न्यायालय के कर्मी और चालक भी शव देखने के लिए पहुंचे . अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे और जाम हटाया .

खास बातें

- रिम्स ले जाते समय हुई मौत परिजनों ने किया सड़क जाम
- डालसा के सचिव पर टॉर्चर करने का आरोप लगाया

अस्पताल में उमड़ी भीड़ : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के चालक सुरेन्द प्रधान के सल्फास की गोली खाने की सूचना प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह को मिलते ही सदर अस्पताल पहुंचकर चिकित्सक से जानकारी ली और इलाज को लेकर चिकित्सक से सलाह भी लिया. इस दौरान अस्पताल में व्यवहार न्यायालय के जज व अधिवक्ता गण चालक को देखने को लेकर भीड़ उमड़ गई.

थाना प्रभारी से हाथापाई करने का आरोपी गया जेल

मझिआंव। बरडीहा थाना परिसर में थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव के साथ हाथापाई करने एवं कॉलर पकाने के मामले में ललगाड़ा गांव निवासी संजय यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया. इस सम्बंध में थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार को घरेलू विवाद में संजय यादव के भाई धनंजय यादव ने उसकी पत्नी रीना देवी 35 वर्ष को मारकर जख्मी कर दिया. जिसके बाद थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया.

टाइगर का शिकार करने के आरोपी रिहा

लातेहार। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शशि भूषण शर्मा की अदालत ने सीएफ वाद संख्या 36/92 की सुनवाई करते हुए बाघ मारने के तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया है। अभियोजन अधिकारी ने बताया कि गत पांच मार्च 1992 को बारेसांड कंपार्टमेंट नंबर 13 अंतर्गतकरौंदा पानी जंगल में आरोपियों ने जहरीला कील ठोक कर बाघ की हत्या कर दिया था। बाघ मारने के आरोप में सुकूल महतो, विशुन महतो, विमल महतो, लखन महतो एवं जगदयाल महतो सभी निवासी ग्राम पहाड़ कोचा थाना गारू के विरुद्ध गत पांच मार्च 1992 को अपराध प्रतिवेदन समर्पित की गई थी.

न्यूज अपडेट

करातेकारो ने जीते दो गोल्ड व एक सिल्वर

मेदिनीनगर। मथुरा में आयोजित 18 वां नेशनल मार्शल आर्टस चैम्पियनशिप के कराटे इवेंट में संत मरियम स्कूल के बाल कराटेकारो ने अपने वेट कटेगरी में फुर्ती व मजबुती के साथ फाईट करते हुए तीन मेडल अपने नाम किया है. ओम प्रकाश यादव व सुन्दरम् सिंह ने गोल्ड व प्रिस कुमार चंद्रवंशी ने सिल्वर मेडल जीता है. निन्जा स्पोर्ट्स फेडरेशन महासंघ के तत्वावधान में प्रतियोगिता 20-21 जुलाई को मथुरा स्थित गोवर्धन चौक के समीप अंगोरी फार्म हाउस में आयोजित किया गया था. इसमें 22 राज्यों के मार्शल-आर्टस के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था.

प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ी.

गुरु सिद्ध होना चाहिए, चमत्कारी नहीः जीयर स्वामी

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के सिंगरा अमानत नदी तट स्थित चातुर्मास व्रत कथा के दौरान श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामीजी महाराज ने कहा कि गुरु सिद्ध होना चाहिए चमत्कारी नहीं. जो परमात्मा की उपासना और भक्ति की सिद्धि किया हो वही गुरु है. गुरु का मन स्थिर वाणी संयमित होना चाहिए. स्वामीजी ने कहा कि गुरु राष्ट्र का समाज का और प्राणियों का मंगल व कल्याण करनेवाला हो. गुरु भोगी-विलासी नहीं उसका आचरण आदर्श होना चाहिए, जिनके दर्शन के बाद परमात्मा के प्रति आशक्ति और मन में शांति का एहसास हो वही गुरु और संत की श्रेणी में है.

प्रवचन करते जीयर स्वामीजी.

तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का रंगारंग समापन

चंदवा (लातेहार)। बोदा ग्राम में आयोजिहत तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट संपन्न हो गया. इस फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 33 टीमों ने भाग लिया. टूर्नामेंट के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन झामुमो प्रवक्ता दीपू सिन्हा, बोदा पंचायत की मुखिया ललिता देवी तथा झामुमो नेता सह समाजसेवी मोहम्मद नौशाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. दीपू सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि खेल को प्रेम की भावना से खेला जाना चाहिए. हार जीत तो सदैव बनी रहती है. प्रतिभावान खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर अपने गांव शहर राज्य का नाम रोशन करते हैं.

पुरस्कार प्राप्त करते लोग.

महादेव की आराधना से मिलती है अपार शक्ति

मेदिनीनगर। श्रावण मास की पहली सोमवारी पर पांकी पूर्वी पंचायत के हरेया गांव में कलश यात्रा निकाली गई. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रत्याशी रुद्र शुक्ला मौजूद थे. श्री शुक्ला ने फीता काटकर एवं सभी कलश यात्री को कलश देकर इस यात्रा का शुभारंभ किया. इस दौरान हर हर महादेव के नारे से पूरा पांकी क्षेत्र गुंजायमान था. युवा नेता श्री शुक्ला ने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना से अपार शक्ति व सुख-समृद्धि मिलती है. भगवान शिव सबका कल्याण करते है. इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे.

कार्यक्रम में शामिल रुद्र शुक्ला व अन्य.

पुराने भूमि विवाद को ओपी प्रभारी ने सुलझाया

हरिहरगंज (पलामू)। जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरा ओपी प्रभारी मंटू कुमार इन दिनों लगातार छोटे छोटे घरेलू और जमीनी विवादों को बात चीत के जरिए सुलझा कर प्रसंशा के पात्र बने हुए हैं. इस दौरान उन्होंने मंगलवार को चिरैली उर्फ गिद्धि में बीते 10 वर्षो से चल रहे भूमि विवाद को सुलझाकर तीन भाइयों के बीच चल रहे जमीन विवाद को सुलझा कर हिंसक रूप लेने से बचा लिया. इसके लिए ग्रामीणों ने पथरा ओपी प्रभारी मंटू कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है. बता दें कि चिरैली गांव में जमीन बटवारे को लेकर अमेरिका यादव,गुलाची यादव और नंदकेश्वर यादव आपस में झगड़ा कर रहे है. इसकी सूचना मिलने पर मंटू सिंह दल बल के साथ स्थल पहुंचकर और पहले तीन भाईयों के बीच के झगड़े को शांत कराया. फिर ग्रामीणों के साथ बैठक कर मामले को जाना और शांतिपूर्वक तीनों भाइयों को आपसी बटवारे के लिए राजी किया.

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के 18 यात्री रवाना

लातेहार। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत पर्यटन, कला, संस्कृति,खेल कूद एवम युवा कार्य विभाग, झारखंड रांची अन्तर्गत लातेहार जिला से कुल 18 हिन्दू धर्मावलंबियों को मंगलवार को जिला खेल कार्यालय,जिला स्टेडियम, लातेहार से द्वारिका एवं सोमनाथ (गुजरात) के लिए रवाना किया गया.इस दौरान आई टी डीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई ने धर्मावलंबियों से परिचय प्राप्त किया एवम शुभ कामना देकर रवाना किया. सभी तीर्थ यात्रियों को हटिया (राँची) से विशेष ट्रेन द्वारा द्वारिका एवं सोमनाथ (गुजरात) ले जाया जाएगा. मुख्यमंत्री एवं माननीय पर्यटन मंत्री द्वारा 23 जुलाई को झारखंड के विभिन्न जिलों से आए तीर्थ यात्रियों को द्वारिका एवं सोमनाथ के लिए स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा.

ट्रक लुटेरा गिरोह के पांच अपराधी गिरफ्तार

लातेहार। ट्रक लुटेरा गिरोह के पांच अपराधियो को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल दिया है. मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता मे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेंकेटस प्रसाद ने इसकी जानकारी दी है. गिरफ्तार अपराधियो मे मुमताज अंसारी, परवेज अंसारी, त्रिलोक कुमार, गौस आलम व रौशन अंसारी शामिल है. उन्होंने बताया कि एक बोलोरो मे सवार अपराधियो के द्वारा हेंदेगीर से एक ट्रक और उसके चालक का मोबाइल और कुछ रूपया लूट कर मनिका से मेदनीनगर की ओर जा रहे थे. उन्होंने बताया इस सूचना की सत्यापन के लिए मनिका थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा को छापामारी का आदेश दिया गया. जिस पर थाना के गेट के सामने वाहन जांच के दौरान सोमवार की रात साढ़े आठ बजे एक ट्रक तथा उसके पीछे सफेद रंग बोलेरो से कुल पांच लोगों को पकड़ा गया. गिरफ्तार अपराधियो के पास से एक देश कट्टा, छह मोबाइल, घटना मे प्रयुक्त बोलेरो, 22 सौ रूपया नगद तथा लूटा हुआ ट्रक बरामद किया गया है.

केंद्रीय बजट पर लोगों की प्रतिक्रिया

विधायक कमलेश ने आम बजट का किया स्वागत

संवाददाता ।हुसैनाबाद (पलामू)

- रोजगार सृजन से लेकर अर्थव्यवस्था की मजबूती को प्राथमिकता दी गई है

आम बजट 2024 पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक कमलेश कुमार सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट का वह स्वागत करते है. उन्होंने कहा कि यह विकसित भारत का बजट है. इसमें युवा, गरीब, महिला, किसान के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है. बजट विकसित भारत के भविष्य निर्माण का बेहतरीन बजट है.आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत करने की घोषणा की गई है. बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पूर्वोत्तर व पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी. कौशल और रोजगार सृजन की दिशा में बजट प्रभावी है. बजट में सभी का ख्याल रखा गया है. रोजगार सृजन से लेकर अर्थव्यवस्था की मजबूती को प्राथमिकता दी गई है.

जनता की सुविधाओं पर पूरा ध्यान रखा गया है : सतीश

मेदिनीनगर : आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि केन्द्रीय बजट 24-25 जन उपयोगी व समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है. खासकर युवा वर्ग, महिलाओं व निम्न व मध्यम वर्ग को काफी फायदा होगा. खासकर जानलेवा बीमारी कैंसर के दवा पर कस्टम ड्युटी हटाकर बड़ी राहत दी गई है. आधुनिक युग में खासकर मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य जनोपयोगी समान सस्ते कर बडी राहत दी है. मिलाजुला कर जनता को सामने रखकर बनाई गई बजट काफ़ी उपयोगी है.

बजट में सभी वर्गों का ख्याल रखा गया हैः सोमेश

मेदिनीनगर । पलामू भाजपा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह ने केंद्रीय बजट को शानदार बताया है. उन्होंने कहा कि इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है. सरकार चार वर्ग गरीब, महिला, युवा और किसान पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है. इस साल बजट थीम में 5 फैक्टर्स रखे गए हैं जो एंप्लॉयमेंट, स्किलिंग, एमएसएमई और मिडिल क्लास हैं. पीएम गरीब कल्याण योजना को 5 साल के लिये बढ़ाया गया है. इसके साथ ही कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ का बजट का रखा गया है. केंद्रीय बजट में सूक्ष्म-आर्थिक स्तर पर समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वृहद-आर्थिक स्तर की वृद्धि को पूरक बनाने का प्रयास किया गया है.

विकसित भारत के भविष्य निर्माण का है बजटः अमित

मेदिनीनगर । पलामू भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट को विकसित भारत के भविष्य निर्माण वाला बताया है. श्री तिवारी ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला, किसान सभी के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है. आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत करने की घोषणा की है. 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है.

विकसित भारत की ओर ले जाने वाला बजटः आनंद शंकर

मेदिनीनगर । बजट युवाओं के विकास, स्टार्टअप इंडिया, किसानों का बेरोजगारी दूर करने वाला है . प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल का इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी . महिलाओं के उत्थान शिक्षा एवं विकास के लिए बजट में विशेष प्रावधान है जो भारत की आधी आबादी के लिए शुभ संकेत है . इंफ्रास्ट्रक्चर ,सोलर और आईटी पर विशेष फोकस है जो देश की अर्थव्यवस्था को विकसित करने में सहयोगी होगा.

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के शिविर का जायजा लेने पहुंचे डीडीसी

खास बातें

- जिले के नौ प्रखंडों में लगाया गया था शिविर,उमड़ी भीड़
- आवेदनों का ऑन स्पॉट ऑनलाइन एंट्री किया गया

संवाददाता ।मेदिनीनगर

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर लगाकर युवाओं से आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं. इसी क्रम में मंगलवार को जिले के विश्रामपुर, पांडु, पांकी, तरहसी, उंटारीरोड, नौडीहा बाजार, नवा बाजार, हैदरनगर व मोहम्मदगंज में शिविर लगाया गया. इस दौरान पांकी में लगाये गये शिविर का उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने ज़ायज़ा लिया.उन्होंने बीडीओ अरुण मुंडा को सभी योग्य युवाओं के बीच रोजगार का मार्ग प्रस्तुत करने की दिशा में प्राप्त हुए आवेदनों का ऑन स्पॉट ऑनलाइन एंट्री करने को लेकर निर्देशित किया.इसी तरह तरहसी ब्लॉक में लगाये गये शिविर का जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कु ने निरीक्षण किया.वहीं विश्रामपुर प्रखंड के जिला सहकारिता पदाधिकारी उमेश सिंहा ने अवलोकन किया. बुधवार को मेदिनीनगर, पड़वा,पाटन में शिविर का आयोजन किया जायेगा.

शिविर में जानकारी लेते डीडीसी

इन दस्तावेज के साथ शिविर में पहुंचने की एडवाइजरी

प्रखंड में आयोजित हो रहे विशेष शिविर को लेकर जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि शिविर में जो कोई भी योजना के तहत लाभ लेना चाहते हैं वे अपने साथ आधार कार्ड,पैन कार्ड,जाति,आवासीय,व आय प्रमाण पत्र की छायाप्रति, सरकारी नौकरी में नहीं होने का शपथ पत्र लेकर पहुंचे ताकि ऑन स्पॉट एंट्री कराया जा सके .उन्होंने कहा कि अगर कोई वाहन लेने को लेकर इच्छुक है तो वे वाहन का अद्यतन कोटेशन के साथ आएं .

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन शिविर का हुआ आयोजन

हुसैनाबाद (पलामू)। मोहम्मदगंज प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का शिविर आयोजित किया गया . इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना था . शिविर में रोजगार से संबंधित स्टाल लगाए गए थे, जहाँ सभी पंचायत के प्रज्ञा केंद्र संचालकों द्वारा ऑन द स्पॉट ऑनलाइन फॉर्म की एंट्री भी की गई . इस दौरान उपस्थित युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी गई और उनके आवेदन करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई . हालांकि, लक्ष्य के अनुरूप इस कैंप में लोगों की उपस्थिति नहीं थी और ऋण लेने के प्रति भारी उत्साह की कमी भी देखी गई . जानकारी के अनुसार, जहाँ लक्ष्य 500 से अधिक लोगों को इस योजना से जोड़ने का था, वहीं केवल 165 लोगों ने ही आवेदन किया .

सम्मान 23 जुलाई 2012 को माओवादियों से लड़ते हुए विरेंद्र शर्मा ने गंवायी थी जान

शहीद हवलदार के परिजनों को किया गया सम्मानित

संवाददाता ।लातेहार

राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय (अब मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय) ने सीआरपीएफ के 60वीं बटालियन के शहीद हवलदार विरेंद्र कुमार शर्मा के परिजनों को आज मंगलवार को सम्मानित किया.

विरेंद्र शर्मा की स्मृति में कमांडेंट वीपी त्रिपाठी के निर्देश पर शहीद हवलदार की मां और अन्य परिजनों को सहायक कमांडेंट राजीव रंजन प्रताप ने शॉल व अन्य उपहार भेंट कर किया. मौके पर विद्यालय की प्राचार्य तृप्ति भारती, उप प्राचार्य नरेंद्र पांडेय, वरीय शिक्षक विद्युत ओझा, संतोष कुमार समेत कई शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे. बता दें कि शहीद हवलादार शर्मा लातेहार निवासी थे और उन्होंने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी.

हवलदार की मां और अन्य परिजनों को सम्मानित करते अधिकारी.

23 जुलाई 2012 को माओवादियों के साथ मुठभेड़ में विरेंद्र शर्मा ने गंवायी थी जान : बता दें कि खूंटी जिले के रानिया थाना क्षेत्र के बोकोप गांव में 23 जुलाई 2012 को माओवादियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ में विरेंद्र कुमार शर्मा ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए माओवादियों का मुकाबला किया था. माओवादियों ने सीआरपीएफ की टुकड़ी को आगे बढ़ता देख आईईडी विस्फोट किया था. इसकी चपेट में आकर हवलदार विरेंद्र कुमार शर्मा व सिपाही संतोष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये थे. घायल रहने के बावजूद उन्होने अंतिम सांस तक माओवादियों का मुकाबला किया और अंततः कर्तव्य पथ पर लड़ते हुए देश की सेवा में अपनी जान गंवा दीं.

खास बातें

- सहायक कमांडेंट ने शॉल ओढ़ाया व उपहार भेंट किया
- शहीद हवलदार शर्मा लातेहार के रहनेवाले थे

प्रतिस्पर्धा के दौर में अपने आप को रखने के लिए मेहनत करें : भारती

संवाददाता ।लातेहार

जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, लातेहार में मंगलवार को शिक्षक अभिभावक गोष्ठी सह प्रथम यूनिट टेस्ट परीक्षाफल प्रकाशन किया गया. कार्यक्रम का प्रारंभ स्कूल की छात्राओं के द्वारा गाये गये स्वागत गान से किया गया. विषय प्रवेश कराते हुए विद्यालय की प्राचार्य तृप्ति भारती ने कहा कि छात्र व छात्राओं को देश का एक सच्चा नागरिक बनने की बुनियाद विद्यालय में ही पड़ती है. उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में बच्चों का न सिर्फ शैक्षणिक विकास किया जाता वरन उनका सर्वांगिण विकास भी किया जाता है. विद्यालय में तो छात्रों पर शिक्षकों के द्वारा ध्यान दिया ही जाता है, अभिभावकों को भी चाहिए कि वे घर में बच्चों पर नजर रखें. प्रति दिन शाम में कम से कम एक घंटा समय बच्चों पर अवश्य देने की बात कही. आज की इस प्रतिस्पर्धा के दौर में अपने आप को रखने के लिए मेहनत आवश्यक है. उन्होंने मेहनत से कभी जी नहीं चुराने की बात कही. कहा कि सफलता का कोई शार्ट-कट नहीं होता है. विद्यालय में बाल संसद व ईको क्लब आदि संचालित है. उन्होंने अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की है. कहा कि जिन छात्रों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम रहेगी तो उन छात्र व छात्राओं को वार्षिक परीक्षा में बैठने नहीं दिया जायेगा.

शिक्षक अभिभावक गोष्ठी में अपने विचार रखते वक्ता.

ब्रीफ खबरें

वज्रपात की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

लोहरदगा। जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत हिसरी में दोपहर बाद अचानक से हुई वज्रपात से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक हिसरी निवासी लगभग 60 वर्षीय सोमारी उरांव अपने खेत में धनरोपनी करने गई हुई थी. इसी दौरान आसमानी बिजली के चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गई. इधर घटना की सूचना मिलते ही तत्काल परिजन आनन-फानन में इलाज हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा लेकर गए. जहां पर डॉक्टरों ने जांचोपरांत वृद्ध महिला को मृत घोषित कर दिया.

27 से चैनपुर में फुटबॉल टूर्नामेंट होगा आयोजित

चैनपुर(गुमला)। स्वतंत्रता दिवस के मौके बारवे मैदान चैनपुर में 27 जुलाई से परमवीर अल्बर्ट एक्का फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू हो रहा है. जिसका आयोजन हीरा बारवेटीचर्स यूनियन, चैनपुर के तत्वावधान में हो रहा है. यह टूर्नामेंट पुरुष व महिला दोनों वर्ग के लिए होगा . इच्छुक टीम 24 जुलाई तक अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. यह महा मुकाबला 32 टीमों के बीच होगा. जिसका फाइनल मैच 15 अगस्त को होगा. विजेता टीम को 50 हजार और उपविजेता टीम को 25 हजार की नगद इनामी राशि पुरस्कार के तौर पर दिया जाएगा.

अनुसचिवीय कर्मचारियों की बेमियादी हड़ताल जारी

गुमला। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग)के बैनर तले गोल बंद कर्मी अपने नौ सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को भी बेमियादी हड़ताल पर रहे. जिससे आज विभिन्न कार्यालयों में काम काज प्रभावित रहे. उधर अपनी मांगों के समर्थन में अनुसचिवीय कर्मचारियों ने भी ब्लॉक, अंचल, अनुमंडल और उपायुक्त कार्यालय के धरना प्रदर्शन कर सरकार के प्रति रोष जताया. इस बाबत हड़ताली कर्मियों ने बताया कि अनुसूचिविय कर्मचारी संघ गुमला जिला इकाई के सभी कर्मी बेमियादी हड़ताल पर रहेंगे.

पारिवारिक विवाद में महिला ने खाया जहर

मझिआंव। पति-पत्नी के आपसी विवाद में गुस्से में आकर पत्नी ने जहर खाकर घर से निकलकर कोयल नदी में बालू पर तड़पते हुए मिली. घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने महिला को इलाज के लिए रेफरल लाया, जहां उपस्थित चिकित्सक वीर प्रताप सिंह ने प्राथमिक उपचार कर महिला को बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया. महिला कि पहचान पलामू जिला के ऊंटारी थाना क्षेत्र के लहरबंजारी गांव निवासी मनोज चौधरी के 45 वर्षीय पत्नी सरिता देवी के रूप में की गई.

रौतिया को अजजा में शामिल करने की मांग

गुमला । अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद केंद्रीय समिति की बैठक बुधवार को वीर शहीद बख्तर साय मुंडल सिंह भवन लक्ष्मण नगर में आयोजित की गई. जिसमें केंद्रीय कमेटी का पुनर्गठन किया गया. पुनर्गठित कमेटी में ओम प्रकाश साय को अध्यक्ष आजाद सिंह को सचिव, झमन सिंह को कोषाध्यक्ष और लालदेव सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया. केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष निरंजन कृष्ण सिंह ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी.

बारिश की फुहारें देख किसानों के चेहरे पर लौटी मुस्कान, उत्साह के साथ बिचड़े लगाने खेतों में उतरे

लोहरदगा में मानसून मेहरबान, धनरोपनी में आई तेजी

संवाददाता ।लोहरदगा

जिले में दो दिनों से हो रही बारिश के बाद धनरोपनी तेजी आई है. किसान खेतों में पानी ठहराव की व्यवस्था के साथ-साथ खेत तैयार करने व रोपनी में जुट गए हैं.

दो दिनों से हो रही बारिश के बाद वैसे किसान जिनका बिचड़ा बच गया है वे जोर शोर से धनरोपनी में लग गए हैं. बड़ी शिद्दत के बाद लोहरदगा जिला में मानसून मेहरबान हुआ है. इससे किसानों के चेहरे पर एक बार फिर से मुस्कान लौट आयी है. यहां पर मानसून की रफ्तार बढ़ने से तेज़ी से किसान खेतों में धान का बिचड़ा को रोपनी कार्य में जुट गए हैं. लंबे समय तक लोहरदगा में मानसून की बेरूखी से इस बार फिर से किसानों के चेहरे पर अकाल के संकेत नजर आ रहा थे, लेकिन श्रावण मास की पहली सोमवारी से ही लोहरदगा जिला के सभी क्षेत्रों में झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे पर मुस्कान वापस आया है, किसान खेतों में पानी जमा कर धनरोपनी कार्य में जुटे हुए हैं. दोन के साथ-साथ टांड़ इलाकों में भी धनरोपनी कार्य में तेजी आ गई है. हालांकि दलहन, तिलहन और मोटे अनाज के लिए टांड़ क्षेत्र में पानी का औसत ज्यादा हो गया है. किसान धूप निकलने का इंतजार कर रहे हैं. ग्रामीण इलाकों में किसानों का समय खेतों में गुजर रहा है. रोटी के लिए परदेश पलायन करने वाले किसान भी अब अपने घर में लौटकर पूरे उत्साह के साथ खेती-बारी में जुट गए हैं.

लोहरदगा में धनरोपनी कार्य को मूर्त रूप देती महिलाएं.

पिछले साल जुलाई में हो चुका था 50 % धनरोपनी

लोहरदगा जिला में पिछले साल भी मानसून की बेरूखी से किसानों को अकाल की मार भले ही झेलना पड़ा था, लेकिन श्रावण मास तक बीते वर्ष लगभग 50 प्रतिशत धनरोपनी कार्य को पूरा कर लिया गया था. हालांकि बीते साल रूक-रूककर दगाबाज बारिश ने किसानों को अंतिम समय में धोखा देने का कार्य किया था जिससे धनरोपनी के बाद भी धान की पैदावारी नहीं हो पाया था और लोहरदगा जिला के 90 प्रतिशत किसानों को अकाल की मार झेलना पड़ा था. इस बार पिछले साल की तरह ही बारिश का आना-जाना लगा हुआ.

अब गढ़वा में भी ले सकेंगे नौका विहार का आनंद, बनेगा इको पार्क

गढ़वा के विकास की चर्चा पड़ोसी राज्यों में भी होती है : मिथिलेश

- मंत्री ने किया अन्नराज डैम पर जलक्रीड़ा व साहसिक क्रीड़ा अधिष्ठापन का उद्घाटन

संवाददाता ।गढ़वा

गढ़वा सदर प्रखंड स्थित अन्नराज डैम पर जल क्रीड़ा एवं साहिसक क्रीड़ा अधिष्ठापन कार्य का मंगलवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने दीप जलाकर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया. तत्पश्चात मंत्री श्री ठाकुर, डीसी शेखर जमुआर, जिप अध्यक्ष शांति देवी, एसपी दीपक पांडेय, डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा ने बोटिंग कर नौका विहार की शुरूआत की. पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार की ओर से विभिन्न प्रकार की जल क्रीड़ा सामग्री स्पीड मोटर बोट, पैडल बोट, कया किंग और जेट्टी आदि की व्यवस्था की गई है. गढ़वा में अब लोगों को नौका विहार का आनंद मिलेगा. इस दौरान मंत्री ने नौका विहार के लिए प्रशिक्षित युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आज हर क्षेत्र में गढ़वा पूरी तरह से बदल रहा है. एक समय ऐसा था कि अन्नराज डैम आना मुश्किल लगता था. अब यह पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो रहा है. उन्होंने कहा कि डेढ़ करोड़ रूपये से अधिक की लागत से इसका सुंदरीकरण एवं आधारभूत संरचना का विकास किया गया है. यहां दो करोड़ रुपए से अधिक की लागत से गेस्ट हाउस बनाया जा रहा है.

मंत्री ने कहा कि इसके संचालन की व्यवस्था स्थानीय कमिटी को दी गई है. प्रशिक्षित युवा इसे संचालित करेंगे. मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आने वाले समय में यहां इको पार्क का निर्माण किया जाएगा. जो पूरे झारखंड के लिए उदाहरण बनेगा. आज से साढ़े चार वर्ष पूर्व का गढ़वा तथा आज के गढ़वा में कोई तुलना नहीं है. मंत्री ने कहा कि गढ़वा की विकास की चर्चा सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी होती है. गढ़वा आगे भी विकास के पथ पर काफी तेजी से दौड़ेगा इसका भी खाका तैयार है. उन्होंने कहा कि गढ़वा अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा. निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा. डीसी शेखर जमुआर ने कहा कि यहां 20 एकड़ में इको पार्क का निर्माण किया जाएगा. साथ ही वॉच टावर भी बनाया जाएगा. इसकी प्रक्रिया जारी है.

डीसी ने कहा कि वे पिछले डेढ़ वर्षां से गढ़वा में हैं. उन्हें विश्वास नहीं होता कि कोई जनप्रतिनिधि विकास कार्यां में इस कदर लीन हो सकता है. उन्होंने कहा कि जिले के सुदुर क्षेत्रों तक चहुंमुखी विकास हो रहा है. मौके पर जिप अध्यक्ष शांति देवी, डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा, एसपी दीपक पांडेय, डीएफओ अब्राहम, अंशुमन आदि ने भी विचार व्यक्त किया. मौके पर मुख्य रूप से जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव सिंह, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, जिला खेलकूद एवं पर्यटन पदाधिकारी उमेश लोहरा, गढ़वा बीडीओ, सीओ, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष छोटू सिंह खरवार, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, विधायक प्रतिनिधि ओमप्रकाश गुप्ता, नवीन तिवारी, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

बोटिंग करते मंत्री, जिप अध्यक्ष, डीसी, एसपी, डीडीसी.

विधायक बोले- जंगल बचेगा तभी जीवन बचेगा

सिमडेगा । कोलेबिरा विधानसभा के शाहपुर पंचायत के कोंडेकेरा में आयोजित बैठक में विधायक विक्सल कोनगाड़ी ने सभी लोगों को जंगल की महत्ता को बताया और कहा कि जंगल एवं पर्यावरण की सुरक्षा और विकास के लिए माचा और शादी विवाह, पर्व त्योहारों में जंगलों से छोटे पेड़ या तोम्बा को ना काटे.इसके लिए विधायक नमन बिक्सल कोनगाडी ने जंगल किनारे के गांव वालों को टेंट और कनाथ का वितरण किया. उन्होंने कहा यहां निवास करने वाले लोगों के शादी,विवाह में सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से माचा बनाने के लिए लोग जंगलों से पेड़ को काटते हैं.विधायक ने लोगों को जागरूक किया और कहा कि माचा के लिए पेडों का ना काटे कि नसीहत दी.

मोहर्रम में माहौल बिगाड़ने वालों पर प्राथमिकी दर्ज

रमना। मोहर्रम जुलुस में विधि व्यवस्था भंग करने और हिंसा भड़काने वालो के विरुद्ध रमना थाना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार नामजद और 100-200 अज्ञात लोगो के विरुद्ध मामला दर्ज किया है. ज्ञात हो की मोहर्रम जुलुस के दौरान सिलीदाग पंचायत के दूधवनिया में सिलीदाग और भागोडीह पंचायत के मुस्लिम द्वारा ताजिया-सिपड अखाडा का मिलनी वर्षो से किया जाता रहा है. उक्त स्थल पर गत वर्ष भी साफ-सफाई को लेकर विवाद इनके द्वारा किया गया था. जिसमें सिलीदाग पंचायत के मुखिया द्वारा हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ था. हद तो इस मोहर्रम में हो गया. ज़ब जुलुस से पहले ही उक्त स्थल के हिन्दुओं नें प्रशासन के कहने पर मिलनी स्थल को साफ सुथरा कर दिये थे.

न्यूज अपडेट

सलगापोस : करंट लगने से युवक की मौत

शव के पास बिलखते परिजन.

ठेठईटांगर (सिमडेगा)। ठेठईटांगर थाना क्षेत्र के कोरोमिया पंचायत स्थित सलगापोस गांव में सोमवार की रात करंट लगने से एक युवक की मौत हो गयी. युवक की पहचान भोला महतो के रूप में हुई है . घटना की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार की सुबह पूर्व मंत्री सह झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बांधा. पूर्व मंत्री ने मृतक के परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया.पूर्व मंत्री एनोस एक्का तत्काल मदद के रूप में नगद राशि भी प्रदान की.

संसद में सरना धर्म कोड की मांग उठाना सराहनीय

लोहरदगा। सामाजिक कार्यकर्ता सुनीता उरांव ने एक बयान जारी कर कहा है कि लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत ने संसद में आदिवासियों के धार्मिक पहचान और अस्मिता से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को लेकर मुखर होकर सरकार से सरना धर्म कोड लागू करने की मांग की गई है, जो सराहनीय है . सुखदेव भगत ने लोकसभा चुनाव के समय मतदाताओं से कहा था कि यदि लोहरदगा की जनता का आशीर्वाद मुझे मिला और मैं सांसद बना तो संसद सत्र के पहले दिन ही मैं सरना कोड और जनगणना कॉलम में अलग से गणना हेतु सूचीबद्ध कराने के लिए आवाज उठाऊंगा . इस वादे को पूरा किया.

लोगों का धार्मिक पहचान मिटाना चाहती है भाजपा

लोहरदगा। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार साहू ने सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को संसद में उठाए जाने मामले में जो प्रतिक्रिया दी है. कहा कि भाजपा सरना धर्म के विरोधी हैं. आलोक साहू ने कहा कि 2011 के जनगणना कॉलम में एक अन्य कॉलम था उस समय लगभग 56 लाख सरना धर्म के मानने वाले लोगों ने अन्य कॉलम के माध्यम से अपनी धार्मिक पहचान को अंकित कराया था. इस बार की जनगणना कॉलम में केंद्र की भाजपा सरकार ने अन्य कॉलम को बंद कर दिया है, जिसके तहत अब देश की जनता छह धर्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई ,बौद्ध एवं जैन के नाम से जाने जाएंगे.

बाल गंगाधर व आजाद की जयंती पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म

जयंती पर नमन करती विद्यार्थ.

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र में संचालित मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर महाविद्यालय लोहरदगा में बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती आयोजित की गई. कार्यक्रम का शुभारंभ सभी आचार्य, दीदी और भैया-बहनों के द्वारा बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर किया गया. इस बीच बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर भैया-बहनों को उनके जीवन परिचय, जीवन संघर्ष और उपलब्धियां से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई. मौके पर कविता दीदी ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता दिलाने में इन दोनों महापुरुषों का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है.

मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगा : मुकुल

संबोधित करते संघ के पदाधिकार.

लोहरदगा. झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग जिला ईकाई लोहरदगा व समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग, आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर आपरेटर एवं अनुसेवक के 9 सूत्री मांगों के समर्थन में दूसरे दिन भी समाहरणालय पर स्थित मैदान में तंबू लगाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे रहे. इधर अनुसचिवीय कर्मचारी संघ जिला ईकाई के लोहरदगा जिलाध्यक्ष मुकुल मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जबतक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती है तब-तक हड़ताल जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि सरकार हमारे साथ भेद-भाव कर रही है.

सांसद के प्रयास से रियाद से लाया गया रिजवान का शव

संवाददाता ।कैरो/लोहरदगा

- सात जुलाई को रियाद में एक सड़क दुर्घटना में हुई थी मौत
- परिजनों के साथ-साथ मुस्लिम समुदाय ने किया सांसद का आभार व्यक्त

जिले के कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरिमा निवासी रिजवान अंसारी पिता नईम अंसारी जो विगत दो वर्ष से सऊदी अरब के रियाद में केबल का तार बिछाने का काम करता था. विगत सात जुलाई को सउदी अरब के रियाद में एक सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई थी. मौत का समाचार मिलते ही परिजनों में मातम छा गया था. इधर सांसद सुखदेव भगत के अथक प्रयासों से रिजवान अंसारी का डेड बॉडी कैरो के चरिमा गांव पहुंचते ही परिजनों और शुभचिंतकों की चीख-पुकार कर रोने से पूरा गांव दहल उठा. बता दें कि रिजवान अंसारी एक शादीशुदा नौजवान था, उसकी एक ढाई वर्ष की बच्ची है. पत्नी और परिवार वालों का अरमान था कि किसी भी तरह रिजवान अंसारी का शव हिंदुस्तान आ जाए. ताकी मासूम सी बच्ची बाप का मुंह देख सके. इसे लेकर परिजनों ने सांसद सुखदेव भगत से डेड बॉडी वापस हिंदुस्तान लाने की गुहार लगाई थी. सुखदेव भगत ने इसपर गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लेते हुए मुख्य सचिव झारखंड सरकार एवं दूतावास से सम्पर्क कर पत्राचार किया. सांसद सुखदेव भगत का यह प्रयास रंग लाया और 22 जुलाई को मरहूम रिजवान अंसारी का शव रियाद से कोलकाता 7:00 बजे पहुंचा, अहले सुबह तक कोलकाता से रिजवान अंसारी का बॉडी उनके गांव चरिमा पहुंचा. इधर सांसद के प्रयास की चर्चाएं आस पड़ोस के साथ-साथ दूर दराज ग्रामीण इलाकों में किया जा रहा है. सांसद सुखदेव भगत के इस प्रयास पर अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के सदर अब्दुल रउफ अंसारी व सेक्रेटरी जनाब शाहिद अहमद बेलू और सभी मेम्बरान के अलावा सभी प्रखंडों के देही इलाके के अंजुमन के पदाधिकारी के एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सांसद सुखदेव भगत का अभार प्रकट किया है.

लोहरदगा में डकैती की योजना बना रहे तीन अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

संवाददाता ।लोहरदगा

डकैती की योजना बना रहे तीन अपराधियों को लोहरदगा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गिरफ्तार अपराधियों में सद्दाम हुसैन (29), सकील अंसारी (22) व सलमान अंसारी (20) शामिल हैं. इनके पास से पुलिस ने एक देसी, एक कारतूस और भरठुवा बंदूक बरामद किया है. तीनों अपराधियों के खिलाफ किस्को थाना में धारा 310(4) 310(5) 310(6), बीएनएस और 25(1-बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 19/024 दर्ज किया गया है. सद्दाम हुसैन पर किस्को, कैरो और पुसो थाना में आर्म्स एक्ट 17 सीएल ए एक्ट के अलावा कई मामले दर्ज हैं. जबकि सकील अंसारी के खिलाफ गुमला के पुसो थाना में आर्म्स एक्ट 17 सीएल ए एक्ट, लूट, डकैती सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं. लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां ने प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी.

गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी एसपी.

खंडहर में डकैती की योजना बना रहे थे तीनों अपराधी

जानकारी के अनुसार, एसपी हारिस बिन जमां को गुप्त सूचना मिली थी कि लोहरदगा जिला के किस्को थाना क्षेत्र के नारी धुर्वा मोड़ पर तीन अपराधी किसी घटना को अंजाम देने की रणनीति बना रहे हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने किस्को एसडीपीओ समीर कुमार सवैया के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. गठित टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और धुर्वा मोड़ पर अवस्थित कॉलोनी के अंदर स्थित खंडहर में डकैती की योजना बना रहे तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार अपराधियों की तलाशी के क्रम में एक अपराधी के पास से देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ. जबकि घटनास्थल से पुलिस एक भरठुवा बंदुक बरामद किया. एसपी ने बताया कि छापेमारी दल में एसडीपीओ समीर कुमार सवैया, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद, थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह, एसआई महेंद्र प्रसाद यादव, एसआई देवेंद्र हांसदा, सुरक्षा बल के जवान और टेक्निकल टीम मौजूद रहे.

रेलवे लाइन के किनारे से हटाया जाये अतिक्रमण : प्रवीण सिंह

- लोहरदगा से रांची के बीच रेलवे की जमीन का बड़े पैमाने पर हो रहा है अतिक्रमण,सब चुप हैं

संवाददाता ।लोहरदगा

लोहरदगा से रांची रेलवे लाइन में रेलवे की जमीन का भारी संख्या में अतिक्रमण किया गया हैं. जिसको लेकर पूर्व विधान पार्षद प्रवीण कुमार सिंह ने भारत सरकार के रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र प्रेषित किया है.

पत्र को डिजिटल माध्यम से विभाग एवं रेलवे को भेजा गया है. पत्र में उन्होंने कहा है कि झारखंड राज्य के अंतर्गत लोहरदगा से रांची रेल परिचालन लाइन बहुत पुरानी है. इस रेल लाइन के माध्यम से कई जिलों का यात्रा आसानी से किया जाता है. विशेष लोहरदगा जिला झारखंड राजधानी के समीप होने के कारण भारी संख्या में यात्री प्रतिदिन लोहरदगा से रांची यात्रा करते हैं और उनके बीच में स्थित स्टेशनों पर यात्रियों का उतार-चढ़ाव होता है. विशेष कर लोहरदगा रांची से चलने वाली पैसेंजर मेमू ट्रेन लोहरदगा जिले के लिए लाइफ लाइन बन गयी है. व्यवसायिक क्षेत्रों की दृष्टि से लाभान्वित होते हैं व रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है. परंतु वर्तमान कुछ वर्षों में ऐसा देखा जा रहा है कि लोहरदगा से रांची के बीच रेल की जमीनों का भारी संख्या में अतिक्रमण हो रहा है. यह अतिक्रमण वैसे लोगों के द्वारा हो रहा है जो समाज को नुकसान करते हैं. ऐसे लोग रेल यात्री के लिए परेशानी, रेल उपकरण की चोरी, एवं रेलवे संबंधित कार्यों के लिए भी बाधक बनते हैं. यदि इस विषय को गंभीरता पूर्वक विभागीय कार्रवाई करते हुए अवैध अतिकर्मन को मुक्त नहीं किया जाता है, तो बहुत जल्द इस क्षेत्र की रेल यात्रियों एवं रेल विभाग के लिए परेशानियों का सबब बनेगा. इसलिए विषय की गंभीरता को समझते हुए उचित कार्रवाई कर अभिलंब रेल जमीनों पर हुए अतिक्रमण को मुक्त कराने की कार्रवाई की जाए.

बैठक पर्यटन स्थलों पर सफाई कर्मियों व सुरक्षा कर्मियों की रिक्तियों को एक सप्ताह में आवेदन लेने का निर्देश

पर्यटन स्थलों के विकास के लिए जिला प्रशासन तैयार: डीसी

संवाददाता ।लोहरदगा

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला पर्यटन संवर्धन समिति के कार्यकारिणी निकाय की बैठक समाहरणालय सभागार में हुई. बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई व आवश्यक निर्देश दिये गये.

डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने निर्देश देते हुए कहा कि अधिसूचित पर्यटन स्थलों पर सफाई कर्मियों व सुरक्षा कर्मियों के लिए रिक्तियों को एक सप्ताह के अंदर आवेदन प्राप्त कर लें. साथ ही पर्यटन स्थलों पर आई लव लोहरदगा व अन्य साइनेज से संबंधित सूचना पट्ट के लिए प्राक्कलन तैयार कर कार्य किये जाने का निदेश दिया गया. इसी तरह कुडू प्रखंड के टिको पर्यटन स्थल में रूनिया-झुनिया शहादत स्थल और कैरो प्रखंड के बौद्ध मठ को अधिसूचित कराने के लिए निर्देश दिया गया. वहीं सदर प्रखंड लोहरदगा में तैराकी खेलों को प्रोत्साहित किये जाने के लिए स्वीमिंग पुल निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार कराने हेतु निदेश उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के द्वारा दिया गया. पर्यटन स्थलों की जानकारी हेतु साइनेज लगाये जाने का निदेश दिया गया. इसी प्रकार पर्यटन स्थल धरधरिया में नक्सली घटना में शहीद हुए जवानों की स्मृति में शहीद स्मारक लगाये जाने का भी निर्देश दिया गया. बैठक में पुलिस प्रमण्डल पदाधिकारी अभिषेक कुमार, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, जिला जनसम्पर्क जिला खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा, नगर परिषद प्रशासक जयपाल सिंह, नामित सदस्य निशीथ जायसवाल और साईद खालिद शाह उपस्थित थे.

पर्यटन स्थलों के विकास हेतु बैठक कर कर्मियों को निदेश देते हुए उपायुक्त.

तीर्थ यात्रियों के बस को डीसी ने किया रवाना

लोहरदगा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से 11 हिंदू धर्मावलंबियों को द्वारिका, सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए मंगलवार को हटिया स्टेशन के लिए बस को उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यहां पर तीर्थ यात्रा समाप्त होने के बाद सभी तीर्थ यात्री 30 जुलाई को वापस लोहरदगा लौटेंगे. इस बीच तीर्थ यात्रियों को रवाना करते हुए उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि सरकार की ओर से बीपीएल परिवारों को देश के विभिन्न हिस्सों में अवस्थित धार्मिक स्थलों पर तीर्थ दर्शन हेतु भेजा जा रहा है जिसमें तीर्थ यात्रियों को सरकार द्वारा समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है. मौके पर जिला योजना पदाधिकारी अरूण सिंह, नजारत उपसमाहर्ता अभिनीत सूरज समेत सभी तीर्थयात्री उपस्थित थे.

मनरेगा कर्मियों की बेमियादी हड़ताल जारी

संवाददाता ।लोहरदगा

सेवा स्थायीकरण और वेतनमान की मांग को लेकर झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के तत्वावधान में लोहरदगा जिला के सभी मनरेगा कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे रहे. मनरेगा कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से जिले में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में खासा प्रभाव पड़ रहा है. जिलाध्यक्ष अध्यक्ष मंगल दास तिर्की की अध्यक्षता में समाहरणालय के समक्ष धरना में डटे रहे. मनरेगा कर्मियों ने कहा कि सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं किया, मजबूरन हमें अनिश्चित कालीन हड़ताल जाने को मजबूर होना पड़ा है. अध्यक्षता कर रहे मंगल दास तिर्की ने कहा कि सरकार हमारे साथ भेद-भाव कर रही है. उन्होंने कहा कि कम वेतनमान मिलने से हमारे बाल-बच्चों के जीवन यापन करना दुभर हो रहा है. धरना प्रदर्शन में राजकिशोर राम, सचिन कुमार, लक्ष्मण उरांव, दीपक कुमार, अभिषेक कुमार मिश्रा, सोमनाथ पाहन, अरविंद रोशन, सुमित कुमारी, राजमुनी कुमारी, रजनी लकड़ा, राजमनी मिंज, प्रदीप कुमार, पंचम एतवा पाहन, दिनोज राम, जोगिंदर ठाकुर, शहजादा सैफ, छोटू उरांव सहित बड़ी संख्या में अनिश्चितकालीन हड़ताल में जिले में कार्यरत मनरेगा कर्मियों में बीपीओ, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कंप्यूटर सहायक, रोजगार सेवक शामिल हैं.

बेमियादी हड़ताल पर बैठे मनरेगा कर्मी.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को देश का आम बजट पेश किया. यह मोदी 3-0 का पहला और उनका रिकॉर्ड 7वां बजट था. वह लगातार 7 बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन गई हैं. उन्होंने मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा है. इस दौरान वित्त मंत्री ने कई घोषणाएं भी कीं. घोषणाएं होते ही पक्ष के लोगों ने वाह-वाह किया है. वहीं विपक्ष ने इसे जनता से बहुत दूर का बजट करार दिया है.

न्यू टैक्स रिजीम में राहत

17500 तक का सीधा फायदा » **ओल्ड टैक्स रिजीम वाले घाटे में**

किसानों के लिए खोला खजाना, 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित

लगातार न्यूज नेटवर्क। मोदी 3-0 सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में कृषि और किसानों के लिए खजाना खोल दिया गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट में किसानों का खास ध्यान रखा है और किसानों की कमाई में इजाफा करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं. बजट में किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है...

कृषि क्षेत्र

किसानों के लिए खुला सरकार का पिटारा

घर-परिवार

बच्चों के लिए ऐसे करें बचत, मिलेगा फायदा

गरीब-मध्यम वर्ग

एक करोड़ परिवारों को घर, मिलेगी सब्सिडी

मध्यम वर्ग के लिए राहत

पारिवारिक पेंशन पर बढ़ी छूट की सीमा

इन्फ्रास्ट्रक्चर

औद्योगिक केंद्र का विकास किया जाएगा

उद्योग

खनिज मिशन शुरू किया जाएगा

शहरी विकास

पीपीपी मोड पर मकानों का निर्माण होगा

...आर्थिक और आवागमन योजना के जरिए बाह्य शहरी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास. मौजूदा शहरों के रचनात्मक ब्राउनफील्ड पुनर्विकास के लिए रूपरेखा. 100 बड़े शहरों के लिए जलापूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट और ठोस कचरे का प्रबंधन परियोजनाएं एवं सेवाएं. 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 बड़े शहरों के लिए आवागमन संबंधी विकास योजनाएं. पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ शहरी गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों को लाभ मिलेगा. चयनित शहरों में 100 हाट या स्ट्रीट फूड हब बनेंगे. औद्योगिक कर्मियों के लिए पीपीपी मोड में किराए के मकानों का निर्माण किया जाएगा.

ऊर्जा सुरक्षा

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना चालू

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1.28 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण किए गए और 14 लाख आवेदन प्राप्त हुए. विद्युत भंडारण और समग्र उर्जा मिश्रण में नवीकरणीय उर्जा के निर्बाध एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए पम्पड स्टोरेज परियोजाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई नीति लाई जाएगी. परमाणु ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों और स्मॉल और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर का अनुसंधान और विकास. उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से एनटीपीसी और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम 800 मेगावाट का वाणिज्यिक संयंत्र स्थापित करेगा. हार्ट टू एबेट उद्योगों के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा. 60 कलस्टरों में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की निवेश ग्रेड उर्जा लेखा परीक्षा की सुविधा से स्वच्छ उर्जा में परिवर्तित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी.

ऋण-रोजगार

मुद्रा योजना में मिलेगा 20 लाख तक ऋण

देश में चलने वाली कई तरह की योजनाओं के जरिए गरीब और मध्यम वर्ग को लाभ दिया जाता है. इसके लिए भारत सरकार कई तरह की योजनाएं चलाती है जिसमें से एक प्रधानमंत्री मुद्रा योजना. इसी योजना को लेकर वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश करने के दौरान मुद्रा लोन को लेकर एक बड़ा एलान किया. तो चलिए जानने की कोशिश करते हैं कि ये एलान किया है और किन्हें इसका लाभ मिल सकेगा. दरअसल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया कि अब मुद्रा लोन 20 लाख रुपए तक मिल सकेगा. जबकि इससे पहले ये लोन सीम 10 लाख रुपए तक की थी. ऐसे में इस घोषणा से मुद्रा लोन लेने वाले लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकता है. सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2015 में की थी.

मोबाइल- दवाइयां सस्ती

... की कुछ दवाएं और कैंसर के उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण सस्ते होंगे. इससे रोगियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है. गौरतलब है कि कैंसर की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका उपचार प्राप्त करना और दवाओं पर खर्च आम आदमी की जेब पर बड़ा भार डालता है. वित्त मंत्री निर्मला ने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत मेडिकल एक्स-रे मशीनों में उपयोग के लिए एक्स-रे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टरों पर आयात शुल्क हटाने की घोषणा की है. कैंसर के मरीजों के लिए तीन और दवाओं को पूरी तरह सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया जाएगा. एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर में भी सीमा शुल्क घटाया जाएगा. सोने और चांदी पर सीमा शुल्क छह फीसदी और प्लेटिनम पर 6.4 फीसदी सीमा शुल्क घटाया जाएगा. एक करोड़ परिवारों को हर महीने मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली.

सोने का भाव करीब 4000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक घट गया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने अपना पहला बजट पेश कर दिया है और इसमें सोना-चांदी को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया है. इसके बाद सोने की कीमतों में अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण खत्म होते-होते सोने का भाव करीब 4000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक घट गया. एमसीएक्स पर यहां पहुंचा भाव वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में सोने और चांदी समेत अन्य मेटल्स पर कस्टम ड्यूटी घटाने का ऐलान किया है. सरकार ने सोना और चांदी पर पहले से लागू कस्टम ड्यूटी कम करके अब 6% कर दिया है.

पहली नौकरी

सीधे खाते में आएंगे 15 हजार, पीएफ भी सरकार देगी, 2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा ऐलान: वित्त मंत्री ने पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा दिया है. सीतारमण ने कहा कि संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा.

1. **पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा :** सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है. इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है. संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डीबीटी के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा. इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपए होगी. ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी. योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी. इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा.

2. **पीएफ में एक महीने का योगदान :** वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करेगी. उन्होंने कहा कि एक महीने का पीएफ (भविष्य निधि) योगदान प्रदान करके नौकरी बाजार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगी. उन्होंने घोषणा की कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश में कामकाजी महिला छात्रावास स्थापित किए जाएंगे.

3. **एक करोड़ युवाओं को टॉप-500 कंपनियों में 12 महीने इंटर्नशिप और हर महीने भत्ता :** वित्त मंत्री निर्मण सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देगी. यह इंटर्नशिप 12 महीने की होगी. इसमें युवाओं को कारोबार के वास्तविक माहौल को जानने और अलग-अलग पेशे की चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा. इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपए का भत्ता भी दिया जाएगा. यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपए दिए जाएंगे. कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा.

4. **1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा :** उन्होंने कहा, मुझे कौशल विकास और राज्य सरकारों व उद्योग जगत के साथ सहयोग के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत चौथी योजना के तौर पर केंद्र की नई प्रस्तावित योजना की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जाएगा. एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हब में अपग्रेड किया जाएगा.

5. **जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए धन मुहैया करेगी सरकार :** सीतारमण ने कहा कि सरकार जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र और उससे जुड़े विशेषज्ञों व अन्य को धन मुहैया कराएगी.

6. **मनरेगा में परिवार के एक सदस्य को कम से कम 100 दिन का रोजगार :** उन्होंने आगे कहा, पहले मौजूद मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी) योजना में प्रत्येक उस परिवार के कम से कम एक व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार प्रदान किया जाएगा, जिसके वयस्क सदस्य शारीरिक काम चाहते हैं.

शिक्षा

कौशल विकास और रोजगार पर जोर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार प्रोत्साहन को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं. इस बार के केंद्रीय बजट में शिक्षा के क्षेत्र को 1.48 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. यह शिक्षा क्षेत्र के लिए पिछले साल के मुकाबले और अब तक की सबसे अधिक राशि है. इस बार के शिक्षा बजट में आवंटित राशि से शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार लाने, नौकरी के अवसर पैदा करने और पूरे देश में कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ाने की उम्मीद है. वहीं, युवाओं को स्किल्ड बनाना के उद्देश्य से पीएम पैकेज के तहत युवाओं के लिए पांच मुख्य स्कीम की घोषणा की गयी है. इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया है. इस बार के बजट में कामकाजी महिलाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है. इसके अलावा युवाओं के कौशल प्रशिक्षण, आईआईटी संस्थानों के विकास पर भी ध्यान दिया गया है.

रेलवे

इंफ्रास्ट्रक्चर-यात्री सुरक्षा पर जोर

बुजुर्ग रेल यात्रियों को सरकार ने फिर किया निराश : केंद्रीय बजट 2024-25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से रेलवे को लेकर कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं करने की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र ने पूंजीगत व्यय को अंतरिम बजट 2024 में घोषित किए गए अनुसार ही रखा. वित्त मंत्री के बजट भाषण में भारतीय रेलवे का केवल एक बार उल्लेख किया गया, जो उम्मीदों के विपरीत था. इस बजट में रेलवे का फोकस रेल दुर्घटनाओं को कम करने और ढांचागत मतबूती पर रखा गया है. इसके अलावा वंदे भारत, अमृत भारत और बुलेट ट्रेनों पर भी सरकार काम कर रही है. सुरक्षा और यात्री आराम को भी प्राथमिकता दी गई है. हालांकि बुजुर्ग रेल यात्रियों की उम्मीदों पर एक बार फिर पानी फिर गया है. कोरोना काल से बंद बुजुर्गों को रेल टिकट पर मिलने वाली रियायत पर इस बार के बजट में भी कोई चर्चा नहीं है. बुजुर्ग ये मांग बहुत दिनों से कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें निराश किया है. कुल मिला कर बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर पूरा जोर है. साथ ही यात्रियों की सुरक्षा पर धन खर्च करने की बात कही गयी है.

आइए जानते हैं, रेलवे को क्या-क्या मिला...

नई रेल लाइन बिछाने के लिए 34,603 करोड़ रुपये : मोदी 3.0 सरकार के पहले बजट में नई रेल लाइनों को बिछाने के लिए अनुमानित 34,603 करोड़ रुपये की राशि के आवंटन की योजना है. पिछले आम बजट में यह राशि 34,410 करोड़ रुपये थी. वहीं, दोहरी रेल लाइन बिछाने के लिए बजट की राशि को कम किया गया है. 2024-25 के बजट में अनुमानित 29,312 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि 2023-24 के बजट में 35,046 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे.

रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 15,511 करोड़ रुपये : इस बजट में रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 2024-25 के बजट में 15,511 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना है. पिछले बजट में यह राशि 9,618 करोड़ रुपये थी. वहीं, रेलवे की विद्युतीकरण परियोजनाओं के लिए अनुमानित 6472 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना बनाई गई है. यह राशि 2023-24 के केंद्रीय बजट के मुकाबले 1889 करोड़ रुपये कम है. पिछले पूर्ण बजट में यह राशि 8361 करोड़ रुपये थी.

रेलपथ नवीकरण के लिए भी बजट की राशि को बढ़ाया : सिग्नल और दूरसंचार संबंधी कार्यों के लिए भी बजट की राशि बढ़ायी गयी है. इसके लिए इस बजट में 4647 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना है. 2023-24 के आम बजट में यह राशि 3,581 करोड़ रुपये थी. इसी तरह, रेलपथ नवीकरण के लिए भी बजट की राशि बढ़ायी गयी है. इस बजट में इसके लिए 17,652 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने की योजना है. पिछले केंद्रीय बजट में यह राशि 16,826 करोड़ रुपये थी.

जीबीएस मद में 2.52 लाख करोड़ का आवंटन बरकरार : 2024-25 के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के रूप में 2,52,200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे. बजटीय संसाधनों (ईबीआर) से अतिरिक्त 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे. बजट 2024-25 में इसे बरकरार रखा गया है. इसके अलावा सरकार की प्राथमिकता सूची में कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का दायरा बढ़ाने में तेजी लाना भी शामिल है.

आम बजट पेश करने जाती वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

रक्षा मंत्रालय

सेना को 6.21 लाख करोड़ का बजट आवंटन

रक्षा मंत्रालय को कुल बजट का 12.9% और जीडीपी का 2.5% मिलाकेंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के आम बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक 6,21, 940 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जो कुल बजट का 12.9% है. वहीं, वर्ष 2023-24 में रक्षा मंत्रालय का आवंटन 5,93,537.64 करोड़ रुपये था. रक्षा बजट का आवंटन जीडीपी का लगभग 2.5% है. इस वर्ष के रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढाने के लिए घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 रुपये आवंटित किये गये हैं. वहीं, सीमा सड़क संगठन के लिए 6500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो पिछले बजट की तुलना में 30 % अधिक है. स्टार्टअप, नवाचार तथा छोटी इकाइयों को प्रौद्योगिकी समाधान तथा उन्नयन के लिए आईडेक्स योजना के तहत 518 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. बजट में रक्षा पेंशन मद में 141.205 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

बजट पर नेताओं ने क्या कहा

बजट दूरदर्शी, जनहितैषी व विकासोन्मुखी: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किए गए 2024-25 के आम बजट को दूरदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुखी करार दिया और कहा कि यह न केवल भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नयी भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है बल्कि उन्हें मजबूत भी करता है. शाह ने कहा कि बजट न केवल पीएम के नेतृत्व वाली सरकार के तहत भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नयी भावना का उदाहरण देता है.

सशस्त्र बलों को और मजबूत बनाया जाएगा : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, 'भारत सरकार के वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए सबसे ज्यादा आवंटन किया है. मैं वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने रक्षा मंत्रालय के लिए 6,21,940.85 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. ये कुल बजट का 12.9 फीसदी है. 1,72,000 कैपिटल एक्सपेंडिचर हमारे सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करेगा. घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 करोड़ रुपये का प्रावधान आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देगा.

सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संसद में पेश किये गये केन्द्रीय बजट को 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और 'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट बताया है. योगी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में भी कहा, आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है. उन्होंने कहा, मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्रावधानों की घोषणा स्वागत योग्य है.

आम बजट से हम बहुत खुश हैं : नीतीश कुमार

बजट लक्ष्य को प्राप्त करने की स्पर्धा : भूपेंद्र पटेल

जरूरतों को पहचानने के लिए धन्यवाद : चंद्रबाबू

पांच साल बाद 'विशेष आवंटन' किया गया : तेदेपा

शुभम संदेश
www.lagatar.in
रांची, बुधवार 24 जुलाई, 2024
06-07

नकलची व मोदी सरकार बचाओ बजट है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की तरक्की वाला नहीं, बल्कि मोदी सरकार बचाओ बजट पेश किया है. उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नकलची बजट है जिसमें सरकार कांग्रेस के न्याय के एजेंडे की ठीक तरह से नकल नहीं कर पाई है. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का "नकलची बजट" .

उम्मीद वाला कम, मायूस करने वाला ज्यादा : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट को 'अच्छे दिन' की उम्मीदों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा बताया है. बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि संसद में पेश केन्द्रीय बजट अपने पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर व धन्ना सेठों को छोड़कर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा है.

केंद्रीय बजट पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2024-25 को 'राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी' करार दिया और राज्य को (लाभ से) 'वंचित' करने के लिए केंद्र की आलोचना की. मुख्यमंत्री ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल ने ऐसी कौन सी गलती है कि उसे केंद्र ने 'वंचित' कर दिया है. उन्होंने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा, इस केंद्रीय बजट में बंगाल को पूरी तरह से वंचित किया गया है. इसमें गरीबों के हितों का ख्याल नहीं रखा गया है.

दिल्ली को एक पैसा नहीं दिया गया : आतिशी

वित्त मंत्री ने कांग्रेस का घोषणा पत्र पढ़ा : चिदंबरम

सरकार बचाने वाला यह आम बजट : अखिलेश

राज्य को 'आत्मनिर्भर' बनाने में मददगार होगी : त्यागी

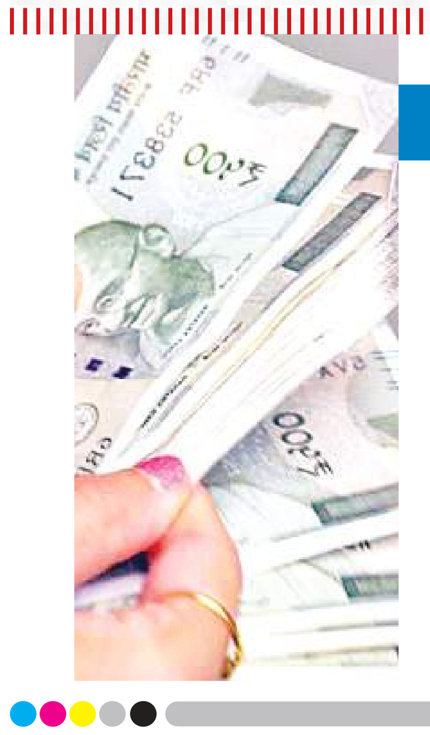

5 लाख तक की कमाई होनी चाहिए थी टैक्स फ्री

टैक्स एक्सपर्ट की राय: आयकर में छूट को ऊंट के मुंह में जीरा

लगातार न्यूज नेटवर्क

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव कर दिया है. वित्त मंत्री ने स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया गया है. इसके अलावा सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम के तहत नए टैक्स स्लैब की घोषणा की है. अब तीन लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. 3 से 7 लाख तक के टैक्सेबल इनकम पर 5 प्रतिशत इनकम टैक्स देना होगा. 7 से 10 लाख का टैक्सेबल इनकम होने पर 10 फीसदी की दर से आय कर लगेगा. 10 से 12 लाख के टैक्सेबल इनकल पर 15 फीसदी की दर से आयकर लगेगा. 12 से 15 लाख के टैक्सेबल इनकम पर 20 फीसदी आयकर लगेगा. 15 लाख से ज्यादा के टैक्सेबल आय पर 30 फीसदी की दर से आयकर लगेगा. हालांकि आयकर में इस छूट को टैक्स एक्सपर्ट ऊंट के मुंह में जीरा बता रहे हैं. टैक्स एक्सपर्ट मनोज गोयल ने कहा कि ये कटौतियां ऊंट के मुंह में जीरा जैसी ही बात है. उन्होंने कहा कि इसका कुल प्रभाव देखें तो जिनकी कमाई सैलरी से न होकर अन्य स्रोतों से होती है उन्हें 10 हजार का फायदा होगा. जबकि जो नौकरीशुदा लोग हैं उन्हें 25000 स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ने की वजह से सालाना 17,500 रुपये की बचत होगी.

टैक्स मामलों के एक्सपर्ट प्रदीप झुनझुनवाला ने कहा कि आज की महंगाई में लोग जिस तरह की उम्मीदें रख रहे थे वे पूरी नहीं हुई हैं. उन्होंने कहा कि पहली स्लैब जोकि अभी 0-3 लाख है उसे 0-5 लाख करनी चाहिए थी और इसे टैक्स फ्री करनी चाहिए थी. इसी अनुपात में नीचे के टैक्स स्लैब को भी बढ़ाया जाना चाहिए था. इस हिसाब से ये ऊंट के मुंह में जीरा जैसा ही लगता है. टैक्स विशेषज्ञ झुनझुनवाला ने कहा कि अगर करमुक्त आय 3 से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया जाता तो 15 लाख से ऊपर सालाना कमाने वाले व्यक्ति को 60 हजार रुपये की बचत होती. उन्होंने कहा कि ज्यादा अहम बात जो समझने की है वो ये है कि एक तरफ तो टैक्स स्लैब बढ़ा कर उन्होंने थोड़ी सी राहत दी है, लेकिन कई बहुत सारी रियायतें छीन भी ली है. जो लोग स्टॉक मार्केट में निवेश कर रहे थे वहां अगर कोई स्टॉक को एक साल तक के लिए रखता था और उसे बेचता था तो उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन 10 फीसदी देना पड़ता था. लेकिन अब इसे बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है. जबकि शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है. प्रदीप झुनझुनवाला ने कहा कि इससे टैक्स पेयर्स को ज्यादा कुछ हासिल नहीं होने वाला है. उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से 37500 करोड़ रुपए का भार सरकार पर पड़ेगा, लेकिन सरकार इसी सिस्टम से 30 हजार करोड़ वसूल कर लेगी. एक अन्य टैक्स विशेषज्ञ पुनीत खंडेलिया के अनुसार अब न्यू टैक्स रिजीम की ओर लोगों का रुझान बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री पहले ही कह चुकी हैं कि दो तिहाई लोग न्यू टैक्स रिजीम में शिफ्ट हो चुके हैं. प्रदीप झुनझुनवाला ने भी कहा कि इस बदलाव के बावजूद जिनकी सालाना सैलरी 12 लाख से ऊपर है उनके लिए टैक्स का नया रिजीम ही फायदेमंद है. ओल्ड रिजीम में उन्हें ही फायदा है जो डिडक्शन क्लेम करते हैं और जिनकी सैलरी 10-12 लाख से नीचे है.

बजट घोषणाओं से शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव

एसटीटी बढ़ाने की घोषणा : सेंसेक्स, निफ्टी में गिरावट के साथ बंद

एजेंसी। मुंबई

वायदा एवं विकल्प सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने का मंगलवार को बजट में प्रावधान किए जाने से घरेलू शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव रहा. हालांकि, मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी आखिर में मामूली गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स एक समय 1,200 अंक से ज्यादा गोता लगा गया था. लेकिन बजट भाषण खत्म होने के बाद इसने धीरे-धीरे अपने नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली. कारोबार के अंत में यह 73.04 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 80,429.04 अंक पर बंद हुआ. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करते हुए वायदा एवं विकल्प सौदों पर लगने वाले कर एसटीटी में बढ़ोतरी और इक्विटी निवेश पर दीर्घकालिक अवधि में होने वाले पूंजीगत लाभ पर कर को बढ़ाने की घोषणा की. बजट में इन कदमों की घोषणा होते ही शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर गिरावट देखी जाने लगी. उस समय सेंसेक्स 1,277.76 अंक यानी 1.58 प्रतिशत तक टूटकर 79,224.32 अंक के निचले स्तर पर आ गया था. हालांकि, कर रियायतों और सीमा शुल्क में कटौती ने टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों और दैनिक उपभोग वाले सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों को बढ़ावा देने में मदद की, जिससे शेयर दिन के निचले स्तर से उबरने में सफल रहे. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 30.20 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 24,479.05 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 435.05 अंक यानी 1.77 प्रतिशत फिसलकर 24,074.20 पर आ गया था. सेंसेक्स के समूह में शामिल टाइटन ने छह प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई जबकि आईटीसी में पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़त रही. इनके अलावा अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और सन फार्मा के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए. दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर में सर्वाधिक गिरावट देखी गई.

साइट्रस एडवाइजर्स के संस्थापक संजय सिन्हा ने कहा, बाजार के नजरिये से अल्पावधि पूंजीगत लाभ कर (एसटीसीजी) को 20 प्रतिशत और दीर्घावधि पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को 12.5 प्रतिशत तक बढ़ाना एक बड़ा झटका है. हमें अल्पावधि में इसकी नकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए खुद को तैयार रखना होगा. मेहता इक्विटीज लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बजट घोषणाओं पर बाजार ने तगड़ी प्रतिक्रिया दी लेकिन आखिर में सूचकांक अपने नुकसान की काफी हद तक भरपाई करने में सफल रहे. व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.74 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि स्मालकैप सूचकांक 0.18 प्रतिशत घट गया. इससे पहले के तीन बजट दिवसों पर शेयर बाजार में तेजी का माहौल रहा था. वर्ष 2023 में बजट के दिन सेंसेक्स 158.18 अंक चढ़कर 59,708.08 अंक पर बंद हुआ था. उससे पहले 2022 में बजट के दिन सेंसेक्स ने 848.40 अंक और वर्ष 2021 में 2,314.84 अंक की छलांग लगाई थी.

हुनर और युवा केंद्रित बजट

लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिले ठोकर का पूरा असर नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट पर पड़ा है. यही कारण है कि बाजार को यह बजट ज्यादा रास नहीं आया है, जबकि मध्यवर्ग और गरीबों के लिए भी बजट नयी उम्मीदें पैदा कर पाने में भी कामयाब नहीं है. देश में खपत में जारी गिरावट रुकेगी, ऐसा बजट प्रावधानों से नहीं लगता. मांग की कमी को दूर करने का भी ठोस एलान नहीं है. इसके साथ ही रोजगार के स्थायी सृजन के लिए नए उद्यम खोलने की भी पहल नहीं हैं. यह स्पष्ट कर दिया गया है कि मोदी सरकार की पुरानी नीतियां जारी रहेंगी. नयी कारपारेट नीति की बात की गयी है, लेकिन उसकी दिशा क्या होगी, यह नहीं बताया गया है. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बजट उम्मीद पैदा करने में कारगर शायद ही साबित होगा. इसका एक बड़ा कारण पिछले दस सालों का वह अनुभव है, जिसमें आर्थिक सुधार के नाम पर बढ़ती असमानता का कहर है. आर्थिक सर्वेक्षण में बताया जा चुका है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था में जो 8.2 फीसद वृद्धि का दावा किया गया है, वह अधिकतर रोजगार रहित रही है. अर्थव्यवस्था में देश की आधी से अधिक 15 से 35 वर्ष के बीच विशाल युवा आबादी को रोजगार देने के मौके नगण्य हैं. इसे ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री ने बजट का फोकस रोजगार, हुनर और युवा पर केंद्रित करने का प्रयास किया है, लेकिन स्थायी रोजगार कैसे पैदा होगा, यह नहीं बताया गया है. इसके साथ ही पूर्वोदय योजना के नाम से पूरबी भारत के राज्यों के लिए सौगात देने की पहल की गयी है. इसमें झारखंड, बंगाल, बिहार के लिए विशेष योजना की बात की गयी है. इसके बावजूद आर्थिक असमानता दूर करने के नजरिए से बजट आशा का संचार नहीं कर पाया है. हालांकि यह पूरी कोशिश की गयी है कि बजट मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने वाला साबित हो, ताकि रोजगार सृजन के सपने पैदा किए जा सकें. लेकिन पूरी स्पष्टता का अभाव है. बजट में अगले पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गयी है. इसके तहत शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया हैं. मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में किसानों, श्रमिकों, निम्न मध्यवर्ग के लिए भी संभावनाएं पैदा करने की कोशिश की गयी है. निर्मला सीतारामण के इस बजट की नौ प्राथमिकताएं हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में सरकार की नौ प्राथमिकताएं हैं, जिनमें शामिल हैं खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधिसरंचना, नवाचार, शोध तथा विकास और अगली पीढ़ी के सुधार. इसके साथ ही कैंसर की तीन दवाओं को कस्टम ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है. बजट में आयकर को ले कर मध्यवर्गीय उम्मीदें पूरी नहीं होती दिख रही हैं.

> **बजट में अगले पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गयी है. इसके तहत शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया हैं.**

सुभाषित

परोपदेशे पांडित्यं सर्वेषां सुकरं नृणाम् ।
धर्मे स्वीयमनुष्ठानं कस्यचित् सुमहात्मनः ।।

दूसरों को उपदेश देकर अपना पांडित्य दिखाना बहुत सरल है. परन्तु केवल महान व्यक्ति ही उस तरह से धर्मानुसार अपना बर्ताव रख सकता है. अर्थात यदि आपमें सचमुच पांडित्य है तो आपके आचरण और व्यवहार में भी उस पांडित्य को झलकना आवश्यक है.

प्रकृति की चेतावनी : सचेत होने का वक्त

विडंबना यह है कि हम आज भी सिर्फ प्रौद्योगिकी के रास्ते जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, मगर यह काफी नहीं है. आवश्यकता है जीवन शैली में व्यापक बदलाव लाने की, जिसमें संपूर्ण मानवता को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा. विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में पर्यावरण का पाठ्यक्रम जोड़ देने से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला. जलवायु परिवर्तन एक सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है, जिसका समाधान भी इन्हीं के माध्यम से होगा.

• देश-काल

डा. प्रमोद पाठक

वर्षों से हम सुनते आ रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है. लेकिन वर्ष 2024 की लंबी और भीषण गर्मी के दौर में अब यह स्पष्ट हो गया कि जलवायु परिवर्तन हो नहीं रहा है, बल्कि हो गया और हम अभी भी इसको स्वीकार करने में कतरा रहे हैं. इस बार जो गर्मी पड़ी इसकी सामान्य भाषा में यदि चर्चा करें तो यह प्रलयंकारी थी और पूरी तरह से अप्रत्याशित रही. बल्कि गर्मी अभी भी जारी है. एक प्रकार से यह संपूर्ण मानवता को एक कड़ी चेतावनी है कि सुधरो या विनाश के लिए तैयार हो जाओ. इस बार प्रकृति ने बड़े साफ तरीके से संकेत दिया है कि अगर अभी भी नहीं बदले तो भयावह परिणाम भुगतना पड़ेगा. धरती माता सचमुच बहुत गुस्से में है और मनुष्य की कुकृतियां अब बर्दाश्त नहीं करने के मूड में है. गर्मी न सिर्फ अपेक्षाकृत काफी लंबी चल रही है, बल्कि काफी तकलीफ देह भी है, क्योंकि साथ में तेज उमस भी झेलना पड़ रहा है. विशेष रूप से भारत के अधिकांश क्षेत्र में. हमारे प्रदेश झारखंड और पास के प्रदेश बिहार एवं उत्तर प्रदेश में तो स्थिति और भी पीड़ा दायक रही. झारखंड का जहां तक सवाल है तो यहां तो बिजली की समस्या गर्मी के कष्ट को और भी बढ़ा देती है. वैसे तो इस बार की गर्मी एक वैश्विक परिघटना है और यूरोप एवं अमेरिका जैसे ठंडे मौसम वाले देशों में भी पिछले कुछ वर्षों में तापमान का पारा 38 से 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक चला गया है. और यह बढ़ रहा है.यह बड़ा ही स्पष्ट संदेश है प्रकृति का कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के हमारे अब तक के प्रयास बहुत कारगर नहीं साबित हुए हैं और शायद इस पर गंभीर और ईमानदार प्रयास करने की आवश्यकता है.

जलवायु परिवर्तन कोई एक दिन में नहीं हुआ. यह तो मानवीय भूलों की एक लंबी श्रृंखला का परिणाम है और हम निश्चिंत थे कि हमारी हरकतों के कुप्रभाव से धरती पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किंतु हम यह भूल गए कि प्रकृति का एक बड़ा ही शाश्वत नियम है कि कर्मों का फल तो भुगतना ही पड़ता है. यह सब हमारे ही दुष्कर्मों का परिणाम है.पर्यावरण की समस्या पर पहली बार सन 1972 में दुनिया के राष्ट्राध्यक्षों ने स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मंथन शुरू किया था जिसमें भारत की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रतिनिधित्व किया था. उस विचार मंथन के फलस्वरूप विश्व पर्यावरण दिवस मनाना शुरू किया गया, ताकि पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत की जा सके. मगर पांच दशकों से ज्यादा अर्सा बीत जाने के बाद भी धरातल पर परिस्थितियां कुछ खास नहीं बदली हैं, बल्कि थोड़ा बहुत बिगड़ ही गई हैं. इसका मुख्य कारण यह है कि हमने पर्यावरण की समस्या को दूर करने में आम जन को जोड़ने की कोशिश नहीं की. जबकि पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिए सबसे अधिक भागीदारी आम आदमी की होनी चाहिए. पर्यावरण प्रदूषण से होने वाला जलवायु परिवर्तन अब खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है और इसे रोकने के लिए एक-एक मनुष्य को अपनी जिम्मेवारी निभानी होगी. छोटी-छोटी कोशिशों से हम बड़े-बड़े परिणाम प्राप्त कर सकते हैं. विडंबना यह है कि हम आज भी सिर्फ प्रौद्योगिकी के रास्ते जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, मगर यह काफी नहीं है. आवश्यकता है जीवन शैली में व्यापक बदलाव लाने की, जिसमें संपूर्ण मानवता को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा. विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में पर्यावरण का पाठ्यक्रम जोड़ देने से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला. जलवायु परिवर्तन एक सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है, जिसका समाधान भी इन्हीं के माध्यम से होगा. अपने अहं की तुष्टि और लोभ के प्रभाव के चलते हमने पर्यावरण को नष्ट कर धरती को विनाश की ओर धकेल दिया है. किंतु हम यह भूल गए की विनाश धरती का नहीं हमारा होगा. ओजोन छिद्र और अम्लीय बारिश अब छोटी समस्याएं रह गई हंच और पर्यावरण प्रदूषण ने बहुआयामी स्वरूप अपना लिया है और हमें पर्यावरण की समस्या को समझने के लिए व्यापक एवं विहंगम दृष्टि की आवश्यकता होगी. यह समस्या अब प्राकृतिक अस्थिरता का कारण बन रही है. जंगल की आग से लेकर सुनामी, भूकंप, महामारी सभी में कहीं ना कहीं पर्यावरण की भूमिका है. विकास के नाम पर हमने प्राकृतिक संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. नतीजा हम देख रहे हैं. धार्मिक ग्रंथों में प्रलय, कयामत या फैसले की घड़ी का जो संदर्भ है, वह इसी प्राकृतिक असंतुलन को प्रलय का कारण मानता है और यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मनुष्य के पाप का ही परिणाम प्रलय होता है. यह अवधारणा सभी धर्मों की मान्यता है. आज की परिस्थिति में यदि सच कहा जाए तो पानी सर से ऊंचा हो चला है और त्वरित एवं बृहद प्रयास की जरूरत है. जो मूल बात समझने वाली है वह बड़ी साफ है कि समाधान प्रौद्योगिकी से निकलने वाला नहीं. समाधान मनोविज्ञान से निकलेगा. आदमी की सोच बदलनी होगी. उपभोग की मानसिकता बदलकर संरक्षण की मनोदशा पर काम करना होगा. संसाधनों का दुरुपयोग न कर उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है. जल, जंगल और जमीन तीनों का संरक्षण करना होगा. टेक्नोलॉजी बदलना काफी नहीं है. संसाधनों की बर्बादी रोकने की आवश्यकता है. अहं और लोभ पर नियंत्रण करना होगा. अगर अब भी नहीं चेते तो विनाश अवश्यंभावी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

माया महाठगनी

माया की महिमा वेदों, पुराणों, श्रुतियों, शास्त्रों में सविस्तार गायी गयी है और संसारियों को चेतावनी दी जाती रही है, लेकिन सच तो यह है कि संसार में कोई भी व्यक्ति माया के जाल से स्वयं को बचा नहीं सकता. संत कबीर दास ने तो यहां तक कहा दिया है-माया महाठगनी हम जानी. माया के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों स्वरूप हैं. सकारात्मक स्वरूप में माया सृष्टि और पालन करती है और नकारात्मक स्वरूप में संहार. माया के दलदल से निकलने की जितनी भी कोशिश की जाती है, मनुष्य नीचे और नीचे धंसता चला जाता है. चिंतकों और मनीषियों के अनुसार मोह वश मन, वचन, काया की कुटिलता द्वारा प्रवंचना अर्थात् कपट, धूर्तता, धोखा व ठगी रूप मन के परिणामों को माया कहते हैं. माया व्यक्ति का वह प्रस्तुतीकरण है, जिसमें व्यक्ति तथ्यों को छद्म प्रकार से रखता है. कुटिलता, प्रवंचना, चालाकी, चापलूसी, वक्रता, छल कपट आदि माया के ही रूप है. साधारण बोलचाल में हम इसे बे-ईमानी कहते हैं. अपने विचार अपनी वाणी अपने वर्तन के प्रति ईमानदार न रहना माया है. माया का अर्थ प्रचलित धन सम्पत्ति नहीं है, धन सम्पत्ति को यह उपमा धन में माने जाते छद्म, झूठे सुख के कारण मिली है. माया वश व्यक्ति सत्य का भी प्रस्तुतीकरण इस प्रकार करता है, जिससे उसका स्वार्थ सिद्ध हो. माया ऐसा कपट है, जो सर्वप्रथम ईमान अथवा निष्ठा को काट देता है. मायावी व्यक्ति कितना भी सत्य समर्थक रहे या सत्य ही प्रस्तुत करे अंततः अविश्वसनीय ही रहता है. तथ्यों को तोडना मरोडना, झासा देकर विश्वसनीय निरूपित करना, कपट है. वह भी माया है, जिसमें लाभ दर्शा कर दूसरों के लिए हानि का मार्ग प्रशस्त किया जाता है. दूसरों को भरोसे में रखकर जिम्मेदारी से मुख मोडना भी माया है. हमारे व्यक्तित्व की नैतिक निष्ठा को समाप्त प्रायः करने वाला दुर्गुण 'माया' ही है.. वक्रता प्रेम और विश्वास की घातक है. कपट, बे-ईमानी, अर्थात् माया, शील और चरित्र (व्यक्तित्व) का नाश कर देती है. माया करके हमें प्रतीत होता है कि हमने बौद्धिक चातुर्य का प्रदर्शन कर लिया. सौ में से नब्बे बार व्यक्ति मात्र समझदार दिखने के लिए, बेमतलब मायाचार करता है. किंतु इस चातुर्य के खेल में हमारा व्यक्तित्व संदिग्ध बन जाता है. माया एक तरह से बुद्धि को लगा कुटिलता का नशा है. कपट, अविद्या (अज्ञान) का जनक है. और अपयश का घर. माया हृदय में गडा हुआ वह शल्य है जो निष्ठावान बनने नहीं देता. माया को आर्जव अर्थात् ऋजुता (सरल भाव) से जीता जा सकता है.

आरक्षण की आग में क्यों जल रहा बंगलादेश

• देशांतर

पुष्परंजन

ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलते ही एक सूचना सामने आ जाती है, 'सारे वीज़ा अप्लीकेंट नोट कर लें, आज 18 जुलाई को हमारा 'आईवीएसी सेंटर' बंद है.' गुरुवार को सारे दूतावास और वाणिज्यदूत कार्यालय बंद ही रहे. इन देशों ने अपने नागरिकों को सावधान रहने, और फ़िलहाल बांग्लादेश नहीं आने की सलाह दे रखी है. 18 जुलाई को देशव्यापी बंद काफी हिंसक रहा है. ढाका उत्तर में पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई है. मीरपुर में एक छात्र और आवामी लीग का एक कार्यकर्ता मारा गया. देशव्यापी हिंसा में जिस पैमाने पर लोग घायल हुए हैं, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. बांग्लादेश टेलीविज़न सेंटर को आग के हवाले कर दिया गया. छात्रों के दो समूहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा उदाहरण है.पूरे देश में रेल और सड़क परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था. कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था. देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी. फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई. काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है. कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं. सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है.18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है. स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) को चार जिलों ढाका, बोगरा, राजशाही और चटगांव में तैनात किया गया था. चटगांव, राजशाही, रंगपुर, बोगरा, मैमनसिंह समेत कई जगहों पर बड़े पैमाने पर झड़पें हुई हैं. चटगांव के शोलशहर और मुरादपुर में संस्कार, छात्र लीग और जुबो लीग के बीच हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई. हिंसक प्रदर्शनों की चपेट में केवल छात्र ही नहीं, राहगीर और कारोबारी भी आ रहे हैं.'छात्र लीग', सत्तारूढ़ आवामी लीग की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना 4 जनवरी, 1948 को शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी, तब उसका नाम, 'ईस्ट पाकिस्तान स्टूडेंट लीग' था. उसे काउंटर करने के वास्ते 'बांग्लादेश जातीयताबादी छात्र दल' (जेसीडी) सड़कों पर दिखता है, जिसकी स्थापना, 1 जनवरी 1979 को बीएनपी के तत्कालीन नेता जनरल ज़ियाउर्रहमान ने की थी. जमाते इस्लामी की छात्र शाखा, 'बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर' समय-समय पर इनके साथ खड़ी दिखती है. छात्र आंदोलनकारियों के बहाने क्या खालिदा जिया की बीएनपी को अपना खोया जनाधार मिलेगा? विश्लेषक इसका उत्तर ढूंढ़ रहे हैं.बांग्लादेश के क़ानून मंत्री अनिसुल हक़ बोलते हैं, 'विपक्षी जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र विंग के सदस्य, आरक्षण विरोधी आंदोलन में कूद गए हैं. ये यही लोग हैं जिन्होंने हिंसा की शुरुआत की है. कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी है. छात्रों को भी मौक़ा दिया गया है कि वो कोर्ट के सामने अपनी दलील रख सकें.' सवाल यह है कि जब देशव्यापी आग लगी हो, तो सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर तत्काल सुनवाई क्यों नहीं कर सकती ?छात्र आंदोलन की आग में घी का काम शेख़ हसीना के हालिया बयान ने भी किया है. शेख़ हसीना ने आरक्षण का विरोध करने वालों के लिए 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल किया था. 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल कथित तौर पर उन लोगों के लिए क्या जाता है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था. कई छात्र नेताओं का कहना है कि शेख़ हसीना ने 'रजाकार' से तुलना कर हमारा अपमान किया है.बांग्लादेश में आरक्षण की व्यवस्था मुक्ति संग्राम के बाद शुरू हुई. 5 सितंबर, 1972 को एक सरकारी आदेश में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति में 20 प्रतिशत योग्यता कोटा, 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा, और 10 प्रतिशत पीड़ित महिला कोटा की शुरुआत की गई. शेष 40 प्रतिशत जिला कोटा रखा गया. 1976 में योग्यता के आधार पर भर्ती को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया. 1985 में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी पदों के लिए 45 प्रतिशत योग्यता आधारित भर्ती नियम लागू किया गया, शेष 55 प्रतिशत कोटे से नियुक्त किये जाते हैं. बाद में दिव्यांगों के लिए 1 फीसदी जोड़ने पर कुल कोटा 56 फीसदी हो जाता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> **कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं. सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है.18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है.**

नशे के कारोबार को खत्म करना जरूरी

• विमर्श

मधुरेन्द्र

पिछले कई वर्षों से नशे के कारोबार के खात्मे के लिये तमाम तरह के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन अब इसमें तेजी लाकर सरकार कई नए कदम भी उठा रही है. रणनीतिकारों की चिंता है कि कहीं भारत भी दक्षिणी अमेरिका के देशों की तरह नशे के कारोबार में न फंस जाये. उन देशों में युवा वर्ग इस खतरनाक कारोबार में बड़े पैमाने पर फंस गया है और अपने जीवन का नाश कर रहा है. ड्रग्स के धंधे पर कब्जा करने के लिए उन देशों में बड़ी हिंसा हो रही है और निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं. उनकी अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई हैं और भविष्य अंधकारमय है.इन्हीं चिंताओं के बीच इस कारोबार के खात्मे के लिए लक्ष्य भी रखा है कि 2047 तक देश में नशे के कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाये, ताकि देश नशे के कुचक्र से मुक्त हो जाये. गृह मंत्रालय की एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा लगातार ड्रग्स को जब्त कर उसे नष्ट किया जा रहा है. इसकी सफलता का अंदाजा इन आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि 2014 से 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये के बराबर 10 लाख 18 हजार किलोग्राम से भी ज्यादा ड्रग जब्त कर नष्ट कर दिए गये. इसके विपरीत 2006 से 2013 में कुल जब्ती डेढ़ लाख किलो की हुई थी, जिसकी कुल कीमत 768 करोड़ रुपये थी. दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया. ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं. इनसे सीख लेकर ही भारत में नशे के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं. इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है. जिन देशों से ड्रग की स्मगलिंग भारत में होती है, उन पर खास ध्यान दिया जा रहा है. इनमें गोल्डन ट्रिएंगल और गोल्डन क्रीसेंट के देश मसलन उत्तर में अफगानिस्तान, पूर्व में म्यांमार हैं. गृहमंत्रालय का मानना है कि भले ही दुनिया के लिए ये गोल्डन क्रीसेंट और गोल्डन ट्रिएंगल हैं लेकिन हमारे लिए और युवाओं के लिए ये डेथ ट्रिएंगल और डेश क्रीसेंट हैं. इन देशों से होने वाले ड्रग के कारोबार को रोकने के लिए दुनिया अपना नजरिया बदले. दरअसल, नशीले पदार्थों की तस्करी को जड़ से मिटाने के लिए जीरों टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है, जिसके लिए त्रिसूत्रीय रणनीति तैयार की गई है. इसमें पहला है संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ बनाकर जवाबदेही सुनिश्चित करना. दूसरा है नार्को संस्थाओं के साथ समन्वय पर जोर देना. तीसरा है जागरूकता अभियानों के माध्यम से देशव्यापी प्रयास करना. इसके अलावा देश के तमाम राज्यों में लगातार एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन भी किया जा रहा है. इसके लिए सभी राज्यों से राजनीतिक मतभेदों को एकतरफ रख मादक पदार्थ के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील भी की गई है, ताकि नशीले पदार्थ का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर रुख अपनाया जा सके. निस्संदेह, देश अभी उस मोड़ पर है जब देश में नशे के खिलाफ लड़ाई को लड़कर जीता जा सकता है. जो लोग ड्रग्स का सेवन करते हैं, वे पीड़ित हैं और जो उन्हें बेचते हैं वो अपराधी हैं. इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.पिछले कुछ वर्षों में ड्रग तस्करी के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिसके काफी अच्छे परिणाम मिले हैं. राष्ट्रीय नॉरकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और एएनटीएफ देश की दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय कायम कर युद्ध स्तर पर कई काम कर रही हैं. अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर चोट करने के लिए एनआईए, प्रवर्तन निदेशालय, जांच के लिए सीबीआई, समुद्र से तस्करी रोकने के लिए कोस्ट गार्ड और नौसेना से संयुक्त समन्वय समिति के जरिये काम किया जा रहा है. इन बहुआयामी प्रयासों के कारण जब्त किए गए नशीले पदार्थों की मात्रा में लगभग 160 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसका कारोबार करने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों में 152 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2006 से 2013 की अवधि के दौरान दर्ज मामलों की संख्या 1257 थी, जो 2014 से 2023 के दौरान 3 गुना बढ़कर लगभग 3755 हो गई है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> **दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया. ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं. इनसे सीख लेकर ही भारत में नशे के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं. इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है.**

मीडिया में अन्यत्र

विकसित भारत के लिए टिकाऊ विकास की राह

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन और वित्त मंत्रालय की उनकी टीम द्वारा तैयार आर्थिक समीक्षा से एक स्पष्ट संकेत नजर आता है. वह यह कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी से मजबूती से उबर चुकी है, लेकिन विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए टिकाऊ वृद्धि के लिए निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी तथा कई उभरती आर्थिक और नीतिगत चुनौतियों का सामना करना होगा. महामारी के बाद भारत ने उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल की है और इस दौरान उसे वित्तीय स्थिरता के साथ भी समझौता नहीं करना पड़ा. वृद्धि के नजरिये से देखें तो 2023-24 में देश का सकल घरेलू उत्पाद, कोविड के पहले वाले वर्ष यानी 2019-20 की तुलना में 20 फीसदी अधिक था. इसका अर्थ यह हुआ कि हमने 2019-20 से 2023-24 तक 4.6 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि हासिल की.समीक्षा में कहा गया है कि देश का मौजूदा सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में महामारी के पहले के स्तर के करीब था. यह भी अनुमान जताया गया है कि देश की अर्थव्यवस्था चालू वर्ष में 6.5 से 7 फीसदी की दर से विकसित होगी. यह दर रिजर्व बैंक के 7.2 फीसदी के अनुमान से कम है. राजकोषीय स्थिति में भी महामारी के समय से अब तक काफी सुधार हुआ है. केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जो पिछले वर्ष सकल घरेलू उत्पाद के 6.4 फीसदी था, वह वित्त वर्ष 24 में कम होकर 5.6 फीसदी रह गया. कर संग्रह में वृद्धि तथा रिजर्व बैंक की ओर से अनुमान से अधिक स्थानांतरण जहां चालू वर्ष की राजकोषीय स्थिति में राहत प्रदान करेगा, वहीं बढ़ा हुआ सरकारी कर्ज चिंता का विषय है तथा उस पर नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता है. महामारी के बाद की अवधि में वृद्धि सरकार के पूंजीगत व्यय से अधिक संचालित रही है. वित्त वर्ष 24 में सरकार का पूंजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में 28.2 फीसदी बढ़ा और वह वित्त वर्ष 20 में दर्ज स्तर का करीब तीन गुना रहा. बहरहाल समीक्षा में इस बात को उचित ही रेखांकित किया गया है कि अब सरकार के बाद इसे आगे बढ़ाने का काम निजी क्षेत्र का है. निजी क्षेत्र के निवेश में सुधार के आरंभिक संकेत नजर आ रहे हैं, लेकिन इस रुझान को बरकरार रखना होगा. जैसा कि समीक्षा में कहा गया है, भविष्य की वृद्धि कई कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें भू-राजनीतिक विभाजन और विभिन्न देशों के बीच बढ़ता अविश्वास शामिल है. उदाहरण के लिए 2023 में करीब 3,000 व्यापार प्रतिबंध लागू किए गए. इसके अलावा नीतिगत योजना में उभरती तकनीकों को शामिल करने का भी वृद्धि और विकास पर असर होगा. बहरहाल यह ध्यान देने वाली बात है कि इनमें से कुछ मुद्दे ज्ञात हैं, लेकिन दिक्कत यह है कि भारत उन्हें भलीभांति नहीं हल कर सका. इस बात ने समय के साथ वृद्धि और विकास संबंधी नतीजों को प्रभावित किया.

(बिजिनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नित/नित्य/नीति

कुछ लोग कहते हैं वह यहां नित आया करता है. वहीं कुछ लोगों का कहना है वह यहां नित्य आया करता है. इनमें से कौन सही हैं और कौन गलत? पहले वाक्य में जिस नित शब्द का प्रयोग हुआ है, संस्कृत का तत्सम क्रिया विशेषण है. इसलिए आप नित्य कहें या नित, दोनों सही हैं. कुछ स्थानों पर नित शब्द का प्रयोग निमित्त, छिपाया हुआ, अस्वीकृत किया हुआ के रूप में भी होता है. वैसे हिंदी शब्दसागर के अनुसार नित शब्द का अर्थ है प्रतिदिन, रोज, हमेशा, सदा, सर्वदा. नित नया यानी हर दिन नया रहनेवाला, कभी पुराना नहीं पड़नेवाला, सदा ताजा रहनेवाला. नित्य संस्कृत का विशेषण है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका अर्थ है वह जिसकी न तो उत्पत्ति हुई और न ही उसका कभी विनाश होनेवाला है, सदा बना रहनेवाला, अविनाशी, अनश्वर, अखंड और बहुप्रचलित अर्थ प्रतिदिन किया जानेवाला अव्यय के रूप में इसका अर्थ नित की भांति ही सदा, हमेशा, हर रोज है. इससे बने कई शब्द प्रचलित हैं. जैसे नित्य कर्म यानी प्रतिदिन किया जानेवाला कार्य, दैनिक कार्य. नित्यचर्या यानी प्रतिदिन का आचरण या प्रतिदिन नियमित रूप से किया जानेवाला काम, रूटीन. नित्यप्रति यानी हर रोज. मानव जीवन में नीति का महत्वपूर्ण स्थान है. वह नीति ही है, जो एक मनुष्य की मनुष्यता को अजर-अमर बनाती है. उसे सही राह दिखाती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार नीति तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका अर्थ है उचित या ठीक रास्ते पर ले जाने या ले चलने की क्रिया या ढंग, नीतिशास्त्र, व्यवहार, बर्ताव का ढंग, राष्ट्र या समाज की उन्नति या हित के लिए निश्चित आचार-व्यवहार, सदाचार के नियम तथा रीतियां, अच्छा चालचलन, राज्य या शासन की रक्षा तथा व्यवस्था के लिए तय किये गये नियम तथा सिद्धांत, राजनीति, अपना उद्देश्य पूरा करने के लिए किया जानेवाला आचरण, चतुराई भरी चाल, किसी कार्य को संपन्न करने का ढंग या विधि, हिम्मत, तरकीब, युक्ति, उपाय, योजना.

जिन ढूंढा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

कहावत तो यही है, लेकिन एक बड़ी मुश्किल यह है पानी की गहराई तक पहुंचा कैसे जाए ? गहरे पानी में आदमी डूब सकता है, किसी तेज़ लहर के साथ बह सकता है. उसकी जान को बड़ा खतरा है. कुछ भी हो सकता है. कहने वाले ने तो कह दिया. वह तो भुगतने के लिए अब है नहीं. अब तुम भुगतो. किसी भी चीज़ की, बात की, चाल की, सांस की गहराई समझना क्या कोई हंसी खेल है? चीज़ सतह पर मामूली सी लगती है लेकिन उसे यदि गहराई से देखा जाए तो वह असाधारण हो सकती है; बात जाहिरा तौर पर उथली लगती है, लेकिन उसका अर्थ बड़ा गहरा हो सकता है; लोग गहरी सासें भरते हैं – अब कौन जाने कितनी गहरी वे होती है; और हां, चाल भी तो गहरी हो सकती है, तेज़ रफ़्तार- चतुराई से भरी. एक दम कौन समझ सकता है इस गहराई को ? 'गहरे पानी पैठ' - गहरे पैठ पाना कोई आसान काम नहीं है. गंगा-जमुनी तहजीब के शहर इलाहाबाद में सावन का महीना वैसे तो शिव की उपासना के लिए मुक़र्रर कर दिया गया है लेकिन यह कौमी एकता का सन्देश भी लाता है. और इस कौमी एकता का दर्शन-दिग्दर्शन इक्कों में जुते घोड़ों की दौड़ की प्रतियोगिता कराती है, जिसे 'गहरेबाजी' कहा गया है. सावन के चारों सोमवार गहरेबाजी के लिए मशहूर हैं. एक निर्धारित समय पर इच्छुक घोड़ेवान अपने अपने घोड़ों को इक्के में सजा कर प्रतियोगिता के लिए सड़क पर ले आते हैं. और शुरू हो जाती है उनकी दौड़ की प्रतियोगिता. इस प्रतियोगिता में घोड़ा हिन्दू का है या मुसलमान का, इसपर ध्यान नहीं दिया जाता. गहरेबाजी में हिन्दू और मुसलमान सब एक हो जाते हैं. कहा जाता है कि भारत में स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों में जब अंगरेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई, उसी दौर में हिन्दू और मुस्लिम का भेदभाव छोड़ कर घोड़ागाडियों के मालिक एक जुट हुए और उन्होंने गहरेबाजी की प्रतियोगिता शुरू की. तब से यह प्रतियोगिता कौमी एकता की मिसाल बनी हुई है. सड़कें तो आप जानते ही हैं, कैसी हैं. जैसी तब थीं वैसी ही अब हैं. बल्कि बढ़ते भ्रष्टाचार के चलते और भी भ्रष्ट हो गईं हैं. ऐसी ही सडकों पर गहरेबाजी संपन्न होती है. सड़क कहीं उखड गयी है तो कहीं उसमे गड्ढे हैं. बहरहाल ऐसी ही सडकों पर घुड़-दौड़ होती है. इससे यह साधारण दौड़ न रहकर बाधा-दौड़ हो जाती है. इसे बाधा दौड करने के लिए सडकों को तो धन्यवाद देना ही चाहिए साथ ही बेतरतीब ट्रैफिक और प्रशासनिक अनदेखी आदि कारकों का भी कम शुक्रगुजार नहीं होना चाहिए. इन दिनों रांची की अच्छी भली सड़कों की जो सद्गति नीचे पाइप बिछानेवालों ने कर रखी है, उसमें गहराई है. चिंतन की गहराई, योजना की गहराई. सड़कों पर गहरे गड्ढे में पानी भरे हैं. उनमें गहरे पैठ कर सरकार और प्रशासन की गहराई का अनुमान किया जा सकता है.

Her Story

चटखारा

कुछ मीठा हो जाए

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

मिठास की ललक कभी-कभी हो ही जाती है. ऐसे में बर्फी, खीर,लड्डु जैसे पारंपरिक मीठा खाएं, या फिर वाफेल, केक, पेस्ट्री... पंसद आपकी है. कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद लेकर आई हैं आज ऐसे ही कुछ व्यंजन...

पके आम की मिठाई

ये चाहिए

पका हुआ मीठा आम 2 (गूदा निकाला हुआ) छेना या पनीर 200 ग्राम, चीनी एक कप या स्वाद अनुसार, मिल्क पाउडर 100 ग्राम, दूध एक कप, ताजा दही एक टेबल स्पून, इलायची पाउडर 1 टी स्पून, नारियल बुरादा 4 टी स्पून.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले पके हुए आम को छेना और चीनी के साथ मिक्सर के जार में बिल्कुल महीन पीस लें. इसमें पानी जरा भी ना डालें. अब एक मोटे तले के पैन में दूध डालें और उसमें मिल्क पाउडर डालकर धीमे-धीमे चला लें ताकि लम्स बिल्कुल ना रहे. अब इसे गैस पर चढ़ा दें. गैस का आंच मीडियम रखें और इसे लगातार चलाते रहें फिर इसमें आम, छेना और चीनी का पल्प मिला दें. इसे लगातार चलाते रहें. तीन-चार मिनट के बाद इसमें दही डाल दें और इलायची पाउडर भी डाल दें. थोड़ी देर में यह मिक्सर पैन में सिमट सिमट कर बीच में आने लगेगा और सूखा सूखा लगने लगेगा. इसे बहुत ज्यादा नहीं सुखाना है लेकिन जब यह पूरा पैन छोड़ दे तब गैस को हमें ऑफ कर देना है. 10 से 12 मिनट में यह पूरी मिठाई बनकर तैयार हो जाती है. अब जब यह ठंडा हो जाए तब इसके गोल-गोल लड्डू बनाएं और नारियल बुरादा में कोट करके सर्व करें. यह लड्डू बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं.

वाफेल्स

ये चाहिए

मैदा एक कप, दूध एक कप, चीनी वन फोर्थ कप (पिसी हुई), शुद्ध घी या बटर 2 टेबल स्पून, खाने वाला सोडा दो चुटकी, बेकिंग पाउडर आधा टीस्पून वेनिला एसेंस 1 टी स्पून, ऊपर से सजाने के लिए चॉकलेट सॉस.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले मैदा चीनी और दूध को एक साथ मिक्स कर लें. उसके बाद इसमें घी या बटर खाने वाला सोडा और बेकिंग पाउडर मिला लें. इसे सिर्फ मिक्स करना है बहुत ज्यादा फेंटना नहीं है. इसके बाद वेफल मेकर को प्री हीट करें. 2 मिनट. उसके बाद उसे ब्रश से ग्रीस करें और तैयार बैटर को एक चम्मच के मदद से बीच में एक जगह डालें यह अपने आप धीरे-धीरे पूरे वाफेल मेकर में फैल जाएगा. उसके बाद इसे सेट होने के लिए आधा मिनट छोड़ दें तट पश्चात वेफल मेकर का ढक्कन बंद कर दें जब इसकी बत्ती बंद हो जाएगी तब इसे खोलकर देखें. अगर आपको और ज्यादा क्रिस्प चाहिए होगा तो इसे एक दो मिनट और पका लें और नहीं तो उतने पर ही इसे निकाल दें. (इसे बनने में 7 से 8 मिनट का समय लगता है) वेफल मेकर से इसे निकालने के बाद इसे वायर स्टैंड पर रखें ताकि जो स्टीम निकले वह इसे सॉगी ना बना दें. जब यह ठंडा हो जाए तब इस पर मनपसंद चॉकलेट सॉस अथवा वनीला आइसक्रीम डालकर सर्व करे. यह बच्चों को बहुत पसंद है.1 कप मैदा से पूरे 8 वाफेल्स बनकर तैयार हो जाते हैं.

मास्टर बेडरूम

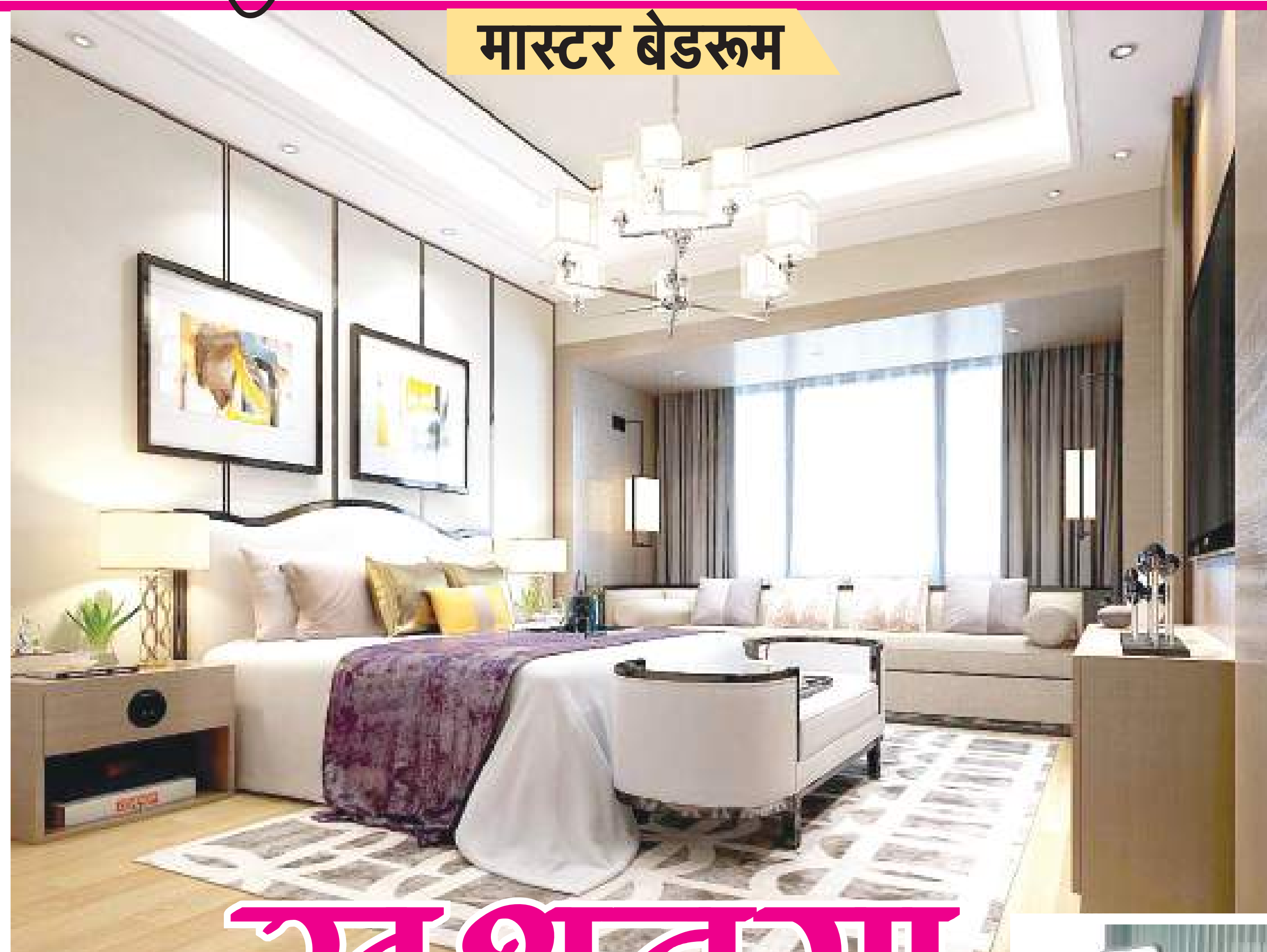

खुशनुमा अहसासों का ठौर

अमित कुमार पांडेय
(इंटीरियर डिजाइनर)

किसी घर या अपार्टमेंट में मुख्य शयन कक्ष यानी मास्टर बेडरूम आमतौर पर अन्य बेडरुम से बड़ा होता है. इसमें आमतौर पर घर का मुखिया या उसके सदस्य रहते हैं. मास्टर बेडरुम निजी जरूरतों को पूरा करने वाला तो होना ही चाहिए, घर के मुख्य सदस्य का शयनकक्ष होने के नाते ऐसा होना चाहिए जिसमें अन्य सदस्यों की भी मौजूदगी के लिए, साथ में एक खूबसूरत समय गुजारने के लिए भी सुविधा-सहूलियत हो. इंटीरियर डिजाइन अमित पांडेय बता रहे हैं कि कैसा हो किसी घर/अपार्टमेंट का मास्टर बेडरुम...

बड़प्पन यहां भी

मास्टर बेडरूम का साइज अन्य बेडरूम के साइज से बड़े होना चाहिए. इसके बेड का साइज भी बड़ा हो. मास्टर बेडरूम के बेड का साइज 7 फीट बाय 7 फीट का होना चाहिए. अगर पॉसिबल हो तो बेड के अंदर से एक और बेड निकालने की सुविधा हो जिसे स्लाइडिंग बेड बोलते हैं. इससे कभी बच्चे, पोते या पोती या अन्य निकट संबंधी साथ में सोना चाहे तो सो सके.

बैठने की जगह

ऐसे तो बैठने की जगह लिविंग रुम में होती है, लेकिन मास्टर बेडरूम में भी इतनी जगह होनी चाहिए कि उसमें 2 सीटर सोफा और दो मूवेबल चेयर भी आ जाए. जगह हो तो साथ में एक कॉफी टेबल भी. अपने बेडरूम को रॉयल्टी का टच देने के लिए विंग चेयर का विकल्प चुन सकते हैं.

कंफर्ट का यह कोना

कभी अपने घर का फैमिली मेंबर बच्चे बहू या पोते पोती है तो उनका खेलना बैठने की जगह हो. चाहें तो एक कोने में लोअर सिटिंग व्यस्था रख सकते हैं जहां बच्चों के साथ खेलना या पंसद की किताबें पढ़ना या फिर संगीत का लुत्फ उठाना बेहतर अनुभव हो.

एक छोटा सा स्टडी टेबल भी

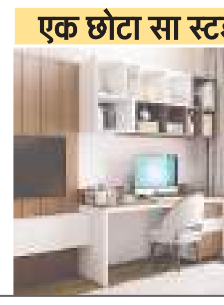

मास्टर बेडरूम में अगर संभव हो तो एक स्टडी टेबल भी जरूर सेट करें. कभी कुछ पढ़ने-लिखने के लिए यह जगह मुफीद रहेगी.

वार्डरोब हो ऐसा

वार्डरोब को काफी सलीके से प्ले करना होता है. यह सुविधाजनक तो हो ही, एक सेलिब्रेटी का अहसास दिलाने वाला भी हो. बेडरूम में एक हिस्सा वॉक-इन वॉर्डरोब का हो जिसमें अपने कपड़े, जूते और अन्य सामान व्यवस्थित और दृश्यमान तरीके से रख पाएंगे. सरल शब्दों में कहें तो आप आसानी से अलमारी में जाकर सामान को देख पाएंगे.

साज-संवार के लिए

मास्टर बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल की खास अहमियत है. इन दिनों के ट्रेंड के अनुसार बड़े साइज की मूवेबल मिरर मास्ट बेडरूम में लगाए जा रहे हैं जिसमें श्रीमती जी अपनी सुविधा के अनुसार बेड पर या सोफा पर या चेयर पर बैठकर सजे और संवेरे.

खुला-खुला सा अहसास

मास्टर बेडरूम की खिड़की थोड़ी बड़ी होनी चाहिए जिससे धूप और हवा अच्छी तरह से घर में प्रवेश करें क्रॉस वेंटिलेशन अगर हो पाए तो बहुत ही अच्छा होगा. इन दिनों मास्टर बेडरूम की बालकोनी से सटे दरवाजे स्लाइडिंग और शीशे के बनाए जा रहे हैं जिसे जरुरत पड़ने पर ओपेन करने से खुला-खुला सा अहसास होता है और बालकोनी व बाहर की हरियाली खूबसूरत नजारे सुलभ कराती है.

खूबसूरत समय अपनों के संग

मास्टर बेडरूम का टीवी ऐसा प्लान होना चाहिए कभी भी मूवी या क्रिकेट पूरी फैमिली बैठ कर देख सके. अगर म्यूजिक का शौक हो तो स्पीकर या रेडियो के लिए भी जगह सुनिश्चित करें.

लैंप

बेड के दोनों साइड टेबल के फ्लोर लैंप का बंदोबस्त करें जिससे कभी बेड पर लेटे-बैठे कुछ पढ़ने का जी करे तो आराम से किया जा सके. आर्ट वर्क को हाइलाइट करने वाले कुछ डेकोर लैंप भी लगवाएं.

वॉलपेपर, फोटो फ्रेम

आप मास्टर बेडरूम की दीवारों पर वॉलपेपर लगा सकते हैं. दीवार कला के लिए फूलों और धारियों जैसे विविध डिज़ाइन उपलब्ध हैं जो कमरे को एक माहौल देंगे. ये दीवार और कमरे की सजावट से मेल खाते हों. फीके और गहरे रंगों से बचें. इसके बजाय, आंखों को सुकून देने वाले पेस्टल और हल्के शेड वाले रंगों का चुनाव करें. पर्सनल टच देने के लिए फोटो फ्रेम में खुशनुमा पलों को समेट कर लगाएं.

रसोई के बर्तन

किसमें पकाएं किसमें बनाएं

पुराने जमाने में सोना-चांदी के बर्तनों में राजा-महराजों के खाने बनाए और परोसे जाते थे. आयुर्वेद की माने तो सोना एक गर्म धातु है. इससे बने बर्तनों में खाना खाने से हमारा शरीर अंदर और बाहर से मजबूत और बलवान बनता है. यह आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है. वहीं चांदी ठंडी धातु मानी जाती है, शरीर को शांत रखती है और पित्त दोष, कफ और वायु दोष को नियंत्रित करती है. हालांकि सोने और चांदी के बर्तन खरीदना आज हर किसी के बस की बात नहीं. खाना बनाने के लिए इन दिनों कई तरह के बरतन उपयोग में लिए जाते हैं. हर बर्तन की अपनी खासियत और अपनी कमियां हैं. आइए इन बर्तनों की चर्चा करें-

कांसे के बर्तन

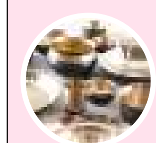

सोने-चांदी के बर्तनों के बाद सबसे अच्छे बर्तन कांसे के माने जाते हैं. इन बर्तनों में पकने पर खाने के पोषक तत्व 97% तक बरकरार रहते हैं. इन बर्तनों में खाना पकाने और खाने से खून साफ होता है. हालांकि खट्टी चीज इन बर्तनों में पकाने और परोसने से बचना चाहिए.

पीतल के बर्तन

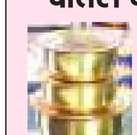

पीतल के बर्तन भी बेहतर माने जाते हैं. यह भी 94% तक पोषक तत्व बरकरार रखते हैं. इन बर्तनों में खाना पकाने से पेट में कीड़े की समस्या कम रहती है. कफ और वायु दोष भी नहीं होता है. इन बर्तनों में ज्यादा एसिडिक चीज पकाने से बचना चाहिए.

लोहे व कास्ट आयरन के बर्तन

लोहे व कास्ट आयरन के बर्तन इन दिनों खूब चलन में हैं. ये प्राकृतिक रूप से नॉन-स्टिक क्वालिटी वाले होते हैं, जिससे खाना बनाना आसान रहता है. जिन लोगों को एनीमिया है, उन्हें इन बर्तनों में पका भोजन खाना चाहिए. इन बर्तनों में खट्टी चीजें नहीं रखनी या बनानी चाहिए. वरना यह विषैली हो जाती है.

मिट्टी के बर्तन

मिट्टी के बर्तन करीब एक सदी के बाद फिर से खूब चलन में हैं. रेस्त्रां से घर तक इंट्री लिए मिट्टी के बर्तनों में पकाये खाने के पौष्टिक तत्वों को 100% तक बरकरार रखते हैं. लेकिन यह पॉलिश किए हुए नहीं होनी चाहिए. दूध और उसे बनी चीजों के लिए यह बर्तन परफेक्ट है.

इन पौधों के संग

मानसून का यह ग्रीन सेलिब्रेशन

लंबे इंतजार के बाद झारखंड में राहत की बूंदे बरस रही हैं और खूब बरस रही हैं. पेड़-पौधे पर पानी की बूंदे जब जादुई असर दिखाती हैं, बागवानी के लिए मन मचल जाता है. चाहे आपके पास बड़ा बगीचा हो या महज एक छोटी सी बालकनी, हरियाली को समेट लाने का आपका हक बराबर का है. आइए, कुछ ऐसे पौधों की बात करें जिसे लगाकर आपकी रचनात्मकता संतृप्त होगी ...

कोलियस

इसकी रंग-बिरंगी और छोटी बड़ी पत्तियां बेहद खूबसूरत लगती हैं. इस पौधे को अधिक देखभाल की भी जरूरत नहीं होती है और ये साल के बारह महीने हरा-भरा रहता है. कोलियस आपके मानसून गार्डन के लिए बिल्कुल उपयुक्त है. इसकी पत्तियां हरे, लाल, गुलाबी और बैंगनी रंग में आती हैं.

जीनिया

जीनिया की खासियत है कि ये जहां लगे होते हैं, तितलियां मंडराती नजर आती हैं. फूल काफी आकर्षक और सुंदर होते हैं, जो कई रंगों में मिलते हैं. इन पौधों को लगाना काफी आसान है और ये जल्दी ग्रोथ करते हैं. इन्हें गमलों में भी उतनी ही सहजता से लगाया जा सकता.

पिटुनिया

पिटुनिया ये कम रखरखाव वाले फूल बरसात में लगाएंगे तो शरद ऋतु तक आपको इनकी सुंदरता नजर आएगी. पौधे की किस्म के आधार पर, हमें कई अलग-अलग प्रकार, लम्बाई, और रंगों के पेटूनिया मिल सकते हैं. लाल, सफेद, गुलाबी, बैंगनी, हल्का नीला, पीला और लगभग सभी रंगों के फूल देख सकते हैं.

बेगोनिया

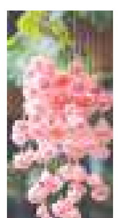

ये छाया-प्रिय पौधे मानसून उद्यानों के लिए बेहतर हैं. अपने सुंदर फूलों और आकर्षक पत्तियों के साथ, बेगोनिया किसी भी बाहरी स्थान में सुंदर लगते हैं. इंडोर प्लांट के रूप में इन्हें लगाएंगे तो पौधे खुशनुमा तो लगेंगे ही, नमी भी सोखेंगे.

पीस लिली

अपने सुंदर सफेद फूलों और चमकदार हरी पत्तियों के लिए जाना जाने वाला पीस लिली कम रोशनी की स्थिति में पनपता है, जिससे यह आपके घर के किसी भी कोने को रोशन करने के लिए एकदम सही है.

स्पाइडर प्लांट

इसकी सफेद धारियों वाली अपनी लंबी, धनुषाकार पत्तियां होती हैं. इनडोर के लिए उपयुक्त है. बोस्टन फर्न और स्नेक प्लांट भी इंडोर में लगा सकते हैं.

हैंगिंग बास्केट

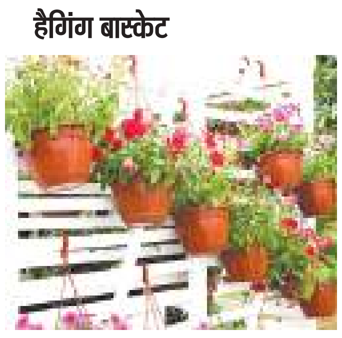

मानसून में घर को आकर्षक दिखाने के लिए आइवी या फर्न जैसे पीछे आने वाले पौधों को रंगीन हैंगिंग बास्केट में लगाएं.

रेन बूट प्लांटर्स

पुराने रेन बूट्स को मिट्टी से भरकर और जीवंत फूल लगाकर उनका फिर उपयोग करें.

फैशन

जलवा स्कार्फ का

फैशन और स्टाइल के लिए हम महिलाओं के पास ड्रेसेज के कई ऑप्शंस हैं, वहीं ड्रेसेज के साथ पेअर-अप करने वाले कई डिफरेंट आइटम मार्केट में मिल जाते हैं. ऐसा ही एक एसेसरीज है स्कार्फ. यह इन दिनों खूब ट्रेंड में है. इसे न केवल कुर्तियों बल्कि वन पीस, ट्यूनिक, टीशर्ट, क्रॉप शर्ट आदि वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ भी इन दिनों कैरी किया जा रहा है. आइए स्कार्फ की कुछ वेरायटी और उन्हें कैरी करने के अंदाज पर करें चर्चा-

- **एनिमल प्रिंट वाली स्कार्फ**

एनिमल प्रिंट खास तौर पर टाइगर प्रिंट की स्कार्फ इन दिनों काफी ट्रेंड में है. अगर वेस्टर्न पहन रही हैं तो टाइगर की प्रिंट वाली स्कार्फ लुक को बोल्ड बनाएगा. लाइट कलर या ब्लैक कलर की वन पीस के साथ इसे कैरी करें. सुंदर और अट्रैक्टिव लगेगा.

- **रेड कलर के डॉट प्रिंट वाली स्कार्फ**

यह स्कार्फ जादू सा असर दिखाएगा जब सफेद प्लेन टीशर्ट और ब्लू जींस कैरी करें. थोड़े डिफरेंट लुक के लिए आप इसमें एक नॉट लगा लें. डॉट प्रिंट का रेड स्कार्फ व्हाइट कुर्ती के साथ भी गजब ढाएगा. इसलिए वार्डरोब में एक ऐसा स्कार्फ जरूर रखें

- **वी-आकार की प्रिंटेड स्कार्फ**

वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ तो वी-आकार की प्रिंटेड स्कार्फ चार चांद लगाएगी ही, पारंपरिक कपड़ों पर इसे आजमाना आपको भीड़ से अलग बनाएगी. प्लेन कुर्ते के साथ इसे ड्रेप करें. इसे स्टाइल करने के लिए गले के पास रखें और दोनों छोरों को गले में घुमा कर आगे की तरफ कर लें. यह देखने में काफी खूबसूरत लगेगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक 2024 : पीवी सिंधु लगाएंगी ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक

भारतीय शटलरों के निशाने पर होंगे 15 मेडल

एजेंसी। नई दिल्ली

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय से भी है मेडल की उम्मीद

पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में अब सिर्फ तीन दिन का समय का रह गया है. खेल के इस महाकुंभ में भारत ने बैडमिंटन में पांच कोटा स्थान हासिल किए हैं, जिसमें तीन सिंगल और दो डबल्स है. ऐसे में भारत इस बार सात शटलर्स को पेरिस भेज रहा है. रियो गेम्स के बाद ओलंपिक में भारत का यह संयुक्त रूप से सबसे बड़ा बैडमिंटन दल है. रियो में भी सात भारतीय गए थे और तब पीवी सिंधु ने सिल्वर जीतकर इतिहास रचा था. दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु से हैट्रिक की उम्मीद होगी. हालांकि, 12वीं वर्ल्ड रैंकिंग्स के साथ कोटा हासिल करने वाली सिंधु से ज्यादा बड़े दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेडी और चिराग शेट्टी की जोड़ी होगी. यह जोड़ी मेंस डबल्स में दावेदारी पेश करेगी.

पिछले दिनों वर्ल्ड रैंकिंग्स में नंबर वन का ताज हासिल करने वाली इस पहली भारतीय जोड़ी को मेडल जीतने से सिर्फ कोई 'इंजरी' ही रोक सकती है. भारतीय जोड़ी फिलहाल वर्ल्ड नंबर-3 है. मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय होंगे. लक्ष्य यदि ग्रुप स्टेज में जोनाथन क्रिस्टी से पार पा लें तो उनके पदक के चांस बढ़ जाएंगे. प्रणॉय भी बड़े स्टेज के खिलाड़ी हैं. प्रेशर सिचुएशन में उनका खेल और निखर जाता है. उम्मीद है पैरिस में भी ऐसा ही हो और मेंस कैटिगरी में भी भारत की झोली में पहला पदक आ जाए.

ओलिंपिक में बैडमिंटन के इवेंट कब-कब होंगे?

- इवेंट : 5 (मेंस सिंगल्स, विमिंस सिंगल्स, मेंस डबल्स, विमिंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स)
- प्रतिभागी : 49 देशों के 173 (87 मेंस, 86 विमिंस)
- दांव पर मेडल : 15 (5 गोल्ड, 5 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज)
- मुख्य प्रतिद्वंदी देश : चीन, चीनी ताइपे, जापान, मलयेशिया, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया, डेनमार्क

भारत के टी20 विश्व कप जश्न पर अश्विन ने कहा

राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे

एजेंसी। चेन्नई

स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद विराट कोहली का पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को टी20 विश्व कप ट्रॉफी सौंपना और कोच का खुशी में 'चीखना और रोना' कुछ ऐसा था, जो हमेशा उनकी यादों में रहेगा.पिछले महीने भारत ने दक्षिण अफ्रीका को करीबी फाइनल में हराकर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता था जिसके बाद पूर्व कोच द्रविड़ ट्रॉफी को हाथ में उठाकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते नजर आए थे.

अश्विन ने स्वीकार किया कि यह 51 साल के द्रविड़ के लिए विशेष लम्हा था जो खिलाड़ी के रूप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का खिताब नहीं जीत पाए लेकिन अंततः कोच के रूप में ऐसा करने में सफल रहे.अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो में कहा, 'मेरे लिए सबसे शानदार लम्हा वह है जब विराट कोहली राहुल द्रविड़ को बुलाते हैं और उन्हें कप (ट्रॉफी) देते हैं. मैंने उन्हें कप को गले लगाते हुए और रोते हुए देखा.'उन्होंने कहा, ''राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे. मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते हुए देखा.'अश्विन का मानना है कि द्रविड़ कैरेबिया में अपने मार्गदर्शन में एक और अभियान को लेकर डरे हुए थे क्योंकि 2007 एकदिवसीय विश्व कप में उनकी कप्तानी में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी.उन्होंने कहा, ''मैं एक डरे हुए व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं. 2007 में 50 ओवर का विश्व कप. भारत बाहर हो गया. राहुल द्रविड़ तब कप्तान थे. उन्होंने इसके बाद एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं की.'उन्होंने कहा, 'वह भारतीय टीम के साथ थे. अगर कुछ गलत होता, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती या अगर वे मैच हार जाते तो तुरंत वे पूछते कि द्रविड़ क्या रहे हैं.' अश्विन ने भारतीय कोच के रूप में द्रविड़ की कड़ी मेहनत को स्वीकार करते हुए कहा कि वह टीम में संतुलन लाए और दृष्टिकोण बदला. उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि पिछले दो-तीन वर्षों से वह इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं. मैं जानता हूं कि वह कितने संतुलित रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

ओलंपिक से वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने नाम वापस लिया

पेरिस। तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया है. पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापस लेने का फैसला किया है. पिछले साल विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड्रोसोवा इस महीने विम्बलडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी. उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है. ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के ड्रॉ गुरुवार को निकाले जाएंगे .

पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगे मर्रे

पेरिस । दो बार ओलंपिक पुरुष एकल चैम्पियन एंडी मर्रे ने मंगलवार को पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे.सैंतीस वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया , अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिये पेरिस पहुंच गया हूं .' पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी. मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था. जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था . इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था.

27,28 और 30 को खेले जाएंगे तीन टी20 मुकाबले

सूर्या के नेतृत्व में श्रीलंका पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी। पाल्लेकल

नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते मंगलवार को यहां पहुंच गई, जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई . इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था. कोलंबो में कुछ देर रुकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई. भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे श्रृंखला खेलनी है. पहला टी20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा, जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे. भारतीय टीम दो , चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी. बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा , मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल. टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची.

वर्ल्ड कप के बाद भारत का दूसरा दौरा : यह दौरा आईसीसी टी 20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया का दूसरा दौरा है. इससे पहले भारत ने जिम्बाब्वे का दौरा किया था. कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला है. टीम के साथ यह उनका पहला विदेशी दौरा है, जिसका लक्ष्य जीत के साथ शुरुआत करना है. टीम में बड़े बदलाव के रूप में सूर्यकुमार यादव को टी 20 कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या की जगह लेना और शुभमन गिल को उप-कप्तान नियुक्त करना शामिल है.

भारत की टी 20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज.

गौतम गंभीर पर टिकी फैंस की नजरें

इस दौरे को गंभीर के मार्गदर्शन में टीम इंडिया के लिए एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है . फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि नया नेतृत्व श्रीलंका के खिलाफ प्रदर्शन पर क्या असर डालता है . भारतीय क्रिकेट टीम का श्रीलंका दौरा रोमांचक मैचों और गंभीर की कोचिंग में नई रणनीतियों को देखने का मौका देने वाला है . दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों को आगामी मैचों का बेसब्री से इंतजार है .

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में असालांका श्रीलंका के कप्तान

उधर, चरित असालांका भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में श्रीलंका के कप्तान होंगे, जो टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाले स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे . स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है . हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में श्रीलंका की कप्तानी की थी . असालांका ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश दौरे पर भी दो टी20 मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे . श्रीलंका के पूर्व अंडर 19 कप्तान असालांका ने इस साल एलपीएल में जाफना किंग्स को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाया था . सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार की रात को यहां पहुंच गई .

श्रीलंका टीम : चरित असालांका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल जनित परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, महीष तीक्षणा, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीसा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंता चामीरा, बिनुरा फर्नांडो .

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिये 900 करोड़ रुपये आवंटित

एजेंसी। नयी दिल्ली

खास बातें

- 45 .36 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गयी है
- वर्ष 22-23 में खेलो इंडिया का आवंटन 596 .39 करोड़ था

जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड़ रुपये में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गये हैं. यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपये के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपये अधिक है.इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है. ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गयी है. खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपये था. सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपये था. अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया था. संशोधित कर 880 करोड़ रुपये किया गया था. खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 की शुरुआत के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है. मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की. देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करना है. खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं. राष्ट्रीय खेल महासंघों को सरकार की सहायता में भी 15 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है . यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपये से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपये हो गई है. भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपये कर दिया गया है.

आईसीसी ने जारी की महिला टी-20 रैंकिंग

हरमनप्रीत, शेफाली संयुक्त 11वें व मंधाना पांचवें स्थान पर

एजेंसी।दुबई

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाये रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयुक्त 11वें स्थान पर हैं . हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबकि शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई . शीर्ष 20 में भारत के चार खिलाड़ी हैं. जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं . रिचा घोष 24वें स्थान पर है . बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर हैं . गेंदबाजों की सूची में आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर है . बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर है . इंग्लैंड की सोफी एस्सेलेटोन शीर्ष पर हैं .

ओलंपिक डायरी : आधे होटल हैं खाली यातायात महंगा, सुरक्षा पर सवाल

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक के लिये यहां पहुंचे करीब 45000 वालिंटियर का यहां आना सार्थक हो गया जब उन्हें हवाई अड्डे पर टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज से मिलने का मौका मिला . पेरिस में सौ साल बाद ओलंपिक हो रहे हैं और वालिंटियर्स के लिये यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला अनुभव है .पेरिस हवाई अड्डे पर एक उत्साही वालिंटियर ने कहा ,' मैं 60 साल का हो चुका हूं और मेरे जीवन में तो पेरिस में फिर ओलंपिक नहीं होने वाला . इसका हिस्सा बनना मेरे लिये जीवन भर नहीं भूलने वाला अनुभव है .'उन्होंने कहा ,'' बीस मिनट पहले अल्काराज यहां पहुंचा और मैने उसे एक्रिडिटेशन (पहचान पत्र) दिलाने में मदद की . यह अनुभव यादगार हो गया है .''

पेरिस में रहने वाले सभी लोग ओलंपिक के आयोजन से खुश नहीं है क्योंकि इसका उनके दैनंदिनी जीवन पर असर पड़ रहा है . स्थानीय यातायात 2. 15 यूरो से बढकर चार यूरो तक पहुंच गया है और आठ सितंबर को पैरालम्पिक के खत्म होने तक यही किराया रहेगा . ओलंपिक आयोजन स्थलों के आसपास आवागमन पर भी पाबंदियां हैं . शहर के सबसे व्यस्त ट्रेन स्टेशन पर खड़ी विक्टोरी डेलारू ने कहा ,' पेरिसवासियों के लिये ओलंपिक की मेजबानी गर्व का विषय है लेकिन इससे लोगों के रोजमर्रा के जीवन पर असर नहीं पड़ना चाहिये . स्थानीय यातायात की दरें दुगुनी हो गई है जो अच्छी बात नहीं है .''

ओलंपिक के दौरान होटलों की भारी मांग दिखाई गई जिससे पेरिस के कई लोगों ने कमाई के लिये अपने घरों को किराये पर लगा दिया लेकिन होटलों की उतनी मांग है नहीं . पेरिस में यह पर्यटन का मौसम है लेकिन मांग फिर भी कम है .

एसीटी से पहले हॉकी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया

एजेंसी। नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने सितंबर में चीन में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले बेंगलुरू में सीनियर पुरुष टीम के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में उन खिलाड़ियों को बुलाया है, जो पेरिस ओलंपिक की टीम का हिस्सा नहीं हैं. इसमें विकास ग्रुप और जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी भी शामिल हैं. ओलंपिक टीम में शामिल खिलाड़ी छोटे ब्रेक के बाद 24 अगस्त से राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे जो चार सितंबर तक चलेगा. मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने हॉकी इंडिया द्वारा यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, सीनियर टीम पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत की तैयारी में जुटी है, लेकिन हमारे पास उससे इतर भी खिलाड़ियों का मजबूत पूल है, जो भारत के लिए फिर खेलने के मौके के इंतजार में हैं. उन्होंने कहा, एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी ओलंपिक के कुछ सप्ताह बाद ही है, लिहाजा इसके लिये बेंगलुरु के साई केंद्र में शिविर लगाया जा रहा है. ये खिलाड़ी उसके लिये तैयारी करेंगे और ओलंपिक टीम 24 अगस्त को उनसे जुड़ेगी.

कोर संभावित ग्रुप

- गोलकीपर : सूरज करकेरा, मोहित एचएस
- डिफेंडर : वरुण कुमार, आमिर अली, अमनदीप लाकड़ा, रोहित, सुखविंदर, योगेम्बर रावत
- मिडफील्डर : रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, मोहम्मद राहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अंकित पाल, पूवन्ना सीबी, रोशन कुजुर
- फॉरवर्ड : मनिंदर सिंह, कार्ति एस, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह .

असम के मुख्यमंत्री ने अभिनव बिंद्रा को बधाई दी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक मूवमेंट में उनके असाधारण योगदान के लिए ओलंपिक आर्डर मिलने पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर लिखा, उम्मीद है कि वह आने वाली पीढियों को खेलों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिये प्रेरित करते रहेंगे. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने बिंद्रा को बताया कि उन्हें ओलंपिक आर्डर दिया गया है और पुरस्कार समारोह 10 अगस्त को पेरिस में आईओसी के 142वें सत्र के दौरान होगा. असम सरकार ने गुवाहाटी और जोरहट में दो हाई परफार्मेंस खेल ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाने के लिए असम सरकार के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं. राज्य सरकार ने प्रदेश के 250 सरकारी और गुवाहाटी के निजी स्कूलों में ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) लागू करने के लिये भी एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं.

ओलंपिक — पहली बार महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50

अब भारतीय टीम में 40 प्रतिशत महिलाएं शामिल

- शून्य से लगभग 50-50 तक पहुंचा आंकड़ा

एजेंसी।नई दिल्ली

पहले मॉडर्न ओलंपिक गेम्स साल 1896 में हुए थे और इनमें महिलाओं की भागीदारी शून्य थी. ओलंपिक के दूसरे एडिशन का मेजबान पेरिस था. तब पहली बार महिला खिलाड़ियों ने इन गेम्स में हिस्सा लिया था. साल 1900 के हुए पेरिस ओलंपिक में 22 महिलाओं ने शिरकत की थी. छोटी सी उस शुरुआत के 124 साल के बाद अब ओलंपिक में ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50 होगी. पेरिस ओलंपिक के आयोजकों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस बार इन खेलों में कुल 11,215 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. इनमें 49% ऐथलीट महिलाएं (5,503) हैं जबकि 51 प्रतिशत (5712) पुरुष. तोक्यो ओलंपिक में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी का आंकड़ा 47.2% था.

इस बार भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी 40% के आसपास है. रियो ओलंपिक (2016) में भारतीय दल में 63 पुरुषों के मुकाबले 54 महिला खिलाड़ी थीं जो कुल भागीदारी का 46 प्रतिशत थीं. साल 2000 के ओलंपिक से लेकर भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी केवल लंदन ओलंपिक को छोड़कर बेहतर रही है. साल 2012 में लंदन गए 83 खिलाड़ियों में 23 महिला थीं.

अमेरिकी दल में पुरुषों से अधिक महिला एथलीट

एक बार फिर अमेरिका का सबसे बड़ा दल पेरिस पहुंचेगा . अमेरिका 638 खिलाड़ियों को पेरिस भेज रहा है . इसमें 338 यानी 53 प्रतिशत महिलाएं हैं . एक छोटे से देश गुआम के दल में सात खिलाड़ी होंगे . इनमें से छह महिलाएं हैं . प्रतिशत के लिहाज से देखें तो उसके दल में 87 .5 प्रतिशत महिला खिलाड़ी हैं जो सर्वाधिक हैं . लैंगिक समानता सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है . ओलंपिक मिशन के प्रयासों से इन खेलों को संचालित करने वाले अधिकारियों में महिलाओं की संख्या भी काफी बढ़ी है . तोक्यो ओलंपिक में लगभग 30 प्रतिशत टेक्निकल ऑफिशल्स महिलाएं थीं . पेरिस में इनकी संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है.

विश्वास, टीम भावना पेरिस में हॉकी टीम की सफलता की कुंजी : फुल्टोन

एजेंसी। नयी दिल्ली

पिछले साल भारतीय पुरूष हॉकी टीम से जुड़े कोच क्रेग फुल्टोन का लक्ष्य आपसी विश्वास मजबूत करना था और उन्हें यकीन है कि उनके प्रयासों का नतीजा पेरिस ओलंपिक में पदक के बेहतर रंग के रूप में मिलेगा. चौदह महीने पहले पदभार संभालने वाले फुल्टोन ने पीटीआई से कहा ,' मुझे नहीं पता कि तोक्यो ओलंपिक से पहले क्या तैयारियां थी लेकिन 14 महीने पहले मेरे आने के बाद से फोकस खिलाड़ियों में आपसी विश्वास बेहतर करने पर रहा है .' उन्होंने बेहतर नतीजों के लिये दक्षिण अफ्रीका के मानसिक अनुकूलन कोच पैडी उपटन की सेवायें ली जो 2011 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के साथ काम कर चुके हैं . उपटन टीम के साथ पेरिस में हैं .मानसिक दृढता के लिये उन्होंने इस महीने की शुरूआत में स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिन का शिविर लगाया . फुल्टोन ने कहा ,' मैने अल्पकालिन और दीर्घकालिन रणनीति बनाई और उसके हिसाब से काम किया .'उन्होंने कहा ,' हमारी तैयारियां अच्छी रही और स्विटजरलैंड में तीन दिन का शिविर बहुत अच्छा साबित हुआ . हमने आपसी विश्वास, टीम भावना और एकजुटता बढाने पर काम किया . इसके बाद नीदरलैंड में नौ दिन अभ्यास किया और कुछ अभ्यास मैच भी खेले .' तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक विजेता से अपेक्षाओं के बारे में उन्होंने कहा ,' मुझे अपेक्षाओं का पता है और मैं इसके लिये पूरी तरह से तैयार हूं . भारत का हॉकी का गौरवमयी इतिहास रहा है और हम उस विरासत को आगे बढाना चाहते हैं .' उन्होंने कहा ,' मैं पोडियम पर रहने के बारे में कयास नहीं लगा सकता क्योंकि ओलंपिक में 12 टीमों के बीच ज्यादा अंतर नहीं है .

केंद्रीय बजट को सत्ताधारी दलों के नेताओं ने सराहा, तो विपक्षी पार्टियों ने की आलोचना

हजारीबाग । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार का पहला बजट मंगलवार को पेश किया. बजट में नौकरियों और रोजगार को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा की गई है, जो चुनाव अभियान की प्रतिध्वनि है जिसमें युवाओं में बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दे के रूप में उभरी थी. साथ ही, हर बजट में चर्चा का विषय रहने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान के बराबर ही आवंटन मिला है. इस पर जिले में मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई. सत्ताधारी गठबंधन के लोगों ने जहां इसको सराहा, वहीं विपक्ष ने इसको नकार दिया.

किसने क्या कहा

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट विशेष रूप से अन्नदाताओं और महिलाओं की समृद्धि, युवाओं के रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित है. विकसित भारत के इस बजट में हर वर्ग का विशेष ख्याल रखा गया है. यह कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार एवं कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक न्याय, विनिर्माण एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा संरक्षण, अवसंरचना, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास और नई पीढ़ी के सुधार, चतुर्दिक समृद्धि एवं सशक्त विकास को समर्पित बजट है.

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता

जदयू नेता राकेश ठाकुर ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बजट देश को प्रगति की ओर ले जाने वाला है. इसमें युवाओं को चार करोड़ रोजगार देने की बात कही गई है. बड़ी कंपनियों में एक करोड़ नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था सराहनीय है. सीमा शुल्क में कटौती होने से चमड़े के समान, सोना चांदी, आभूषण, मोबाइल फोन व चार्जर इत्यादि सस्ते होंगे. मध्यम वर्ग को पूंजीगत लाभ की सीमा में छूट इत्यादि से समाज में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है. आयकर की दरों में कटौती और रियायत भी दी गई है. खासकर नौकरी पेशा वालों को 25000 हजार की छूट स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ा दी गई है.

जदयू नेता राकेश ठाकुर

कांग्रेस नेता डॉ. आरसी प्रसाद मेहता ने कहा कि बजट में आटा और डाटा को महंगा किया गया है जिसकी मैं भर्त्सना करता हूं. यह बजट गरीबों, किसानों, बेरोजगारों, छात्रों, मध्यम व्यापारी वर्ग को हतोत्साहित करने वाला एवं अमीरों, पूंजीपतियों को बढ़ावा देने वाला चुनावी जुमला नुमा बजट है. यह बजट हतोत्साह का परिचायक है एवं 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश है.

डॉ. आरसी प्रसाद मेहता

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव विनोद सिंह ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इससे निराशा हुई. किसानों की आय दोगुना नहीं हुई. महंगाई को कम करने का उपाय नहीं हुआ. बेरोजगारों को स्किल ट्रेनिंग देकर रोजगार का सपना दिखाया गया है. छोटे निवेशकों को बहुत बड़ी मार पड़ी है. पिछले 10 वर्षों की तरह ही इस बजट से भी लोगों में निराशा बढ़ी है. लोगों की आमदनी घटी है. इस बजट से क्या मिला. बजट से किचन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा. महिलाएं ठगा महसूस कर रही हैं.

कांग्रेस नेता बिनोद सिंह

प्रदेश राजद कार्य समिति सह समाज सेवी स शांति समिति सदस्य संजर मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार का यह बजट झूठ की बुनियाद पर बनाया गया है. भारत की मुद्रास्फीति कम और स्थिर बनी हुई है, जबकि हकीकत ये है कि थोक महंगाई 16 महीने के उच्चस्तर पर जबकि खुदरा महंगाई चार महीने के उच्चस्तर पर है. ये आंकड़े जून महीने के हैं. पिछले 10 वर्षों से सरकार चीख रही थी, लेकिन आज पहली बार करोड़ों शिक्षित युवा कार्य के अभाव में बेकार बैठे हैं. बजट में फिर से एक बार उद्योगपतियों का विशेष ध्यान रखा गया है. यह गरीबी अधिक बढ़ेगी. यह बजट नए बोरे में पुराने चावल के समान है.

राजद नेता संजर मलिक

हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट आम जनता, युवा वर्ग, महिला और किसानों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा. सभी को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया गया है. बढ़ती महंगाई भी काफी कम होगी. स्वास्थ्य के क्षेत्र पर फोकस किया गया है. गरीब, वंचित लोगों को इस बजट से काफी राहत मिलेगी. महिला विकास के लिए तीन लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है. वहीं युवाओं को नौकरी दी जाएगी.

चंद्र प्रकाश जैन

भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद ने केंद्रीय बजट को जनता के हित में बताया. कहा इस बजट से आम जन को बहुत फायदा मिलने वाला है. बजट में युवा, किसान, महिला के लिए काफी कुछ है. शिक्षा बजट पर 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. भारत की जनता ने जो भाजपा पर भरोसा जताया था उस पर यह बजट खरा उतरता है. बजट में खासकर किसानों पर, शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है. बजट आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के मोदी सरकार के संकल्प को और मजबूत करेगा.

भाजपा नेता भैया अभिमन्यु

सीपीआईएम नेता गणेश कुमार सीटू ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट कुर्सी बचाओ बजट है. इसमें 26000 करोड़ रुपये बिहार को और 15000 करोड़ रुपये आंध्र प्रदेश की राजधानी को चमकाने के लिए दिया गया है. बजट में झारखंड को सिर्फ एक मॉल के अलावा कुछ नहीं दिया गया है. बेरोजगारी और महंगाई से परेशान जनता के लिए कुछ नहीं है. सोना, चांदी को सस्ता किया गया पर आटा, चावल, दाल को सस्ता करने का कोई उपाय नहीं है. देश के बीमार सरकारी उद्योग जैसे एचईसी, बीएसएनएल, ओएनजीसी जैसे उद्योगों को बचाने का कोई उपाय नहीं है. इस बजट से देश की जनता निराश है. सरकार द्वारा लिया गया पूर्व के बजट में कई अधूरे कार्य अभी पूर्ण होने बाकी हैं, जिन पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया. स्मार्ट सिटी, बुलेट ट्रेन जैसे चीज बजट से गायब है.

गणेश कुमार सीटू

यह बजट सभी वर्ग के लोगों को राहत पहुंचाने वाला बजट है. इसमें खासकर विद्यार्थियों को 10 लाख तक का एजुकेशन लोन देने की बात कही गई है. किसानों का विशेष ख्याल रखा गया है. इस बजट से सभी वर्ग के लोगों को दूरगामी लाभ मिलगा.

विकास राणा

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि आम बजट 140 करोड़ जनता के लिए काफी महत्वाकांक्षी तथा लाभकारी बजट है. इसमें गरीब, वंचित, गांव, शहर, महिला, बुजुर्ग, युवा तथा किसान के विषय में काफी कुछ सोचा गया है. यह बजट सभी वर्गों के लिए लाभकारी होगा और यह आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा. बजट में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे समग्र विकास होगा. बजट में छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शामिल की गई हैं, जिससे रोजगार सृजन में मदद मिलेगी. कृषि क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी.

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद

ब्रीफ खबरें

चुटूपालू घाटी में ट्रेलर ने 4 वाहनों में मारी टक्कर

रामगढ़। जिले के चुटूपालू घाटी में एक ट्रेलर ने चार वाहनों को टक्कर मार दी. इस हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. यह घटना मंगलवार की सुबह हुई है. जानकारी के अनुसार, ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया था, जिसकी वजह से चालक ने ट्रेलर पर नियंत्रण खो दिया और तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी. इसके बाद एक बस से टकराकर रुक गया. इसकी वजह से रामगढ़ घाटी में वाहनों की लंबी कतार लग गयी. पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस घाटी से जाम हटाने में जुटी हुई है.

युवक को भीड़ से बचा कर ले गई पुलिस

हजारीबाग। जिले के कोलंबस के पास एक महिला बात करते हुए जा रही थी कि अचानक एक बाइक सवार युवक ने उससे मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया. हालांकि तत्काल दो युवकों ने पीछा कर जैन पैट्रोल पंप के पास आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. आरोपी कदमा निवासी सनी कुमार है. जांच में आरोपी के पास से महिला का मोबाइल मिला और एक अपाची बाइक जब्त की गई. आरोपी को पकड़ने वाले युवक सत्यम तिवारी और अनीश यादव है.

डीसी ने की राजस्व कार्यों की समीक्षा

रामगढ़। राजस्व संबंधित कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की गई. इस दौरान उपायुक्त ने बंटवारा नामा एवं उत्तराधिकारी दाखिल खारिज कार्यों की समीक्षा के क्रम में सेवा का अधिकार अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए दाखिल खारिज संबंधित सभी मामलों को 90 दिन की अवधि के दौरान निष्पादित करने का निर्देश दिया. साथ ही खारिज संबंधित कार्यों में आ रही तकनीकी समस्याओं का हल करने का निर्देश दिया.

मानदेय में 4 प्रतिशत वृद्धि पर बनी सहमति

चौपारण। प्रखंड की बछई पंचायत अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालयों में सेवारत सहायक अध्यापकों के मानदेय में 4 प्रतिशत वृद्धि पर मंगलवार को प्राधिकार कमिटी द्वारा सहमति प्रदान की गई. मुखिया बीरेंद्र रजक ने बताया कि ज़िला शिक्षा अधीक्षक हजारीबाग़ के निर्देशानुसार मंगलवार को पंचायत सचिवालय दैहर के सभागार में पंचायत प्रशासनिक सह अनुशासनिक प्राधिकार की बैठक प्राधिकार के अध्यक्ष मुखिया बीरेंद्र रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई.

अवैध बालू और पत्थर लदे वाहन किए जब्त

हजारीबाग। जिला खनन विभाग ने सोमवार की मध्य रात्रि दिपूगढ़ा चौक के पास अवैध बालू लदे दो हाईवा जब्त किए गए. जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि इन दोनों वाहनों के पास खनिज ई-परिवहन चालान नहीं पाया गया है. इस संदर्भ में कोर्रा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है. इसी क्रम में पत्थर से लदे दो अन्य वाहनों को भी पकड़ा गया, उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है.

एक जुलाई के अंक में शुभम संदेश में प्रकाशित खबर पर पुलिस ने लगाई मुहर

पशु तस्कर निकला मिथुन बाबू

- सदर थाने में ड्राइवर रहा, अब मामला दर्ज कर तलाश कर रही चौपारण पुलिस

संवाददाता। हजारीबाग

सदर थाने बतौर ड्राइवर काम कर चुका मिथुन बाबू पशु तस्कर निकला. वह कोयला और बालू माफियाओं, ड्रग्स और पशु तस्करों सहयोग करता था. चौपारण पुलिस रविवार को शुभम संदेश में 1 जुलाई के अंक में प्रकाशित खबर पर मुहर लगा दी है. दरअसल, मिथुन बाबू शनिवार को अपने निजी वाहन की डिक्की में तीन अवैध पशु को मुंह बांधकर चौपारण होते हुए ले जा रहे थे. इसकी सूचना मिली तो थाना प्रभारी दीपक सिंह ने पुलिस बल के साथ गाड़ी को जब्त कर तीनों पशुओं को मुक्त करा दिया, जबकि गाड़ी चालक पुलिस देखकर फरार हो गया, लेकिन गाड़ी के नंबर ने मिथुन बाबू का राज खोल दिया और उसकी पहचान हो गई.

अब पुलिस मिथुन बाबू पर चौपारण थाने में मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है. इधर, मिथुन बाबू पर पशु तस्करी में नाम आते ही बजरंग दल के सदस्यों ने सोमवार देर शाम झंडा चौक पर उसका पुतला दहन किया. वे मिथुन बाबू को फांसी देने की मांग कर रहे हैं. बजरंग दल का कहना है कि मिथुन बाबू पुलिस की गाड़ी चलाता था, गाड़ी में बैठकर पुलिस की वर्दी दिखाता था और खुद को पुलिसकर्मी बताता था और शहर के विभिन्न कोनों में घूम कर माफियाओं को अपनी ऊंची पहुंच होने की बात कहता था.

बजरंग दल के लोगों ने मिथुन बाबू का पुतला दहन किया.

महंगी कारों से पशुओं की तस्करी करता है मिथुन : दरअसल, मिथुन बाबू कोई समाजसेवी या फिर कोई उच्च पहुंच वाला व्यक्ति नहीं है. वह हजारीबाग शहर के सदर थाने में बतौर प्राइवेट ड्राइवर काम करता था. मिथुन बाबू पुलिस पेट्रोलिंग की गाड़ी चलाता था. इस दौरान वह जिले में अपराधियों, माफियाओं और चोरों के साथ अपना संबंध बना रहा था. वह हर काम में इन लोगों को सहयोग करता था. पुलिस की कार्रवाई करने से पहले ही माफियाओं और अपराधियों को सूचना दे दिया करता था. इसके लिए उसे मोटी रकम मिलती थी. हालांकि इसकी भनक लगते ही कुछ महीने पहले उसे सदर थाने से हटा दिया गया. इसके बाद वह बेरोजगार हो गया. इसके बाद वह से फिर माफियाओं का सहयोग करने लगा और अंततः खुद ही माफिया बन गया. बताया जाता है कि मिथुन बाबू के पास तीन महंगी कारें हैं और इन्हीं कारों से वह पशुओं की तस्करी करता है.

शुभम संदेश ने 1 जुलाई के अंक में की थी पड़ताल

बता दें कि शुभम संदेश ने 1 जुलाई के अंक में मिथुन बाबू की पड़ताल करती खबर प्रकाशित की थी, जिसका शीर्षक था, कौन है मिथुन बाबू? जो जिले में इन दिनों ड्रग्स, अफीम कोरेक्स, देह व्यापार, बालू माफिया, भू माफिया, कोयला माफिया को सहयोग करता है और पुलिस की कार्रवाई करने से पहले माफियाओं को जानकारी देता है. इसके बाद मिथुन बाबू की चर्चा जिले में खूब होने लगी. सोशल मीडिय के माध्यम से भी लोग मिथुन बाबू को जानना चाह रहे थे.

शुभम संदेश

कौन हैं मिथुन बाबू, जो हर गोरखधंधे में सक्रिय

कई लोग मीडिया पर भी सवाल उठा रहे थे और पूछ रहे थे कि आखिर मीडिया मिथुन बाबू की सच्चाई क्यों नहीं उजागर कर रहा है. वहीं पुलिस प्रशासन भी मिथुन बाबू की सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहा था. पुलिस जानना चाह रही थी कि आखिर शहर में कौन है मिथुन बाबू, जो माफियाओं तक सूचना पहुंचाता है. और अंत में पुलिस ने मिथुन बाबू पहचान कर ली है.

विष्णुगढ़ के प्रवासी मजदूर की करंट लगने से केरल में मौत

- दो दिन के अंदर विष्णुगढ़ में दो प्रवासी मजदूरों की हो गई मौत

संवाददाता। विष्णुगढ़

विष्णुगढ़ में दो दिन के अंदर दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो चुकी है. सोमवार को प्रखंड अंतर्गत चौथा निवासी जीवलाल साव (55) का पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा. वहीं दूसरे दिन प्रखंड के खरना के प्रवासी मजदूर सुरेश महतो (25) की लाश पहुंची. जीवलाल साव की मौत मुंबई में हुई, जबकि सुरेश की मौत केरल के कोल्लम में हुई. इस तरह रोजी-रोटी कमाने जाने वाले झारखंड के प्रवासी मजदूरों की मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है. मृतक केरल राज्य इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड कोल्लम में कार्यरत एसवीआर कंपनी का कामगार था. उसकी मौत काम के दौरान करेंट लगने से हो गयी. रोज़ी रोजगार के सिलसिले में वे वहां पहुंचे थे. सुरेश पर अपने परिवार की जिम्मेदारी थी.

प्रवासी मजदूर का फाइल फोटो.

मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का बुरा हाल हो गया है. परिवार के एक मात्र कमाऊं सदस्य की मौत से परिवार पर गमों का पहाड़ टूट गया है. इसकी सूचना मिलते ही परिजनों को ढांढस बंधाने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय संगठन मंत्री महेंद्र प्रसाद महतो उर्फ माही पटेल अपने संगठन के साथियों के साथ मृतक के घर पहुंचे. साथ ही जेबीकेएसएस की तरफ से हरसंभव मदद का भरोसा दिया.

किचन शेड में डीप बोरिंग की जगह कर दी साधारण बोरिंग

- बीडीओ ने लिया संज्ञान तो बोरिंग मशीन लेकर भागा ठेकेदार

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड की बच्छई पंचायत के प्राथमिक विद्यालय सेवई में किचन शेड का निर्माण मनमाने तरीके से किया जा रहा है. इसी क्रम में मंगलवार को साधारण चापानल की बोरिंग की जाने लगी. इसकी जानकारी प्रधानाध्यपिक हेमलता देवी ने मुखिया बिरेंद्र रजक को दी. मुखिया ने कनीय अभियंता मुकेश कुमार से कहा कि ठेकेदार किचन शेड मनमाने तरीके से बना रहा है और डीप बोरिंग की जगह पर साधारण बोरिंग कर रहा है. वहीं ठेकेदार राज सागर का कहना है कि जो हो रहा है ठीक हो रहा है. मुखिया संघ अध्यक्ष रजक ने ठेकेदार की बात सुनकर कहा कि लगता है कि चौपारण में लूट की छूट मिल गई है. मुखिया ने इस बात की जानकारी बीडीओ सीमा कुमारी को दी. बीडीओ ने जेई को स्थल पर जाकर निरीक्षण करेंगे और गलत पाए जाने पर करवाई करेंगे. इस पर ठेकेदार बोरिंग मशीन लेकर भाग गया. बीडीओ ने कहा कि प्राक्कलन से हट कर कोई भी ठेकेदार काम करेगा तो उसकी राशि काट कर भुगतान करवाने की अनुशंसा कर जिला प्रशासन को भेजा जाएगा.

बिहार के एक फ़र्ज़ी ई-चालान पर कई वाहनों से ढोया जा रहा बालू

संवाददाता। चौपारण

खास बातें

- सीओ ने एक बालू लदा हाइवा को जब्त कर किया खुलासा
- सीओ के घर पहुंच तस्करों ने दी धमकी, पुलिस हिरासत में

क्षेत्र में एनजीटी का आदेश लागू होने के बाद बिहार के बालू तस्करों की चांदी हो गयी है. मंगलवार को बिहार के फ़र्ज़ी ई-चालान पर एक बालू लोड हाइवा अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव ने ने जब्त कर इसका खुलासा कर दिया है. यादव ने कहा कि एनजीटी के आदेश के तहत बालू के उठाव व परिचालन की जांच करने का निर्देश जिला उपायुक्त हजारीबाग द्वारा जारी किया गया है. जांच के क्रम में हाइवा चालक से बालू का चालान मांगा गया, जिसकी जांच में पाया गया कि चालान में जो चेचिस नंबर है, उससे अलग हाइवा का चेचिस नंबर है. इस बात से स्पष्ट होता है कि एक ही चालान से कई वाहनों से बालू की ढुलाई की जा रही है. साथ ही यादव ने कहा कि एनजीटी का आदेश लागू होने के बाद लाइसेंसधारी द्वारा डंप किया गया बालू का ही परिचालन किया जा सकता है, जबकि पकड़े गए हाइवा से नदी में तत्काल लोड किया गया बालू होने के कारण पानी गिर रहा था. यादव ने कहा कि पकड़े गए अवैध बालू लदा हाइवा को चौपारण पुलिस के हवाले कर दिया गया और जब्त हाइवा के कागजात को जिला खनन पदाधिकारी को करवाई के लिए अग्रसारित कर दिया गया है. अब सवाल उठता है कि बालू की अवैध तस्करी के साथ एक ही चालान से कई वाहनों से बालू का परिचालन किसके इशारे और संरक्षण में किया जा रहा है.

प्रखंड कार्यालय में अधिकारी लेते हैं रिश्वत और मुखिया होते हैं बदनाम

भ्रष्ट अधिकारियों पर बरसे मुखिया

- अधिकारी कूप निर्माण में 20 हजार अबुआ आवास में लेते हैं 10 हजार

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के इचाक प्रखंड में विभिन्न पंचायतों के मुखिया बीते दो दिन से धरने पर डटे हुए हैं. वे अब अधिकारियों पर हमलावर होने लगे हैं. वे कहते हैं कि मुखिया तो जनप्रतिनिधि हैं उन्हें न वेतन मिलता है और न ही खर्च मिलता है, लेकिन अधिकारी अपने कार्यालय में बैठे-बैठे आम जनता की योजना को बेच रहे हैं. अबुआ आवास में लाभुक से खुलेआम 10 हजार और कूप निर्माण में 20 हजार लेकर ही वह योजना पास करते हैं और आम लोगों की नजर में बदनाम होते हैं मुखिया. सच्चाई यह है कि मुखिया रिश्वत लेकर नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव से काम करता है. उन्होंने यह भी बताया कि हम जनप्रतिनिधियों को अधिकारी इस्तेमाल करते हैं और सर्वे करवाते हैं, हमसे लाभुकों के कागजात भी लेते हैं, अपने ऑफिस के छोटे-छोटे कर्मचारियों को भेज कर लाभुक से पैसा मंगवाते हैं और योजना पास करते हैं. इन अधिकारियों कि अगर उच्च अधिकारी से प्रखंड कार्यालय की जांच हो तो अधिकारियों की सच्चाई सामने आ जाएगी. इसके साथ हीं मुखिया भी बदनाम नहीं होंगे. मुखिया संघ ने कहा जब तक सरकार हमारी सात सूत्री मांगों को पूरा नहीं करती है, तब तक यह धरना समाप्त नहीं होगा. धीरे-धीरे पूरे हजारीबाग जिले के मुखिया धरने में शामिल होंगे और सभी अपने-अपने प्रखंड कार्यालय में धरने देंगे. वहीं सत्येंद्र मेहता ने कहा कि इचाक प्रखंड के अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं.

इचाक प्रखंड में धरने पर बैठे मुखिया को संबोधित करते वक्ता.

डीसी ने तीर्थ दर्शन योजना के तहत यात्रियों को किया रवाना

संवाददाता। रामगढ़

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 33 बीपीएल हिंदू धर्म धर्मावलंबियों को द्वारका एवं सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए जिला समाहरणालय परिसर से रवाना किया. उन्होंने अधिकारियों को सफलतापूर्वक तीर्थ यात्रा संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. इस दौरान चितरपुर प्रखंड से 6, पतरातू प्रखंड से 3, गोला प्रखंड से 10, मांडू प्रखंड से 14 यात्री द्वारका एवं सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए. सभी यात्री समाहरणालय से विशेष बस द्वारा हटिया रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए जहां से उन्हें विशेष ट्रेन द्वारा यात्रा कराई जाएगी. दो नोडल अधिकारी कमल साहू ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मांडू एवं संदीप कुमार जन सेवक पतरातु तीर्थ यात्रियों के साथ रहेंगे. मौके पर उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, जिला खेल पदाधिकारी सह पर्यटन नोडल पदाधिकारी मारकस हेंब्रम, एसएमपीओ विक्रम सोनी, भोलानाथ, प्रकाश सहित अन्य उपस्थित थे.

गुहार — प्रदर्शनकारियों ने सरकार से की 300 मनरेगा कर्मियों को स्थायी करने की मांग

धरने पर मनरेगा कर्मचारी, जिले में 2600 कूप अधूरे

खास बातें

- भारी बरसात में धंसा तो होगा राजस्व का भारी नुकसान
- मनरेगाकर्मी की हड़ताल से मजदूर और लाभुक परेशान

संवाददाता। हजारीबाग

चुनाव आते ही विभिन्न कर्मचारी संघ मांगों को लेकर धरना शुरू कर देते हैं. इससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. उनके काम ठप हो जाते हैं और मनरेगा मजदूर भुखमरी के कगार पर आ जाते हैं. किसी का कागजात नहीं बन पाता है तो किसी को रोजगार नहीं मिल पाता है. इसी कड़ी में जिले में मनरेगा कर्मचारी एक सूत्री मांग को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं. जिले में मनरेगा के कर्मचारियों की संख्या लगभग 300 है और अब इनके धरने पर बैठने से विभिन्न प्रखंडों में मनरेगा के कार्य बाधित हो रहे हैं. बता दें कि जिले में लगभग चार लाख की लागत से बन रहे 2600 कूपों का कार्य अधूरा है, जबकि बरसात आने से पहले इनका निर्माण पूरा करना था. अब बरसात का मौसम चल रहा और मनरेगा कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं. ऐसे में भारी बरसात में अधूरे कूपों का निर्माण पूरा होने से पहले धंसने का खतरा बना हुआ है. इससे लाभुकों के साथ सरकार को भी लगभग 104 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है. यहां तक कि मनरेगा से चल रहे अबुआ आवास, मेड़ बंदी, टीसीपी, वाटर रिचार्ज जैसे कई कार्य प्रखंड में चल रहे थे, जो बाधित हो गए हैं. इसके कारण मजदूरों को भी रोजगार नहीं मिल पा रहा है.

जिले में मनरेगा कर्मचारी सोमवार से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं..

'मनरेगा मजदूरों को बीमा का लाभ तो हमें क्यों नहीं'

इस संबंध में धरना स्थल पर बैठे मनरेगा कर्मचारी संतोष सिंह ने बताया कि मनरेगा कर्मचारी को सरकार 11 हजार रुपये से लेकर 23 हजार रुपये प्रति माह देती है. इस पैसे से हमारा न घर चलता है और न हम बच्चे को अच्छी शिक्षा दे सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि कार्यस्थल पर मनरेगा मजदूरों के साथ कोई घटना घटती है तो 75 हजार रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक का बीमा कवर मिलता है, लेकिन हम लोगों को बीमा का लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है. यहां तक कि हम लोगों को अब तक स्थायी भी नहीं किया गया. इसी को लेकर हम अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं. हमारी मांग कोई बड़ी नहीं है. हम 300 मनरेगा कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग कर रहे हैं.

मुखिया सकीबा खातून जमीन वापसी को लेकर मंत्री से मिलीं

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड की पाण्डु पंचायत की मुखिया सकीबा खातून ने झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर पाण्डु क्षेत्र में डुमरी कोल ब्लॉक द्वारा अधिग्रहित जमीन भू रैयतों को वापस कराने की मांग की है. इस बाबत मुखिया ने मंत्री को दिए लिखित ज्ञापन में कहा है कि पांडू पंचायत क्षेत्र में नीलांचल आयरन पावर लिमिटेड द्वारा नौकरी के नाम पर फर्जी तरीके से जमीन अधिग्रहित की गई थी. इसके एवज में नौकरी का झांसा दिया गया था. वर्ष 2008 में नीलांचल आयरन पावर लिमिटेड द्वारा जमीन ली गई थी, लेकिन आजतक उपरोक्त कंपनी द्वारा खनन कार्य नहीं किया जा सका. कंपनी द्वारा 3 लाख 85 हजार रुपये दर से प्रति एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था. कंपनी द्वारा ना ही खनन कार्य शुरू किया गया और न ही नौकरी दी गई. कंपनी द्वारा 20 प्रतिशत जमीन अधिग्रहित की गई है, जो खेती योग्य भूमि है और कुछ भाग पर काफी संख्या में मकान बने हुए हैं.

गोवा शिपयार्ड ने किया जलावतरण, हमारी नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम : राज्यपाल

नौसेना के लिए अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित 'त्रिपुट' युद्धपोत का जलावतरण

एजेंसी। पणजी

वास्को स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो 'पी11356 युद्धपोत' में से पहले युद्धपोत 'त्रिपुट' का मंगलवार को जलावतरण किया. यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित है. गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने युद्धपोत का जलावतरण किया, जबकि उनकी पत्नी रीता पिल्लई ने इसे 'त्रिपुट' नाम दिया. नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय सिंह, भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण के नियंत्रक वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे. राज्यपाल पिल्लई ने कहा, "हमारी नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है. भारतीय नौसेना की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है." उन्होंने कहा, "आज के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्र कई चुनौतियों का सामना करते हैं. युद्धपोत का जलावतरण हमारे हितों की रक्षा के लिए देश की तैयारियों और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन है." पिल्लई ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों में बदलाव के बीच इस जहाज का जलावतरण एक मजबूत संदेश भेजता है कि हमारा देश शांति एवं स्थिरता के अलावा अपनी अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा, "यह किसी भी क्षेत्रीय आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार एक मजबूत और सक्षम रक्षा बल बनाए रखने के हमारे दृढ़ समर्पण को दर्शाता है."

पहली बार किया इतने बड़े जहाज का निर्माण

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि "चूंकि, भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले बल और पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में उभर रही है तथा समुद्री विविधता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है, इसलिए उसे आधुनिक बनाना और हमेशा सर्वोत्तम साधनों, हथियारों व सेंसर से लैस करना अहम है." वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि इस जहाज का नाम त्रिपुट रखा गया है, जो भारतीय नौसेना की शक्तिशाली तलवार और प्रतीकात्मक अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प तथा हमला करने की क्षमता के कारण रखा गया है. जीएसएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि शिपयार्ड अपने 67 साल पुराने इतिहास में पहली बार इतने बड़े जहाज का निर्माण कर रहा है.

नौसेना प्रमुख ने आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुई क्षति का लिया जायजा

मुंबई। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को मुंबई गोदी में जाकर युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का जायजा लिया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि दो दिन पहले अग्रिम मोर्चे पर सेवा देने वाले युद्धपोत पर आग लग गई थी. अधिकारी ने बताया, 'नौसेना प्रमुख ने बल की गोदी का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने युद्धपोत की मरम्मत के लिए उठाए जाने वाले अगले कदम पर भी चर्चा की.'

युद्धपोत में आग लगने के बाद से उस पर सवार एक नाविक लापता है. पोत मुंबई की नौसेना गोदी में है. अधिकारी ने बताया कि बहुद्देशीय युद्धपोत पर 21 जुलाई की शाम को आग तब लगी जब मुंबई की गोदी में उसका मरम्मत कार्य चल रहा था. नौसेना ने इससे पहले बताया था कि युद्धपोत पर मौजूद चालक दल और गोदी में तैनात दमकल कर्मियों एवं वहां मौजूद अन्य जहाजों की मदद से 22 जुलाई की सुबह आग पर काबू पाया जा सका. इसके बाद आग के संभावित खतरे का आकलन और सफाई का कार्य शुरू किया गया. अधिकारी ने बताया कि आग से युद्धपोत सोमवार दोपहर एक तरफ (बंदरगाह की ओर) झुक गया और तमाम कोशिशों के बावजूद उसे सीधा नहीं किया जा सका. उन्होंने बताया कि युद्धपोत अब भी एक ओर झुका हुआ है और मौजूदा समय में गोदी की एक ओर खड़ा है. अधिकारी के मुताबिक एक कनिष्ठ नाविक के अलावा युद्धपोत पर मौजूद सभी जवानों एवं अधिकारियों का पता लगा लिया गया है जबकि लापता नाविक की तलाश की जा रही है.

ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा

पणजी। नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने मंगलवार को कहा कि आग लगने के बाद एक तरफ झुके स्वदेशी युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' को सीधा किया जा सकता है और घटना में हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा. नौसेना ने एक विज्ञप्ति में बताया था कि मुंबई नौसैन्य डॉकयार्ड में खड़े बहुउद्देशीय युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' पर 21 जुलाई की शाम को मरम्मत कार्य के दौरान आग लग गई थी. इसमें बताया गया था कि युद्धपोत के चालक दल ने डॉकयार्ड में तैनात दमकल कर्मियों और वहां खड़े अन्य जहाजों के कर्मचारियों की मदद से सोमवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया गया था.

ब्रीफ खबरें

माली में हिंसक हमले में 26 ग्रामीणों की मौत

बमाको। बुर्किना फासो की सीमा के समीप माली के मध्य क्षेत्र के एक गांव पर एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई. बैंकोस कस्बे के मेयर मौलाये गुइंडो ने बताया कि डेंबो गांव में हमलावरों ने रविवार शाम को ग्रामीणों पर उस समय हमला कर दिया, जब उनमें से अधिकतर लोग अपने खेतों में काम कर रहे थे. देश की सैन्य सरकार उत्तरी क्षेत्र में हिंसा को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है. इसके पीछे अल-कायदा से जुड़े चरमपंथी संगठन 'जेएनआईएम' का हाथ माना जा रहा है जो क्षेत्र के ग्रामीणों को अक्सर निशाना बनाता है.

कोलंबिया में सांडों की लड़ाई पर लगा प्रतिबंध

बोगोटा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस दक्षिण अमेरिकी देश में सांडों की लड़ाई पर प्रतिबंध लगाने के प्रावधान वाले विधेयक पर सोमवार को हस्ताक्षर किए. इसके साथ ही दुनियाभर में उन देशों की संख्या और कम हो गई, जहां सदियों पुरानी यह परंपरा अब भी वैध है. बोगोटा में सांडों के अखाड़े में आयोजित एक समारोह के दौरान सांड जैसी पोशाक पहने एक समर्थक ने पेट्रो को विधेयक की प्रति सौंपी, जिस पर उन्होंने सैकड़ों पशु अधिकार कार्यकर्ताओं के सामने हस्ताक्षर किए. कई महीनों की तीखी बहस के बाद मई में कोलंबिया की संसद ने सांडों की लड़ाई पर प्रतिबंध लगाए जाने को मंजूरी दे दी थी.

'अश्लील सामग्री' पर नेटफ्लिक्स को समन

नयी दिल्ली। बाल अधिकारों की शीर्ष निकाय एनसीपीसीआर ने नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को उनके मंच पर कथित तौर पर 'अश्लील सामग्री' नाबालिगों तक सुलभ होने के मामले में सोमवार को तलब किया है. नेटफ्लिक्स की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने मंगलवार को नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा, 'नेटफ्लिक्स पर नाबालिगों तक 'अश्लील सामग्री की बिना रोक टोक पहुंच' यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम-2012 का उल्लंघन है.'

वर्षों से जारी मतभेद खत्म : बीजिंग में घोषणा पत्र पर किए हस्ताक्षर

फलस्तीनी क्षेत्र में हमास व फतह की 'संयुक्त सरकार'

एजेंसी। रामल्ला (वेस्ट बैंक)

गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच फलस्तीन के प्रतिद्वंद्वी समूहों हमास और फतह ने वर्षों से जारी आपसी मतभेदों को खत्म करने के लिए बीजिंग में घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए. चीन के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी. गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच यह घोषणापत्र फलस्तीनी क्षेत्र में मिलकर सरकार बनाने के मकसद से हमास और फतह को एकजुट करने के लिए जारी कई दौर की बातचीत का नतीजा है. हालांकि, दोनों पक्ष आपसी मतभेद दूर करने के लिए पहले भी कई ऐसे घोषणापत्र पर दस्तखत कर चुके हैं, जो विफल रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या चीन प्रायोजित वार्ता से वास्तव में कोई समाधान निकल सकता है.

इस घोषणापत्र पर ऐसे समय में हस्ताक्षर किए गए हैं, जब इजराइल और हमास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित संघर्ष-विराम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जो गाजा पट्टी में नौ महीने से जारी युद्ध को समाप्त कर सकता है और हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों की आजादी का रास्ता खोल सकता है. हालांकि, समझौते पर सहमति बनने के बावजूद युद्ध के बाद गाजा पट्टी की स्थिति को लेकर संशय बरकरार रहेगा, क्योंकि इजराइल इस क्षेत्र के शासन में हमास की किसी भी भूमिका के खिलाफ है. उसने गाजा को फतह-प्रभुत्व वाले फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित करने के अमेरिका के आह्वान को भी खारिज कर दिया है.

चीन के विदेश मंत्री वांग यी (बीच में) फतह के उपाध्यक्ष महमूद अल-अलौल और हमास के एक वरिष्ठ सदस्य. **प्रेट्र**

इजराइल ने समझौते को किया खारिज, कहा- कोई संयुक्त शासन नहीं होगा

सीसीटीवी' के मुताबिक, इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने मंगलवार को इस समझौते को खारिज कर दिया और कहा कि गाजा में हमास एवं फतह का कोई संयुक्त शासन नहीं होगा 'क्योंकि हमास के शासन को कुचल दिया जाएगा.' चीनी मीडिया के मुताबिक फलस्तीन के दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों ने 12 अन्य राजनीतिक गुटों के साथ चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की और इसके साथ ही रविवार को शुरू हुई बातचीत का समापन हुआ. बीजिंग में हालिया वार्ता के बाद जारी एक संयुक्त बयान में इस संबंध में कोई विवरण नहीं दिया गया है कि सरकार कब और कैसे बनेगी. इसमें केवल यह कहा गया है कि सरकार "गुटों के बीच सहमति से" बनाई जाएगी. हमास ने वर्ष 2007 में हिंसक संघर्ष के दौरान फलस्तीन के तत्कालीन राष्ट्रपति महमूद अब्बास के वफादार फतह लड़ाकों को गाजा पट्टी से खदेड़कर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था.

श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने एक बैठक में माफी मांगने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

कोविड-19 पीड़ितों के जबरन दाह संस्कार पर मुसलमानों से माफी मांगेगी श्रीलंका सरकार

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह कोविड-19 से जान गंवाने वाले मुस्लिम व्यक्तियों के जबरन दाह संस्कार के लिए देश के मुस्लिम समुदाय से औपचारिक रूप से माफी मांगेगी. श्रीलंकाई सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कोरोना महामारी के दौरान विवादित शवदाह नीति लागू की थी.

वर्ष 2020 में कोविड-19 पीड़ितों के दाह संस्कार का अनिवार्य आदेश जारी किया गया था जिससे मुसलमानों सहित कई अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को उनके धार्मिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा था. हालांकि, बढ़ती अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बीच फरवरी 2021 में इस आदेश को रद्द कर दिया गया था. एक कैबिनेट नोट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने सोमवार को एक बैठक में मार्च 2020 में थोपे गए आदेश के लिए मुस्लिम समुदाय से माफी मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. इसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने सरकार की ओर से सभी समुदायों से माफी मांगने का फैसला किया है. मंत्रिमंडल ने ऐसे विवादास्पद कदमों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कानून लाने का भी निर्णय लिया. बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने धर्म के आधार पर शवों को दफनाने या दाह संस्कार पर एक प्रस्तावित कानून को भी मंजूरी दे दी है.

मुस्लिम समुदाय ने जबरन दाह संस्कार नीति का किया था विरोध

मुस्लिम समुदाय ने जबरन दाह संस्कार नीति का विरोध किया था और कुछ ने तो अपने प्रियजनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघरों में छोड़ दिया था. समुदाय के सदस्यों ने कहा था कि या तो उन्हें शव जलाने की अनुमति देने के लिए मजबूर किया गया था या उनकी जानकारी के बिना ऐसा किया गया था. इस्लाम में शव दाह वर्जित है. फरवरी 2021 में आदेश के रद्द किये जाने से पहले श्रीलंका में 276 मुस्लिमों का दाह संस्कार किया गया. श्रीलंका की सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देकर दफनाने की अनुमति देने की मांग का विरोध किया था.

पुंछ : घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक जवान घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी. हालांकि, इस दौरान मुठभेड़ में एक सैनिक के घायल होने की खबर है. 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सतर्क सैनिकों ने तड़के तीन बजे बट्टल सेक्टर में घुसपैठ की फिराक में जुटे आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब देकर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी."

मेडिकल छात्रों के लिए नीट को खत्म कर राज्य की अलग प्रवेश परीक्षा लेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार पेपर लीक मामले के बाद राज्य में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करने की तैयारी कर रही है. सोमवार को कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और वे मौजूदा सत्र के दौरान दोनों सदनों में प्रस्ताव पारित करने के लिए तैयार हैं. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर विधेयक पारित हो जाता है, तो कर्नाटक की अपनी मेडिकल प्रवेश परीक्षा होगी. इसके अलावा, कैबिनेट ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) का भी प्रस्ताव रखा है जो वर्तमान बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका से बेंगलुरु पर वित्तीय शक्ति लेगी. बेंगलुरु के पुनर्गठन की योजना लंबे समय से लंबित थी. 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के खिलाफ एक और प्रस्ताव भी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा. इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि नीट परीक्षा उत्तर भारत के छात्रों को लाभ पहुंचा रही है. उन्होंने कहा, 'नीट परीक्षा को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए और केंद्र सरकार को राज्यों को अपनी खुद की परीक्षा आयोजित करने की अनुमति देनी चाहिए.

दिल्ली हाईकोर्ट ने 38 पन्नों के अपने आदेश में दिल्ली पुलिस पर की सख्त टिप्पणी

राष्ट्रगान गाने को मजबूर किए गए युवक की मौत मामले की जांच सीबीआई करेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 23 वर्षीय एक युवक की मौत से संबंधित मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया, जिसे 2020 में शहर के उत्तर पूर्वी हिस्से में हुए दंगों के दौरान कथित तौर पर पीटा गया और राष्ट्रगान गाने के लिए मजबूर किया गया था. इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था.

फैजान की मां ने मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने के लिए याचिका दायर की थी. इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने कहा कि अभी तक

पहचाने नहीं गए पुलिसकर्मियों पर 'धार्मिक कट्टरता से प्रेरित' होकर मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करने का आरोप हैं. यह तथ्य कि अपराधी स्वयं जांच एजेंसी के सदस्य हैं, भरोसा पैदा नहीं करता है. न्यायमूर्ति भंभानी ने टिप्पणी की कि पुलिस जांच के दौरान घृणा अपराधों से तत्परता से निपटने के उच्चतम न्यायालय के फैसले की भावना को पूरा नहीं किया गया है. अदालत ने कहा, 'घृणा-अपराध की घटनाओं को रोकने के बजाय वर्तमान मामले में कुछ पुलिसकर्मी याचिकाकर्ता के बेटे के खिलाफ भीड़-हिंसा में संलिप्त पाए गए हैं. इन परिस्थितियों में, यह अदालत याचिका का निस्तारण करने को सहमत है और निर्देश देती है कि मामले की जांच तत्काल कानून के तहत आगे की जांच के लिए सीबीआई, नयी दिल्ली को हस्तांतरित कर दी जाएगी.' अदालत ने अपने 38 पन्नों के आदेश में कहा कि दिल्ली पुलिस ने अब तक जो कुछ किया है, वह 'बहुत कम और बहुत देर से किया गया' है. उसकी अब तक की जांच में भी कई विसंगतियां और भटकाव है.

मादक पदार्थ मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

आरोपी भाजपा के शीर्ष नेताओं का करीबी : कांग्रेस

- भाजपा सरकार के लिए अपराधी, अपराधी होता है : भाजपा

एजेंसी। सूरत

गुजरात में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सूरत में मादक पदार्थ के एक मामले में पकड़ा गया व्यक्ति राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल समेत सत्तारूढ़ पार्टी के कई शीर्ष नेताओं का करीबी है जिसके बाद दोनों दलों के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गयी है. कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा ने कहा कि मादक पदार्थ के तस्कर की गिरफ्तारी दिखाती है कि उसकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में पुलिस की मादक पदार्थ के मुद्दे पर बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी चाहे उनका कोई भी राजनीतिक संबंध हो. सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि एक खुफिया सूचना के आधार पर सूरत पुलिस ने सोमवार को शहर के सलाबतपुरा इलाके में एक होटल पर छापा मारा और तीन लोगों को पकड़ा. पुलिस ने उनके पास से 35.49 लाख रुपये की 910 ग्राम मेफेड्रोन दवा बरामद की.

ड्रग्स तस्करी में पकड़ा गया भाजपा नेता विकास अहीर योगी आदित्यनाथ के साथ.

सांघवी, पाटिल व योगी आदित्यनाथ के साथ की कई तस्वीरें जारी

अहीर की गिरफ्तारी के बाद सूरत के असलम साइकिलवाला सहित कई कांग्रेस नेताओं ने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें अहीर को सांघवी, पाटिल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ देखा जा सकता है. कांग्रेस की गुजरात इकाई ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि अहीर भाजपा का सदस्य था और उसने पूछा कि क्या वह गांधीनगर में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय 'कमलम' में बैठे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को 'कमीशन' दिया करता था?

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी के 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन मिला : एपी सर्वेक्षण

कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी लगभग तय

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के लिए पर्याप्त 'डेलीगेट' (पार्टी मतदाताओं के प्रतिनिधि) का समर्थन हासिल कर लिया है. 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है. डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की चुनौती होगी. राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे. इसके साथ ही उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया. बाइडन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेता हैरिस के समर्थन में तत्काल हो खड़े हो गए और उनके प्रचार अभियान ने 24 घंटे में चंदा एकत्र करने का नया रिकॉर्ड बनाया. हैरिस को सोमवार रात तक कम से कम 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन प्राप्त हो चुका था, जबकि पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 1,976 'डेलीगेट' की आवश्यकता होती है. एपी की यह गणना व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के साक्षात्कारों, हैरिस को समर्थन देने की घोषणा करने वाले राज्य स्तरीय दलों के सार्वजनिक बयानों और व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के सार्वजनिक तौर पर दिए बयानों पर आधारित है.

बाइडन कमला के लिए प्रचार करेंगे : वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से पीछे हटने के अपने फैसले को सोमवार को 'सही कदम' करार दिया. उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के चलते वह अभी लोगों के बीच नहीं जा पा रहे हैं, लेकिन वह जल्द ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे. बाइडन ने गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश की थी. अपनी पूर्व प्रचार टीम को फोन पर संबोधित करते हुए बाइडन ने इसके सदस्यों से उपराष्ट्रपति कमला को 'दिल से अपनाने' का आग्रह किया.

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को पीछे ले जाना चाहते हैं : कमला हैरिस

इस बीच, कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के लिए अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे हमले के साथ की. उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति देश को पीछे ले जाना चाहते हैं. डेलावेयर के विलमिंगटन में सोमवार को अपनी प्रचार टीम को संबोधित करते हुए कमला (59) ने कहा कि ट्रंप का विवादित प्रोजेक्ट 2025 'मध्यम वर्ग को कमजोर करेगा और हमें एक बार फिर उन विफल नीतियों की ओर ले जाएगा, जिनके तहत अरबपतियों और बड़ी कंपनियों को करों में भारी छूट दी गई और कामकाजी लोगों से इसकी भरपाई करवाई गई.'कमला ने प्रचार टीम के सदस्यों से कहा कि वह 'बाइडन-हैरिस कैंपेन टीम' को बरकरार रख रही हैं.

जेडी वेंस ने कमला हैरिस पर किए तीखे हमले

रेडफोर्ड (अमेरिका)। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस ने सोमवार को अपनी शुरुआती चुनावी रैलियों में मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर तीखे हमले किए. वेंस ने वर्जीनिया में कहा, 'इतिहास जो बाइडन को मैदान छोड़ने वाले व्यक्ति के साथ ही अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब राष्ट्रपतियों में से एक के रूप में याद रखेगा, लेकिन मेरे दोस्तों, कमला हैरिस उनसे भी लाख गुना बदतर हैं और यह बात हर कोई जानता है. उन्होंने जो बाइडन की हर विफलता पर मुहर लगायी है और उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में काम करने की उनकी (बाइडन) मानसिक क्षमता के बारे में झूठ बोला है.'

इथियोपिया में भूस्खलन में बच्चों समेत कम से कम 157 की मौत

- मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया, कई लापता

एजेंसी। अदीस अबाबा

इथियोपिया के एक दूरस्थ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 157 लोगों की मौत हो गयी. स्थानीय प्रशासक दागमावी आयेले ने बताया कि दक्षिणी इथियोपिया के केंचो शाचा गोजदी जिले में मिट्टी धंसने की घटना में मारे गए लोगों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं. गोफा जोन के संचार कार्यालय के प्रमुख कासाहुन अबेयनेह ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 157 हो गयी. सोमवार रात तक 55 लोगों की मौत की सूचना थी. गोफा जोन वह प्रशासनिक इलाका है जहां भूस्खलन हुआ है. ज्यादातर लोग सोमवार सुबह हुए भूस्खलन में दब गए. उस समय बचावकर्मी एक दिन पहले हुए एक अन्य भूस्खलन के बाद पीड़ितों की तलाश कर रहे थे. आयेले ने बताया कि मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया. गोफा में एक अन्य अधिकारी मार्कोस मेलीसे ने बताया कि अन्य लोगों को बचाने की कोशिश करते वक्त भूस्खलन की चपेट में आए लोगों में से कई लापता हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)